जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 10 मई, 2026

आन्दोलन
अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™
Pavitra

FIXED PRICE

हर माँ कर रही है आन्दोलन

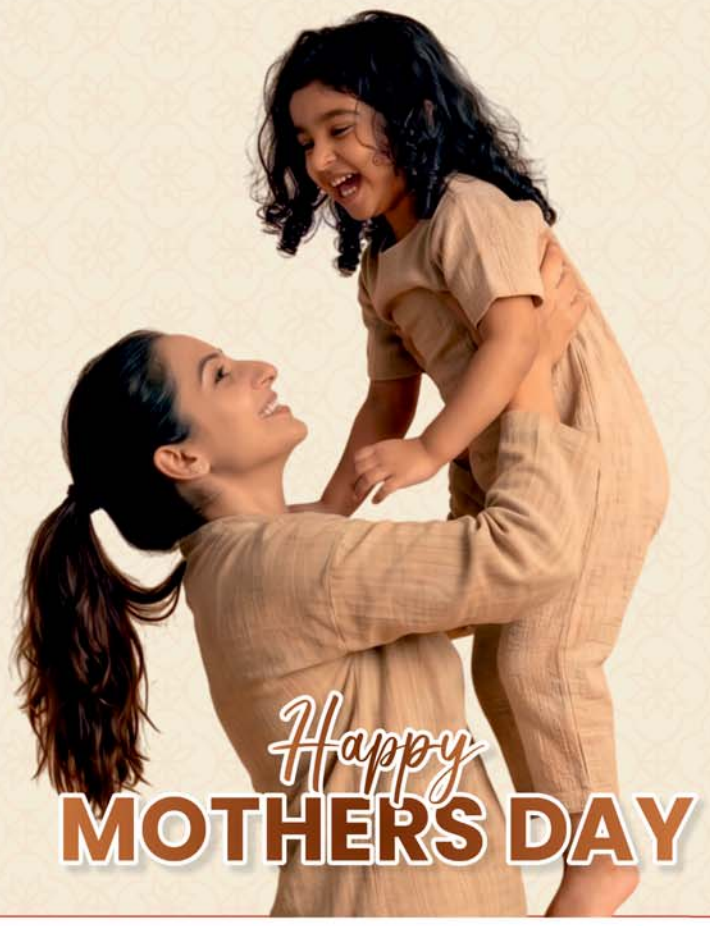

1857 की क्रांति की शुरुआत भी एक माँ ने ही की थी और
आज **अशुद्ध के विरुद्ध आन्दोलन** की नायिका भी एक माँ ही है।
इंटरनेशनल मदर्स-डे पर केडिया पवित्र
उन सभी माताओं को नमन करता है जिन्होंने अपने परिवार की
सेहत के लिए केडिया पवित्र को अपनाया है।

कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ
1800-120-2727

For joining us as Distributor or Business Development Officer
Email ID : bdm@kediapavitra.com | Call : +91 76888-66333

ORDER ON WEBSITE | ORDER ON WHATSAPP | ORDER ON APP | ORDER ON ZEPTO

T & C Apply
MRP ₹ Incl. of all taxes

www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387

₹5000/-Sq Ft में कोठी !

अब हर महीने 5 लाख रेट बढ़ेगी

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	PRESENT RATE	31 MAY 2026	30 JUNE 2026	31 JULY 2026	31 AUG. 2026	30 SEPT. 2026	31 OCT. 2026	30 NOV. 2026	30 DEC. 2026
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 Lacs	66 Lacs	68 Lacs	70 Lacs	72 Lacs	74 Lacs	76 Lacs	78 Lacs	80 Lacs
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 Lacs	76 Lacs	78 Lacs	80 Lacs	82 Lacs	84 Lacs	86 Lacs	88 Lacs	90 Lacs
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 Lacs	82.5 Lacs	85 Lacs	87.5 Lacs	90 Lacs	92.5 Lacs	95 Lacs	97.5 Lacs	1 Cr
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 Cr	1.075 Cr	1.10 Cr	1.125 Cr	1.15 Cr	1.175 Cr	1.20 Cr	1.225 Cr	1.25 Cr
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.26 Cr	1.29 Cr	1.32 Cr	1.35 Cr	1.38 Cr	1.41 Cr	1.44 Cr	1.47 Cr	1.50 Cr
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.60 Cr	1.65 Cr	1.70 Cr	1.75 Cr	1.80 Cr	1.85 Cr	1.90 Cr	1.95 Cr	2 Cr

NO MIDDLE MEN

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

FIXED PRICE

KEDIA® | 1800-120-2323 | info@kedia.com | www.kedia.com | 78770-72737

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

विचार बिन्दु

दोष निकालना सुगम है, उसे अच्छा करना कठिन। –प्लूटार्क

शहरी हरियाली में मृत्यु दर घटाने का रहस्य छुपा है

य**जुर्विद संहिता का एक सूत्र हैः हरित्समुच्चयः शुभहेतुरेषः, स्वस्थंशरीरंमनसश्चशान्तिम्। विनाशयत्याशुगदांस्तथान्याः, सृजत्ययुंदीर्घमथोसमृद्धिम्।।** तात्पर्य यह है कि हरियाली का विस्तार शुभ का कारण है। यह शरीर को स्वस्थ बनाती है और मन को शांति प्रदान करती है। यह शीघ्र ही रोगों और अन्य कष्टों को नष्ट करती है और दीर्घायु तथा समृद्धि को उत्पन्न करती है। आज की चर्चा इसके वैज्ञानिक विश्लेषण पर है।

कभी आपने सोचा है कि हमारे आसपास के हरे-भरे पेड़, पार्क और हरियाली हमें कैसे जिंदा रख सकते हैं? यह कहानी एक ऐसे सफर की है जहां विज्ञान और प्रकृति के बीच की अनदेखी डोर ने मानव जीवन को न केवल लंबा किया है, बल्कि इसे शांत और स्वस्थ भी बनाया है। कल्पना कीजिए, एक ऐसा दिन जब शहरों में हरियाली का नामो-निशान मिट चुका हो। हर तरफ केवल कंक्रीट का जंगल, धूल,धुआं और बेचैनी। यही तो आधुनिक शहरीकरण की सच्चाई है, जहां हरियाली कम होती जा रही है। लेकिन विज्ञान ने हमें बताया है कि यह कहानी किसी त्रासदी की ओर बढ़ सकती है। शोध बताते हैं कि जो लोग हरियाली के पास रहते हैं, उनकी मृत्यु दर कम होती है। यह केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि जीवन और मृत्यु के बीच की कहानी है।

एक बूढ़ी महिला की कहानी लीजिए, जो शहरी कोलाहल में अपने घर की खिड़की से केवल कंक्रीट की इमारतें देखती है। वह अकेली रहती है, उसका स्वास्थ्य खराब है और वह अक्सर अस्पताल जाती है। लेकिन एक दिन, उसकी बेटी उसे एक ऐसे घर में ले जाती है, जहां खिड़की के बाहर एक बड़ा बगीचा है। कुछ महीनों में, उसकी मानसिक स्थिति में सुधार होता है, उसकी हृदय गति सामान्य हो जाती हैऔर वह पहले से बेहतर महसूस करने लगती है। यह कहानी केवल भावनात्मक नहीं है, बल्कि वैज्ञानिक है। अध्ययन बताते हैं कि हरियाली हृदय संबंधी बीमारियों, मानसिक तनाव और श्वसन तंत्र पर अद्भुत प्रभाव डालती है।

हरियाली का प्रभाव केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह सामुदायिक स्तर पर भी लाभकारी है। ज़रा सोचिए, एक ऐसा इलाका जहां हरियाली की कमी हो, वहां अपराध दर अधिक होती है। लेकिन जैसे ही एक पार्क का निर्माण होता है, बच्चों के लिए खेलने की जगह मिलती है, वयस्कों के लिए टहलने के रास्ते बनते हैं, क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आने लगते हैं। यह केवल एक सामाजिक परिवर्तन नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य और कल्याण का विस्तार है।

क्या हरियाली के बिना भी जीवन संभव है? वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखें तो नहीं। चीन में एक अनोखा अध्ययन बताता है कि अत्यधिक ठंड या गर्मी से होने वाली मौतों को हरियाली नाटकीय रूप से कम कर सकती है। यह शोध स्पष्ट करता है कि हरियाली केवल सौंदर्य का स्रोत नहीं है, बल्कि यह जीवन रक्षक भी है। हरियाली केवल शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिक शांति और दीर्घायु का आधार भी बन सकती है।

दक्षिण एशियाई देशों में हरियाली के महत्व को समझना और भी आवश्यक हो जाता है। शहरीकरण के कारण हरियाली के क्षेत्र सीमित हो गए हैं, जिससे शारीरिक गतिविधियों में कमी और संबंधित बीमारियों, जैसे मोटापा, मधुमेह और उच्च रक्तचाप,में वृद्धि हुई है। हरियाली को उपयोगी बनाने के लिए डिज़ाइन में सुधार आवश्यक है। उदाहरण के लिए, महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित और सुलभ पार्क बनाना, जहां वे बिना किसी डर के टहल सकें।

कम आय वाले और हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए हरियाली का सकारात्मक प्रभाव अधिक होता है। गरीब और वंचित समुदाय, जिनके पास स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य संसाधनों तक सीमित पहुंच होती है, हरियाली से अधिक लाभान्वित होते हैं। यह न केवल स्वास्थ्य असमानताओं को कम करने में मदद करता है, बल्कि सामाजिक समानता को बढ़ावा देने का भी एक प्रभावी साधन है।

क्या आप जानते हैं कि ब्लू स्पेस (जैसे तालाब, झील) का भी स्वास्थ्य पर प्रभाव हो सकता है? ब्लू और ग्रीन स्पेस का सम्मिलित प्रभाव श्वसन और कार्डियोवैस्कुलर बीमारियों से होने वाली मृत्यु दर को कम कर सकता है। शोध स्पष्ट करता है कि पानी और हरियाली के बीच का यह जुड़ाव हमारी सेहत के लिए कितना महत्वपूर्ण हो सकता है।

अब जरा एक छोटे लड़के की कल्पना करें, जो बड़े शहर में हरियाली के बिना पला-बढ़ा है। उसकी श्वसन समस्याएं बढ़ जाती हैं, और वह अक्सर अस्पताल जाता है। लेकिन जब वह एक गांव में अपने दादा-दादी के पास जाता है,जहां हर तरफ पेड़ और खेत हैं, तो उसका स्वास्थ्य बेहतर हो जाता है। यह सिर्फ एक कहानी नहीं है, बल्कि हकीकत है। अध्ययनों ने दिखाया है कि हरियाली केवल बीमारी को रोकने का साधन नहीं है, बल्कि यह पुनर्वास और उपचार का भी एक प्रभावी माध्यम हो सकती है।

नीचे प्रस्तुत शोध के आंकड़े और उनके निष्कर्षों में हरियाली और स्वास्थ्य के बीच संबंधों पर व्यापक और समग्र विवरण देखा जा सकता है।

अल्फ़ानो और साथियों (Environmental Research: 216, 2023) ने 538 नमूनों पर अध्ययन किया। उन्होंने गर्भावस्था के दौरान माताओं के हरियाली के संपर्क का नवजात शिशुओं के डीएनए मिथाइलेशन पर प्रभाव देखा। 147 डिफरेंशियली मिथाइलेटेड क्षेत्र की पहचान की गई, जिनमें से 85 क्षेत्रों ने प्रदूषण, सड़क की दूरी, शहरीकरण और पड़ोस की आय जैसे कारकों के बावजूद भी महत्वपूर्ण परिणाम दिखाए। यह अध्ययन हरियाली और आनुवंशिक प्रभावों के बीच संबंध को रेखांकित करता है।

कामी-बर्नाल और साथियों (Health and Place: 82, 2023) ने हरियाली और टाइप-2 मधुमेह के बीच संबंध पर 13 कोहोर्ट अध्ययनों का विश्लेषण किया, जिनमें 1,700 से 19,22,545 प्रतिभागी शामिल थे। उन्होंने पाया कि जिन व्यक्तियों को अधिक हरियाली का संपर्क मिला, उनमें टाइप-2 मधुमेह की घटनाएं कम थीं।

हरियाली का महत्व केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह हमारी संस्कृति, हमारे समाज और हमारे अस्तित्व का आधार है। यह हमें न केवल जिंदा रखती है, बल्कि हमें जीवन जीने का तरीका भी सिखाती है। यह समय है कि हम इस ज्ञान को अपनाएं और अपने जीवन में हरियाली को स्थान दें। आखिरकार, यह केवल पेड़ों और पौधों की बात नहीं है; यह हमारे जीवन की बात है। आइए, इसे संजोएं और संरक्षित करें।

डिमाकोपुलू और साथियों (Frontiers in Epidemiology, 3,2023) ने यूरोप के नौ देशों में 204 मिलियन व्यक्ति-वर्ष और 3.1 मिलियन मौतों के आंकड़ों का विश्लेषण किया। उन्होंने पाया कि पी.एम.2.5, नाइट्रोजन के ऑक्साइड और ब्लैक कार्बन के संपर्क से मृत्यु दर बढ़ती है, लेकिन हरियाली का उच्च स्तर इन नकारात्मक प्रभावों को कम कर सकता है।

लियू और साथियों (Environmental Pollution, 301,2022) ने 53 अध्ययनों का विश्लेषण किया, जिनमें 18 देशों के 100 मिलियन व्यक्ति शामिल थे। उनका मेटा-विश्लेषण दिखाता है कि एनडीवीआई (हरियाली का माप) में 0.1 की वृद्धि से कार्डियोवैस्कुलर मृत्यु दर में 2-3 प्रतिशत की कमी होती है।

अधिकारी और साथियों (The Lancet Planetary Health, 4, 135-136, 2020) ने दक्षिण एशिया के संदर्भ में हरियाली और स्वास्थ्य का अध्ययन किया। उन्होंने यह पाया कि शहरीकरण के कारण हरियाली की कमी मोटापा, मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों को बढ़ाती है। उन्होंने सुझाव दिया कि हरियाली के डिज़ाइन और उसकी उपलब्धता में सुधार के लिए नीतिगत प्रयासों की आवश्यकता है।

बर्ट्रेंड और साथियों (Public Health, 200:91-98, 2021) ने 13 एक्सपोजर-रिस्पॉन्स फंक्शनका उपयोग किया और निष्कर्ष निकाला कि एनडीवीआई में 0.1 की वृद्धि सामान्य मृत्यु दर के जोखिम अनुपात को 0.96 तक कम कर सकती है।

कुआ और ली (Perspectives in Public Health, 141: 342-353, 2021) ने 20 अध्ययनों (133,363 प्रतिभागी और 202 मिलियन व्यक्ति) का विश्लेषण किया और पाया कि हरियाली का अधिक संपर्क सामान्य मृत्यु दर को 3 प्रतिशत तक कम कर सकता है।

झोउ और साथियों (Sustainable Cities and Society, 116,2024) ने 21 अध्ययनों का विश्लेषण किया और पाया कि ब्लू और ग्रीन स्पेस का संयुक्त प्रभाव श्वसन और हृदय संबंधी मृत्यु दर को कम करता है।

ही और साथियों (Science of the Total Environment, 851, 2022) ने 138,749स्ट्रोक से संबंधित मौतों का अध्ययन किया और निष्कर्ष निकाला कि हरियाली ने ठंड और गर्मी से संबंधित स्ट्रोक मृत्यु दर को कम किया। उच्च एनडीवीआई नेविशेष रूप से गर्मी के प्रभाव को कम करने में सहायता की।

रिगोलोन और साथियों (International Journal of Environmental Research and Public Health, 18: 1-29, 2021) ने 90 अध्ययनों का विश्लेषण किया और पाया कि गरीब और वंचित समुदाय हरियाली से अधिक लाभान्वित होते हैं। हरियाली इन समुदायों में स्वास्थ्य असमानताओं को कम करती है।

रॉजस-रुएडा और साथियों (The Lancet Planetary Health, 3:e469-e477, 2019) ने 8.3 मिलियन प्रतिभागियों पर नौ अध्ययनों का विश्लेषण किया और पाया कि एनडीवीआई में 0.1 की वृद्धि सामान्य मृत्यु दर को 4 प्रतिशततक कम कर सकती है।

स्मिथ और साथियों (Cities, 119, 2021) ने ब्लू स्पेस के प्रभावों का विश्लेषण करते हुए पाया कि ब्लू स्पेस का संपर्क मोटापे और सामान्य मृत्यु दर में सुधार करता है।

युआन और साथियों (Aging Clinical and Experimental Research, 33:1783-1797, 2021) ने बुजुर्ग व्यक्तियों पर हरियाली के प्रभाव का अध्ययन किया और पाया कि हरियाली का संपर्क सामान्य और स्ट्रोक मृत्यु दर को कम करता है।

इसी प्रकार जरे सखाविदि इत्यादि (Science of the Total Environment, 838, 156180, 2022) द्वारा हरियाली और कैंसर के संबंध पर 18 अध्ययनों का मेटा-विश्लेषण बताता है कि फेफड़ों और अन्य प्रकार के कैंसर पर हरियाली के सकारात्मक प्रभाव के संकेत मिले।

इन शोधों ने हरियाली के व्यापक लाभों को दर्शाया है, जिसमें मृत्यु दर में कमी, स्वास्थ्य सुधार और सामाजिक असमानताओं को कम करने की क्षमता शामिल है। यह स्पष्ट है कि हरियाली मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती है।

लेकिन हम इस ज्ञान का उपयोग कैसे कर सकते हैं? व्यक्तिगत स्तर पर, हम अपने आस-पास अधिक से अधिक पौधे लगा सकते हैं। पड़ोस के पार्क में नियमित रूप से समय बिताना हमारे स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाल सकता है। जैसा कि यजुर्विद संहिता में कहा गया है:- **वनंप्रविश्यप्रचलन्ति ये ते, धृतिंलभन्तेहृदये सदा वै। तनुः सुदृढ्यामनसः प्रसादं, विधायसेव्यंशमयेत्व्यथाश्च।।** तात्पर्य यह है कि वन में प्रवेश करके जो लोग पैदल भ्रमण करते हैं, वे सदा अपने हृदय में स्थिरता (धैर्य और शक्ति) प्राप्त करते हैं। उनका शरीर सुदृढ़ होता है और मन प्रसन्न हो जाता है। इस प्रकार, वन को सेवन करते हुए (वन में नियमित भ्रमण करते हुए), शारीरिक और मानसिक दुखों और कष्टों को शांत किया जा सकता है।

बच्चों को प्रकृति के संपर्क में लाना,उन्हें पेड़ों और हरियाली के महत्व के बारे में सिखाना भी एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रशासन के लिए यह जरूरी है कि हरियाली को शहरी योजना का अभिन्न हिस्सा बनाया जाए। पार्कों का निर्माण, सार्वजनिक स्थानों पर हरियाली बढ़ाना और ब्लू-ग्रीन स्पेस का प्रबंधन इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं। इसके साथ ही, सामाजिक असमानता को ध्यान में रखते हुए ऐसी योजनाएं बनानी चाहिए, जो गरीब और वंचित समुदायों के लिए अधिक सुलभ हों।

हरियाली का महत्व केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह हमारी संस्कृति, हमारे समाज और हमारे अस्तित्व का आधार है। यह हमें न केवल जिंदा रखती है, बल्कि हमें जीवन जीने का तरीका भी सिखाती है। यह समय है कि हम इस ज्ञान को अपनाएं और अपने जीवन में हरियाली को स्थान दें। आखिरकार, यह केवल पेड़ों और पौधों की बात नहीं है; यह हमारे जीवन की बात है। आइए, इसे संजोएं और संरक्षित करें।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

धरातल से दूर - दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता-मिशन

मिशन के द्वारा वर्ष 2031 के अंत तक देश में दलहन उत्पादन को 350 लाख टन तक बढ़ाना तथा दलहन खेती के क्षेत्र में 10 लाख हेक्टर तक बढ़ोतरी का लक्ष्य निर्धारित किया गया

रामपाल जाट

'न्यूनतम समर्थन मूल्य' पर खरीद की सुनिश्चितता द्वारा किसानों को सशक्त बनाने एवं भारत में पोषण और आर्थिक सुरक्षा के लिए भारत सरकार ने नीति आयोग की 4 सितम्बर 2025 की अनुशंसा के अनुसार 'दलहन उत्पादन आत्मनिर्भरता मिशन' को 01 अक्टूबर 2025 को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत किया गया। जिसे प्रधानमंत्री द्वारा 11 अक्टूबर 2025 को 11,440 करोड़ रुपए के बजटीय आवंटन के साथ आरंभ करने की घोषणा की गई। इसकी अवधि 2025-26 से लेकर 2030-31 तक 6 वर्ष की रखी है।

इस मिशन का उद्देश्य घरेलू दालों की मांग की पूर्ति करने, आयात पर निर्भरता कम करने, किसानों की आय में वृद्धि के माध्यम से रोजगार को बढ़ावा देने, खाद्य सुरक्षा को सुदृढ़ करने, फसल चक्र की निरंतरता से मृदा स्वास्थ्य के द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में समृद्धि लाने तथा सतत दलहन उत्पादन में देश को वैश्विक नायक के रूप में स्थापित कर सम्रद्ध भारत का निर्माण करना है।

विश्व में दालों का सबसे बड़ा उत्पादक, उपभोक्ता और आयातक होने से देश में उत्पादकता और स्थिरता बढ़ाने की नीतियों का केन्द्र बिंदु होना अपरिहार्य है। आर्थिक आवश्यकता के अतिरिक्त सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार की दिशा में भी यह महत्वपूर्ण कदम है।

इस मिशन के द्वारा वर्ष 2031 के अंत तक देश में दलहन उत्पादन को 350 लाख टन तक बढ़ाना तथा दलहन खेती के क्षेत्र में 10 लाख हेक्टर तक बढ़ोतरी का लक्ष्य निर्धारित किया गया। मिशन के अंतर्गत 2 करोड़ किसानों को गारंटीकृत खरीद से लाभान्वित करने का उल्लेख किया है।

इसी दिशा में 'मूल्य समर्थन योजना' के अंतर्गत 'मानक संचालन प्रक्रिया' की मार्गदर्शिका तैयार की गई। जिसमें तुअर, उड़द, मसूर एवं चना खरीद के लिए भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) और राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ) को दायित्व सौपा गया।

सहकार समृद्धि पोर्टल पर दर्शाये गए संपूर्ण उत्पादन की खरीद का प्रावधान किया गया है। इसके अनुसार चना उत्पादक मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र में राज्यों की संस्थाओं के अतिरिक्त नेफैड एवं एनसीसीएफ द्वारा सीधी खरीद आरंभ है। इसमे गुजरात में 43, मध्य प्रदेश में 46, महाराष्ट्र 55 खरीद केंद्र संचालित है। राजस्थान में अजमेर जिले के किशनगढ़ में एक ही खरीद केंद्र संचालित है। वहां भी जिन किसानों ने राजफैड में पंजीयन कराया एवं जिनकी 40 क्विंटल की सीमा तक खरीद हो चुकी है, उनको इस योजना से वंचित रखा जा रहा है।

राजफैड ने भी मूल संस्था नेफैड के आधार पर उसके अभिकर्ता के रूप में पंजीयन किए थे, वैधानिक रूप से उसका दायित्व भी मूल संस्था का ही होता है। यानि राजफैड द्वारा किए गए पंजीयन के आधार पर भी नेफैड द्वारा सीधी खरीद से मना करना इस योजना की भावना को कुचलने वाला है।

जिन किसानों से 40 क्विंटल से अधिक चना नहीं खरीदा जायेगा उन्हें अवशेष उत्पादित चना 775 रुपए प्रति क्विंटल तक का घाटा उठाकर बेचना पड़ेगा। इससे 140 क्विंटल चना उत्पादन करने वाले किसान को 100 क्विंटल चना 77,500 रूपये का घाटा उठाना पड़ेगा। राजस्थान के अनेक क्षेत्रों के किसान मूंग एवं चना की फ़सल पर ही निर्भर करते हैं। यह उनके परिवार की जीविका का अवलंबन होने से पारिवारिक अर्थव्यवस्था की रीढ़ है।

भारत सरकार द्वारा दलहन उत्पादन में आत्म निर्भरता मिशन जैसी कल्याणकारी योजना के क्रियान्वयन का कर्तव्य राज्यों का है। राजस्थान या अन्य किसी भी राज्य द्वारा इस प्रकार की नीति को निष्प्रभावी बनाना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। वैसे भी भारत सरकार ने 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' पर दलहन - तिलहन की खरीद के लिए नेफैड को अधिकृत किया हुआ है, राजफैड जैसी राज्यों की संस्थाएं तो उनके सहायक अथवा अभिकर्ता के रूप में ही कार्य करती हैं।

भारत सरकार ने मई 2014 में 'मूल्य समर्थन योजना' के अंतर्गत दलहन एवं तिलहन जैसी उपजो के राज्य के कुल उत्पादन में से 25 प्रतिशत से अधिक खरीद करने पर प्रतिबंध लगाया था, उसके बाद वर्ष 2018 से 'छत्रक योजना' के रूप में 'प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान' आरंभ किया, उसमें भी यह प्रतिबंध यथावत रखा गया। तब से ही देश के किसानों की ओर से इसका विरोध किया जा रहा है। इन दोनों योजनाओं का प्रयोजन दलहन एवं तिलहन उत्पादको को प्रोत्साहित करना दर्शाया गया, इस प्रकार के प्रतिबंध उसके प्रयोजन को समाप्त करने वाले हैं। ऐसे प्रतिबंधों को तो तत्काल समाप्त किया जाना चाहिए था किंतु ऐसे प्रतिबंधों को हटाने के लिए दलहन-तिलहन उत्पादक किसानों को 12 वर्ष तक प्रतीक्षा करनी पड़ी। भारत सरकार ने 31 अगस्त 2022 से अब तक धीमी गति से इन प्रतिबंधों को हटाने की कार्यवाही की है। चने पर प्रतिबंध को हटाने में 12 वर्ष का समय व्यतीत हुआ। 8 वर्ष तो सतत संघर्ष के साथ किसानों को राज्यों तथा केंद्र के प्रमुख शासन सचिवो सहित कृषि मंत्री, सहकारिता मंत्री, मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री तक निरंतर ज्ञापनों- वार्ताओं के माध्यम से अनुनय- विनय करना पड़ा है। तब मूल्य समर्थन योजना के अंतर्गत मानक संचालन प्रक्रिया प्रभाव में आयी।

जब एक से अधिक विकल्प हो तो श्रेयस्कर विकल्प का चुनाव ही लोक कल्याणकारी हैं। किसानो की ओर से सात से अधिक वर्षों में सरकारों को सौंपे गए ज्ञापनों मे उल्लिखित समस्याओं के समाधान के दिशा में मानक संचालन प्रक्रिया प्रभाव में आई है। यथा-पंजीयन निरंतर चालू रखने के साथ उसके एक से अधिक विकल्प उपलब्ध कराया जाना, एक दिन में एक किसान से खरीद की मात्रा तथा राज्य के कुल उत्पादन में 25 प्रतिशत से अधिक खरीद पर प्रतिबंधो को हटाये जाने जैसी पहल से चने की दाने-दाने की खरीद की सम्भावना बलवती हुई। वही पंजीयन की जटिल एवं लूट ग्रसित प्रक्रिया को सरल बनाया गया है।

इस सफलता प्राप्ति के आनंदानुभव का अवसर राजस्थान जैसे राज्यों ने अवरोध उत्पन्न कर छीन लिया। किसानों को चने के घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य 5,875 रूपये प्रति क्विंटल प्राप्ति से वंचित कर उनके आर्थिक मेरुदंड पर प्रहार करने का पाप किया हैं। राजस्थान में इसकी अगवाई सहकारिता विभाग के स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री कर रहे हैं, जो मुख्यमंत्री की चुप्पी के बिना सम्भव नही है।

इस प्रकार दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता मिशन को धरातल से दूर कर दिया।

–रामपाल जाट, राष्ट्रीय अध्यक्ष किसान महापंचायत

जब खाड़ी की रफ्तार धीमी पड़ती है, तो शेखावाटी पर असर पड़ता है

आसिफ उल्लाह खान

सीकर और झुंझुनू के सूखे गांवों में समृद्धि लंबे समय से स्थानीय कारखानों या खेती पर नहीं, बल्कि खाड़ी देशों के शहरों पर निर्भर रही है। दशकों से फतेहपुर जैसे कस्बों के लोग दुबई, दोहा और रियादजैसे शहरों में मजदूर, ड्राइवर और तकनीशियन के रूप में काम करते आए हैं। वे जो पैसा घर भेजते हैं, उसी से शेखावाटी के गांवों की अर्थव्यवस्था चलती रही है। लेकिन अब मध्य पूर्व में बढ़ता संकट इस सहारे को हिला रहा है।

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यू.एन.डी.पी.) की एक हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण लगभग 37 लाख नौकरियां खत्म हो सकती हैं। खाड़ी देश-जो खाड़ी सहयोग परिषद (जी.सी.सी.) के तहत आते हैं-को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ सकता है।

भारत के लिए यह बहुत बड़ी बात है। भारत को हर साल करीब 135 अरब डॉलर (करीब 11 लाख करोड़) की रकम विदेशों से मिलती है, जिसमें से लगभग 50 अरब डॉलर (करीब 4.1 लाख करोड़) सिर्फ खाड़ी देशों से आता है। राजस्थान पर एक अध्ययन बताता है कि राज्य की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा विदेशों से आने वाले पैसों पर निर्भर है। लगभग 50 प्रतिशत प्रवासी राजस्थानी खाड़ी देशों में काम करते हैं। एक प्रवासी परिवार को साल में औसतन 54,000 (करीब 650) मिलते हैं। यह औसत (मीडियन) आंकड़ा है-कुछ परिवारों को इससे ज्यादा मिलता है, कुछ को कम-लेकिन यह दिखाता है कि यह पैसा गांवों के लिए कितना जरूरी है।

शेखावाटी-जिसमें सीकर, झुंझुनूं और फतेहपुर आते हैं-में यह निर्भरता और ज्यादा है। यहां के अधिकतर लोग मजदूरी या छोटे काम करते हैं, खासकर निर्माण क्षेत्र में, और उनकी कमाई आमतौर पर 50,000 महीने से कम होती है। जो लोग 20,000 से 50,000 महीने कमाते हैं, वे उसमें से लगभग 30-60 प्रतिशत पैसा घर भेजते हैं। यानी हर महीने करीब 8,000 से 25,000 घर आता है, जो साल में लगभग 1 से 3 लाख होता है। गांवों में हजारों लोग विदेश में काम कर रहे हैं। इसलिए एक साधारण अनुमान के मुताबिक हर साल शेखावाटी में करीब 800 करोड़ से 8,000 करोड़ (करीब 100 मिलियन से 1 बिलियन) तक पैसा आता है।

सीकर के सामाजिक कार्यकर्ता और समुदाय के नेता अशफाक खमखानी कहते हैं कि यह संकट अब साफ दिखने लगा है। हालात बहुत गंभीर हो गए हैं। जो इलाका पहले हजारों लोगों को खाड़ी देशों में भेजता था, वहीं अब बड़ी संख्या में लोग वापस लौट रहे हैं, खमखानी कहते हैं। उनके अनुसार सबसे ज्यादा असर निर्माण क्षेत्र के मजदूरों पर पड़ा है।

शेखावाटी के राजमिस्त्री बहुत अच्छे माने जाते हैं। लेकिन खाड़ी में निर्माण काम रुक गया है, इसलिए लोग वापस आ रहे हैं। जो अभी वहां हैं, वे भी एहतियात के तौर पर पैसे भेज रहे हैं, क्योंकि उन्हें डर है कि कहीं उन्हें भी वापस न आना पड़े। वे बताते हैं कि निर्माण के अलावा कई लोग छोटे व्यवसाय जैसे किराना दुकान, चाय की दुकान और छोटे होटल भी चला रहे थे। अब वे खर्च कम कर रहे हैं। जिनके पास दो-तीन दुकानें थीं, वे अब एक ही दुकान चला रहे हैं।

राजस्थान के गांवों में इसका असर साफ दिख रहा है। अब जब पैसे नहीं आ रहे हैं, तो लोगों की जिंदगी बहुत सादगी भरी हो गई है, खमखानी कहते हैं। अब शादियां सादगी से हो रही हैं। पहले जैसा दिखावा और खर्च कम हो गया है। नए पक्के मकानों का निर्माण लगभग रुक गया है और पुराने घरों की मरम्मत भी पैसे की कमी के कारण नहीं हो पा रही है। असल में शेखावाटी की पूरी अर्थव्यवस्था विदेश से आने वाले पैसों पर टिकी हुई है। अब जब खाड़ी देशों की रफ्तार धीमी पड़ रही है, तो यह व्यवस्था दबाव में आ गई है। खाड़ी में जो होता है, वह अब वहीं तक सीमित नहीं रहता। उसका असर राजस्थान के आम लोगों की जिंदगी पर साफ दिख रहा है।

आसिफ उल्लाह खान, वरिष्ठ पत्रकार

मां : वह एक शब्द, जिसमें समाया पूरा ब्रह्मांड

श्वेता यादव

कभी आपने सोचा है, दुनिया का सबसे पहला शब्द क्या है? पापा नहीं, लव भी नहीं। असल में वो धीमी, कोमल आवाज़ है – माँ – इसमें वो जादू है, जिसने पत्थर को भी पिघलाया है। इस रविवार, को पूरी दुनिया मातृ दिवस मना रही है, लेकिन असली बात ये है – क्या सिर्फ एक दिन काफी है उसके लिए, जिसने जन्म दिया?

चलिए, आज इसी उलझन को सुलझाते हैं। वो पहली मुलाकात, जो कोई नहीं भूलता – ये कहानी शुरू होती है 1908 में, अमेरिका से। अन्ना जार्विस नाम की एक बेटी अपनी माँ को इतना प्यार करती थी कि उसकी मौत के बाद उसने पूरी दुनिया को एक दिन माँ के नाम करने की ठान ली। 10 मई, 1908 को पहली बार माँ के लिए फूल खिले, लोगों ने उन्हें गले लगाया और तब से ये सिलसिला चल निकला। पर ये तो हुई पश्चिमी बात, अब आते हैं अपने घर – हिंदुस्तान। यहाँ तो हर दिन मातृ दिवस है – भारत में माँ को सिर्फ अम्मा या मम्मी नहीं कहा जाता। यहाँ तो माँ दुर्गा बनती हैं, जिनकी दस भुजाएँ हैं – एक में तलवार, तो एक में आशीर्वाद। हम नवरात्रि में नौ दिन तक उनकी आराधना करते हैं। हमारे यहाँ पिठोरी अमावस्या और माता तीर्थ औंसी जैसे त्योहार हैं, जहाँ माँ के चरणों में सारा स्वर्ग न्योछावर कर दिया जाता है। अंग्रेजों ने हमें अलगाया, पर माँ के प्रति हमारी निष्ठा कभी नहीं बदली। बॉलीवुड से लेकर चाय की कुल्हड़ तक – सोचिए, जब माँ शब्द सुनते हैं, तो क्या खयाल आता है? क्या वो फिल्म मदर इंडिया की निर्जला हैं? या कभी खुशी कभी गम की नंदिनी? असल में, माँ वो हैं जो सुबह चार बजे उठकर आपके लिए पराठे बनाए, और फिर शाम को आपके मोबाइल पर चिल्लाएँ – "आग लगे तेरे फोन में, जब देखो बस उसमें लगे रहते हो!"

वो डायलॉग जो आपको गुस्सा दिलाता है, वही असल में प्यार का सबसे सच्चा सर्टिफिकेट है। 'खाना खा लिया?' – ये तीन शब्द कितनी रातों की नींद उड़ा देते हैं, ये तो वो माँ ही जाने।

आखिर क्यों जरूरी है ये दिन? – क्योंकि ये दिन हमें याद दिलाता है कि माँ कोई सुपर हीरो नहीं है। वो एक सामान्य इंसान है, जिसने अपने सपने आपसे पहले आपके लिए कुर्बान कर दिए। वो ढाल है, जो दुनिया के हर थप्पड़ को अपनी छाती पर झेल लेती है। तो इस रविवार, बिना शर्त, बिना किसी बहाने के बस उनकी आँखों में देखिए और कहिए – 'थैंक यू, माँ।' भले ही वो जवाब में डांट दें, आप जानते हैं, वो डांट भी आपके नाम ही लिखी है। क्योंकि एक दिन जब वो नहीं होंगी, तो वो आग लगे तेरे फोन में भी सबसे प्यारा गाना लगेगा।

हैप्पी मदर्स डे – सिर्फ एक दिन नहीं, बल्कि एक एहसास।

–श्वेता यादव

राशिफल रविवार 10 मई, 2026

पंडित अनिल शर्मा

प्रथम ज्येष्ठ मास (शुद्ध), कृष्ण पक्ष, अष्टमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2083, धनिष्ठा नक्षत्र रात्रि 12:50 तक, ब्रह्म योग रात्रि 2:09 तक, कौलव करण दिन 3:07 तक, चन्द्रमा दिन12:13 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मेष, चन्द्रमा-मकर, मंगल-मीन, बुध-मेष, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज त्रिलोकनाथ अष्टमी है। पंचक दिन 12:13 से आरम्भ होंगे। आज मदर्स डे है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 7:25 से 9:05 तक, लाभ-अमृत 9:05 से 12:23 तक, शुभ 2:02 से 3:42 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:46, सूर्यास्त 7:00

मेष
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज आपको अपने प्रयासों में उचित सफलता मिल सकती है।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में सफल रहेंगे। आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी।

कर्क
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। कार्य शीघ्रता/सुगमता से सम्पन्न हो सकते हैं। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है।

कन्या
परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

तुला
परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

वृश्चिक
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है।

धनु
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मकर
मानसिक तनाव दूर होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

कुंभ
आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। परिचितों से वाद-विवाद हो सकते हैं। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

मीन
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 276 प्रभात जयपुर, रविवार 10 मई, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Too Many Tests And Too Tired Doctors!

Defensive medicine is a clinical practice where medical practitioners recommend diagnostic tests, procedures or consultations primarily to protect themselves from potential malpractice lawsuits

Banaras Vs Delhi Chaat

White Dragon Fruit Vs Red Dragon Fruit

क्या राजस्थान का इतिहास दोहराया जाएगा केरल में, इस बार?

विधानसभा में विपक्ष के नेता सतीशन की शिकायत है कि पाँच साल उन्होंने गाँव-गाँव जाकर मेहनत की तथा वेणुगोपाल ने दिल्ली में बैठकर संगठन महासचिव के पद का आनंद लिया और अब वेणुगोपाल केरल का मु.मंत्री बनने का दावा पेश कर रहे हैं

- वेणुगोपाल व सतीशन में कटुता इतनी बढ़ गई है कि वेणुगोपाल ने भी कमर कस ली, यह कहकर कि वे देखते हैं, सतीशन कैसे मु.मंत्री बनते हैं। हालांकि, सतीशन को भारी समर्थन मिल रहा है, कार्यकर्ताओं व पार्टी के नेताओं से।
- पहले राहुल का चुनाव क्षेत्र और अब प्रियंका गांधी की सीट वायनाड में भी जहाँ आईयूएमएल की काफी पकड़ है, में भी पूरा दबाव है, सतीशन को मु.मंत्री बनाने के लिए। आईयूएमएल के सतीशन से पुराने व गहरे संबंध हैं।
- राहुल गांधी की भी साढ़े चार घंटे की लंबी बातचीत हुई, केरल के मु.मंत्री पद के दावेदारों के साथ। पर, मु.मंत्री पद के दावेदारों की यह बैठक भी अनिर्णित ही रही है, अब तक।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 मई। केरल कांग्रेस में जो कुछ हो रहा है, वह राजस्थान कांग्रेस में विधानसभा चुनाव जीतने के बाद हुए घटनाक्रम की याद दिला रहा है।

सचिन पायलट ने पांच साल तक गाँव-गाँव घूमकर, धूप और धूल झेलकर, कड़ी मेहनत की, लेकिन जब मुख्यमंत्री पद का समय आया, तो अशोक गहलोत को चुना गया, जो उस समय संगठन के प्रभारी एआईसीसी महासचिव थे। गहलोत को बड़े मारवाड़ी कारोबारियों और धनशक्ति के प्रदर्शन के कारण मुख्यमंत्री बनाया गया, जबकि सचिन पायलट अपने घाव सहलाते रह गए।

अब वही दृश्य केरल कांग्रेस में दोहराया जा रहा है।

राहुल गांधी ने सचिन से वादा किया था कि अगर पार्टी जीतती है तो उन्हें मुख्यमंत्री बनाएंगे, लेकिन वे अपने वादे को पूरा नहीं कर पाए।

केरल कांग्रेस नेतृत्व अभी भी असमंजस में है, क्योंकि पार्टी हाई कमान भारी जीत के बावजूद, मुख्यमंत्री का चयन नहीं कर पा रही है।

साढ़े चार घंटे की वह मीटिंग निर्णय हीन रही, जिसमें राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवारों और पर्यवेक्षकों के साथ व्यक्तिगत बैठकें कीं।

जहाँ केसी वेणुगोपाल के पास हेडकाउंट में अधिकांश विधायक हैं,

(शेष पृष्ठ 5 पर)

एसएमएस मैडिकल कॉलेज के छात्र ने आत्महत्या की

जयपुर, 9 मई। एसएमएस थाना इलाके में सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल की आठवीं मंजिल पर सीढ़ियों की रैलिंग पर एक एमबीबीएस फाइनल ईयर के छात्र ने फंदे से लटकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। शनिवार सुबह छात्र को फंदे से लटका देख हॉस्टल परिसर में सनसनी फैल गई। सूचना पर मौके पर

- न्यू आरडी हॉस्टल की आठवीं मंज़िल पर सीढ़ियों की रैलिंग से लटका हुआ उसका शव मिला।

पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतार पोस्टमार्टम के लिए सवाई मानसिंह अस्पताल के मुर्दाघर में भिजवाया।

थानाधिकारी राजेश शर्मा ने बताया कि नितिन यादव (22) पुत्र अर्जुन सिंह अलवर निवासी 20 दुकान नायला हाउस के पास अपने कुछ दोस्तों के साथ किराए के फ्लैट पर रहता था। शनिवार को नितिन का फोरेंसिक मेडिसिन का पेपर था। नितिन अपने दोस्तों के साथ एसके मेनन हॉस्टल में पढ़ने गया था। रात करीब 2 बजे वो अपने फ्लैट पर जाने की बात कह कर वहां से निकल गया और करीब पौने तीन बजे वो न्यू आर डी हॉस्टल पहुंचा। वहां पर सुबह

(शेष पृष्ठ 5 पर)

भाजपा बनी ''बंगालार जातीय पार्टी'', शपथ ग्रहण समारोह में

श्यामा प्रसाद मुखर्जी व उनके कश्मीर यात्रा के साथी 97 वर्षीय माखन लाल सरकार का प्र.मंत्री ने शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया व श्रद्धा से चरण स्पर्श किए

- माखन लाल सरकार का पूरा किस्सा मंच से सुनाया गया कि कैसे उन्हें दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया था तथा कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी की वजह जानी चाही तो बताया गया, उन्होंने एक देश भक्तिपूर्ण गाना गाया था जो नापसंद किया गया था। अतः उन्हें गिरफ्तार किया गया था। जज ने सरकार को दोबारा गाना सुनाने के आदेश दिए तथा गाना सुनकर उन्हें हिरासत से छोड़ने के आदेश दिए और निर्देश दिए दिल्ली पुलिस व सरकार को कि उन्हें उनके घर सिलिगुड़ी भेजने की व्यवस्था करे और रास्ते के लिए जेब खर्च भी दे।
- शपथ ग्रहण समारोह एक ''डिटेल्ड'' प्रयास हो गया, भाजपा का ''बंगालियाना'' स्वरूप दिखाने का, शायद भाजपा ममता बनर्जी के भाजपा को ''बंगाली विरोधी'' होने के लांछन को पूर्ण रूप से झुठलाना चाहती थी।
- शपथ ग्रहण समारोह की तारीख भी सोच समझकर रविन्द्र नाथ टैगोर के जन्म दिन पर रखी गई थी।

-अंजन रॉय ----
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 मई। शुभेन्दु अधिकारी द्वारा बंगाल के पहले भाजपा मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के साथ, राज्य में एक नया अध्याय शुरू हो गया है। इसके साथ ही अड़ियल और चीखने चिल्लाने वाली ममता बनर्जी राजनीतिक गुमनामी के अंधकार में चली जाएंगी।

ब्रिगेड परेड ग्राउंड पर आयोजित अपने विशाल शपथ ग्रहण समारोह में, भाजपा ने अपनी शुरुआत की यादें ताज़ा कीं और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की याद दिलाई, जिन्होंने वर्तमान भाजपा के पूर्ववर्ती संगठन जनसंघ की स्थापना की थी।

एक पल के लिए शपथ ग्रहण समारोह अतीत की यात्रा जैसा हो गया, जिसमें पार्टी की स्थापना के शुरुआती दौर को याद किया गया। हालांकि, डॉ. मुखर्जी ने अपने शुरुआती महत्वपूर्ण प्रयास बंगाल में शुरु किए थे, लेकिन भाजपा को बंगाल में सत्ता में आने में पचहत्तर साल लग गए।

97 वर्षीय माखन लाल सरकार आज़ादी के तुरंत बाद जवाहरलाल नेहरू की सरकार द्वारा कश्मीर को विशेष दर्जा देने का विरोध करने के लिए

(शेष पृष्ठ 5 पर)

वीसीके और वामदलों द्वारा विजय को समर्थन देने का स्वागत किया स्टालिन ने

स्टालिन ने कहा, तमिलनाडु में स्थिर सरकार के लिए यह जरुरी है, ये दल विजय को समर्थन देने के बाद भी द्रमुक के साथ बने रहेंगे

- स्टालिन ने लेकिन कांग्रेस के व्यवहार की आलोचना की और कहा कि उन्होंने विजय को समर्थन घोषित करने से पहले चर्चा तक नहीं की, उन्होंने पीठ में छुरा भोंका है।
- वीसीके विधायक दल के नेता वन्नी आरसू द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में कहा गया है कि हमारे अध्यक्ष डॉ. थोल थिरुमावलान राज्य में स्थिर सरकार बनाने के लिए टीवीके पार्टी को बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा करते हैं।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 मई। टीवीके मुख्यालय में अब ''जश्न'' का समय है। सुपरस्टार विजय का चुनावी नंबरों का डर खत्म हो गया है। अभिनेता, जिन्होंने इस सप्ताह की शुरुआत में एक बड़ी चुनावी सुपरहिट देने के बाद आधा रास्ता तय करने में संघर्ष किया था, ने अंततः बहुमत हासिल कर लिया है। इससे तमिलनाडु में पहली गठबंधन सरकार बनने और विजय के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने का रास्ता साफ हो गया है।

विदुतलाई चिरुथाइगल कचि (वीसीके) और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल), दोनों के पास दो-दो विधायक हैं, अब तमिलगा वेत्री कज़ा (टीवीके) को बिना शर्त समर्थन दे चुके हैं। उनके समर्थन से, टीवीके के नेतृत्व वाले गठबंधन की विधायक संख्या अब 120 तक पहुँच गई है, जो 118 के बहुमत के आँकड़े से अधिक है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

मुख्यमंत्री भजनलाल कोलकाता में शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए

कोलकाता/जयपुर, 9 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को कोलकाता में पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में आयोजित इस समारोह में उन्होंने शुभेन्दु अधिकारी को मुख्यमंत्री एवं अन्य विधायकों को मंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई एवं

- उन्होंने शुभेन्दु अधिकारी को मुख्यमंत्री पद की बधाई दी।

शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन की सरकार पश्चिम बंगाल के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पित होकर कार्य करेगी।

इस दौरान केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केन्द्रीय मंत्रिमण्डल के सदस्यों

(शेष पृष्ठ 5 पर)

तमिलनाडु के संदर्भ में प्रमोद महाजन का पुराना भाषण वायरल

महाजन ने यह भाषण 1997 में एचडी देवेगौड़ा सरकार के अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान दिया था

- भाषण में उन्होंने गठबंधन राजनीति के विरोधाभासों का उल्लेख किया और चीन यात्रा के दौरान चीनी प्रतिनिधिमंडल से चर्चा के दौरान अपनी बात का हवाला दिया, जब उन्होंने कहा था, ''मैं प्रमोद महाजन हूँ, मैं लोकसभा सदस्य हूँ, मैं सदन की सबसे बड़ी पार्टी से हूँ, पर विपक्ष में हूँ।''
- महाजन ने अपने भाषण में कहा, चीन के प्रतिनिधियों ने इस पर हैरानी जताई। महाजन ने चीन में यह भी बताया कि कांग्रेस दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है, सरकार को बाहर से समर्थन दे रही है, माकपा दूसरा सबसे बड़ी पार्टी है, सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल है, पर सरकार में शामिल नहीं है और सबसे छोटी पार्टी ने सरकार बनाई है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 मई। लगभग तीन दशकों पहले दिया गया एक भाषण इस समय फिर से चर्चा में है, जब तमिलनाडु एक त्रिशंकु विधानसभा के परिणामों से निपट रहा है। हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में सीटों के आधार पर सबसे बडी पार्टी, विजय की टीवीके, को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित नहीं किया गया है और यह अब एक या दो सीट वाले छोटे दलों से समर्थन मांग रही है, तब केन्द्र में सबसे बड़ी पार्टी विपक्ष में थी और तीसरी सबसे बड़ी पार्टी गठबंधन का हिस्सा थी, जबकि सबसे छोटी पार्टी ने गठबंधन सरकार बनाई थी।

इस पृष्ठभूमि में, पर्यवेक्षक 1997 में भाजपा के पूर्व नेता प्रमोद महाजन के उस भाषण को याद कर रहे हैं, जिसमें उन्होंने गठबंधन राजनीति की विरोधाभासों पर लोकसभा में विश्वास मत प्रस्ताव के दौरान टिप्पणी की थी।

यह भाषण 11 अप्रैल 1997 को प्रधानमंत्री एच.डी. देवगौड़ा की यूनाइटेड फ्रंट सरकार के विश्वास प्रस्ताव पर हो रही चर्चा के दौरान दिया गया था। इसे न केवल उसकी तीखी टिप्पणियों, बल्कि हास्यपूर्ण अंदाज के लिए भी याद किया जाता है। तमिलनाडु में राजनीतिक दलों द्वारा विचारधाराओं की सीमाओं को पार करते हुए बातचीत करने के दौरान महाजन का यह भाषण फिर से वायरल हो रहा है, जिसमें द्रमुक और अन्नाद्रमुक के अल्पकालिक सहयोग की चर्चा भी शामिल है।

1996 के लोकसभा चुनावों में किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला था। भाजपा 161 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा ने अटल बिहारी वाजपेयी को सरकार बनाने का निमंत्रण दिया। शिवसेना सहित, अपने तत्कालीन सहयोगियों के साथ भाजपा लगभग 194 सीटों पर भरोसा कर सकती थी। वाजपेयी को टीडीपी, डीएमके या एजीपी जैसे क्षेत्रीय दलों से अतिरिक्त समर्थन की उम्मीद थी। लेकिन इन दलों ने धर्मनिरपेक्षता का हवाला देते हुए, भाजपा के खिलाफ एकजुटता बनाए रखने के लिए समर्थन देने से इनकार कर दिया।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

प.बंगाल में भाजपा के पहले मु.मंत्री बने शुभेन्दु

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 मई। शुभेन्दु अधिकारी, जिन्होंने आज पश्चिम बंगाल के पहले भाजपा मुख्यमंत्री के रूप में

- शुभेन्दु अधिकारी के साथ 5 अन्य मंत्रियों ने भी शपथ ली। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी सहित भाजपा के सभी बड़े नेता व अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री भी मौजूद रहे।

शपथ ली, ने राज्य मंत्रिपरिषद में पांच मंत्रियों को शामिल किया है। अधिकारी की कैबिनेट में शामिल विधायकों में हैं: दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, निसिथ प्रमाणिक, क्षुदिराम टुडु और अशोक

(शेष पृष्ठ 5 पर)

यूक्रेन युद्ध का मकसद था शायद रूस का पुराना रूतबा पुनः स्थापित करना

पर, अब कुछ उल्टा ही हो रहा है, इस युद्ध ने रूस की ''फाल्ट लाइन्स'' और उजागर कर दी!

- रूस को एक हानि यह भी हुई कि यूरोप को, रूस द्वारा जो पैट्रोल व गैस उपलब्ध कराई जा रही थी उस गैस व पेट्रोल पर यूरोप की निर्भरता कम होती जा रही है।
- मामला अब केवल रूस व यूरोप के बीच का मुद्दा नहीं रह गया है। बल्कि,रूस की जनता भी काफी थक सी गई है तथा कुछ निराश भी, क्योंकि यह समझ नहीं आ रहा नागरिकों को कि यह स्थिति कभी ठीक होगी या नहीं, या जनता अपनी ''बैल्ट ही टाइट'' करती रहे।
- कल को आशा कि दृष्टि से नहीं देख पाना, कोई शुभ संकेत नहीं हैं।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 मई। सालों तक, व्लादिमीर पुतिन ने खुद को उस अनिवार्य मजबूत नेता के रूप में पेश किया, जिसने रूसी पावर, स्थिरता और राष्ट्रीय गौरव को बहाल किया। लेकिन अधिनायकवादी नियंत्रण की परतों के नीचे, ऐसे संकेत उभर रहे हैं कि जिस प्रणाली को उन्होंने बनाया, वह थकावट के दौर में प्रवेश कर रही है। अब रूस का राजनीतिक और कारोबारी अभिजात वर्ग युद्ध या देश की दिशा को सामूहिक राष्ट्रीय परियोजना के रूप में नहीं देखता। जिस युद्ध को कभी ''हमारा'' कहा जाता था, उसे अब गुपचुप रुप से ''उनका'' युद्ध कहा जाने लगा है।

भाषा में यह सूक्ष्म बदलाव एक गहरी सच्चाई को दर्शाता है: रूस की व्यवस्था के कई लोग अब पुतिन को भविष्य का शिल्पकार नहीं, बल्कि एक ऐसे तंत्र का संरक्षक मानते हैं, जो गिरावट के जाल में फंसा है। खुले विद्रोह का कोई संकेत नहीं है। डर, दमन और राज्य नियंत्रण अभी भी मजबूत हैं। फिर भी, रूस के भविष्य को आकार देने में क्रेमलिन का एकाधिकार कमजोर पड़ता दिखाई दे रहा है।

विडम्बना यह है कि पुतिन ने आंशिक रूप से अपनी सत्ता बनाए रखने और रूस की भू-राजनीतिक स्थिति को मजबूत करने के लिए यूक्रेन युद्ध शुरू किया। इसके बजाय, यह संघर्ष रूसी प्रणाली की संरचनात्मक कमजोरियों को उजागर कर गया और इसके दीर्घकालिक दिशा पर सवाल उठाए।

पहला कारक युद्ध की बढ़ती आर्थिक और सामाजिक लागत है। क्रेमलिन ने शुरू में यूक्रेन संघर्ष को सीमित सैन्य अभियान के रूप में पेश किया, जो सामान्य रूसी जीवन को प्रभावित नहीं करेगा। यह भ्रम टूट चुका है। महंगाई बढ़ गई, टैक्स बढ़ा दिए गए, बुनियादी ढांचे पर खर्च कम हुआ और सेंसरशिप बढ़ी। रूसी लोग सामूहिक रूप से इसका बोझ उठाते रहे, लेकिन राज्य ने इसके बदले राष्ट्रीय उद्देश्य या भविष्य में कोई पुरस्कार प्रदान नहीं किया।

दूसरा, रूस का अभिजात वर्ग भी असहज हो रहा है। दशकों तक, अमीर रूसी अपने धन की सुरक्षा पश्चिमी बैंकों, न्यायालयों और ऑफशोर संरचनाओं के माध्यम से करते थे। लेकिन पश्चिमी प्रतिबंधों और भू-राजनीतिक अलगाव के कारण उस धन को रूस में वापस लाना पड़ा, जहां संस्थाएं कमजोर हैं और राज्य हस्तक्षेप अक्सर मनमाना होता है। पिछले कुछ वर्षों में, निजी संपत्तियों के अरबों डॉलर कथित रूप से जब्त, राष्ट्रीयकृत या शासन के निष्ठावानों को पुनर्वितरित किए गए। पुतिन के प्रति वफादार लोग भी अब ऐसे नियम चाहते हैं, जिनके बारे में वो दावे से कह सकें और वे कानूनी सुरक्षा चाहते हैं।

तीसरा, भू-राजनीतिक परिदृश्य ऐसे तरीके से बदल गया है, जो रूस को नुकसान पहुंचाता है। पुतिन ने पश्चिमी प्रभुत्व को चुनौती देने और वैश्विक व्यवस्था को नया आकार देने की आशा की थी। इसके बजाय, रूस अधिक अलग-थलग और रणनीतिक रूप से कमजोर हो गया है। यूरोप ने रूसी ऊर्जा पर निर्भरता कम कर दी, जिससे मॉस्को का प्रमुख आय स्रोत कमज़ोर हुआ। रूस की कूटनीतिक स्थिति भी कमज़ोर हुई है, क्योंकि वैश्विक संस्थाएं खुद प्रभावहीन होती जा रही हैं। पश्चिम को कमज़ोर करने के प्रयास में, क्रेमलिन ने उन संरचनाओं को भी कमजोर कर दिया, जो कभी रूस को अंतरराष्ट्रीय महत्व देती थीं।

साथ ही, रूस एक पहचान संकट का भी सामना कर रहा है। ऐतिहासिक रूप से, रूस ने स्वयं को यूरोप और

(शेष पृष्ठ 5 पर)

मंगलवार को शपथ लेंगे, असम के नए मु.मंत्री

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 मई। असम के कार्यवाहक मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को कहा कि नई असम सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 12 मई को सुबह 11 बजे होगा।

खानापारा वेटरिनरी फील्ड का

- असम के कार्यवाहक मु.मंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने यह जानकारी दी और बताया कि मंगलवार सुबह 11 बजे शपथ ग्रहण समारोह होगा।

निरीक्षण करते समय मीडिया से बात करते हुए सरमा ने कहा कि 10 मई को भाजपा विधायक दल की बैठक होगी, जिसमें असम का नेता चुना जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि उसी दिन सुबह 11 बजे एनडीए की संयुक्त

(शेष पृष्ठ 5 पर)

प्रदेश के अस्पतालों में सभी प्रोटोकॉल्स की होगी सख्ती से पालना

लापरवाही पर संस्थान प्रभारी और यूनिट हेड होंगे जिम्मेदार

जयपुर। प्रदेश के सभी अस्पतालों में इमरजेंसी, ओपरेशन थियेटर, आईसीयू सहित अन्य संवेदनशील स्थानों पर ट्रीटमेंट प्रोटोकॉल की सख्ती से पालना सुनिश्चित करवाई जाएगी। इस संबंध में किसी भी तरह की लापरवाही सामने आई तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि ड्यूटी टाइम में सीनियर डॉक्टर्स सहित पूरा स्टाफ कार्यालय में उपस्थित रहे और अपनी जिम्मेदारियों का पूरी तत्परता एवं निष्ठा के साथ पालना करें, अन्यथा सेवा नियमों के अनुसार कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने शनिवार को शासन सचिवालय स्थित अपने कक्ष में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में इस संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोटा में प्रसूताओं की मौत एवं स्वास्थ्य बिगड़ने की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रकरण में हर पहलू पर निष्पक्ष एवं गहन जांच की जा रही है। प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए चिकित्सकों एवं नर्सिंग कार्मिकों पर सख्त कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि कहीं भी ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति हुई तो संस्थान प्रभारी एवं यूनिट हेड इसके लिए उत्तरदायी होंगे।

राठौड़ ने कहा कि सभी अस्पताल प्रभारी आपातकालीन इकाई, आईसीयू एवं ओपरेशन थियेटर की व्यवस्थाओं की गहन जांच करें। यह सुनिश्चित करें कि इन इकाइयों में नियमित रूप से स्टरलाइजेशन हो, ताकि संक्रमण फैलने की आशंका नहीं रहे। उपचार में काम लिए जाने वाले उपकरणों एवं मशीनों का भी प्रोटोकॉल के अनुरूप स्टरलाइजेशन हो। अस्पताल प्रभारी एवं यूनिट हेड नियमित रूप से मॉनिटरिंग करें कि अस्पताल में उपचार के सभी प्रोटोकॉल पूरे किए जा रहे है या नहीं

- ओटी, आईसीयू, इमरजेंसी में नियमित रूप से हो स्टरलाइजेशन
- प्रमुख शासन सचिव ने उच्च स्तरीय बैठक में दिए निर्देश

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि राज्य स्तर से भी समय-समय पर टीमें भेजकर प्रदेश के सभी अस्पतालों में प्रोटोकॉल्स की पालना की मॉनिटरिंग की जाए। जहां भी कमी सामने आए, तत्काल एक्शन लिया जाए। जहां सुधार की आवश्यकता हो, वहां तत्काल सुधार की कार्यवाही की जाए। तात्कालिक आवश्यकताओं के लिए आरएमआरएस के फण्ड का भी उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में आपूर्तित दवाओं के भण्डारण पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। दवाओं के भण्डार के लिए निर्धारित मानकों की पालना सुनिश्चित की जाए।

ड्यूटी रजिस्टर का समुचित संधारण, सीनियर डॉक्टर आवश्यक रूप से रहें मौजूद

राठौड़ ने कहा कि अस्पतालों में चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ की ड्यूटी रजिस्टर का समुचित तरीके से संधारण हो। यह सुनिश्चित हो कि सभी कार्मिक समय पर उपस्थित हों और पूरे समय अस्पताल में उपस्थित रहें। ओपरेशन थियेटर, आईसीयू, आपातकालीन इकाई सहित अन्य संवेदनशील स्थानों पर सीनियर डॉक्टर आवश्यक रूप से उपस्थित रहें। उन्होंने चिकित्सा शिक्षा आयुक्त एवं निदेशक जनस्वास्थ्य को निर्देश दिए कि अस्पतालों में सभी प्रोटोकॉल की पालना के लिए पुन: गाइडलाइन जारी करें।

बैठक में चिकित्सा शिक्षा आयुक्त बाबूलाल गोयल, आरएमएससीएल के प्रबंध निदेशक श्री पुखराज सेन, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्त डॉ. टी. शुभमंगला, राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी की अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. निधि पटेल, निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा, आरएमएससीएल के विशेषाधिकारी श्री जय सिंह, औषधि नियंत्रक अजय फाटक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

युवती का लैपटॉप चोरी करने वाला गिरफ्तार

जयपुर। जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मंदिर से एप्पल कंपनी का कीमती लैपटॉप चोरी करने वाले शातिर चोर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार पकड़ा गया आरोपित रायसर प्लाजा में मोबाइल और लैपटॉप रिपेयरिंग का काम करता है।

जो अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी किया गया लैपटॉप भी बरामद कर लिया है। फिलहाल आरोपित से पुलिस पूछताछ करने में जुटी है। पुलिस उपायुक्त (जयपुर पूर्व) रंजीता शर्मा ने बताया कि श्रीगंगानगर निवासी और हाल मालवीय नगर की रहने वाली अमीशा गर्ग ने मामला दर्ज कराया था कि वह 2 मई की सुबह मालवीय नगर स्थित विश्वनाथ मंदिर में दर्शन करने गई थी। उसने अपना लैपटॉप बैग मंदिर की बेंच पर रखा और माथा टेकने चली गई। कुछ देर बाद जब वह वापस लौटी तो बेंच से एप्पल का लैपटॉप और बैग गायब मिला। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की और थानाधिकारी महेश चन्द्र के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने मंदिर और आसपास के क्षेत्र के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और तकनीकी अनुसंधान की मदद से संदिग्धों पर नजर रखी।

कानून व्यवस्था व अपराध नियंत्रण को लेकर समीक्षा बैठक

जयपुर। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने शहर में बेहतर कानून व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने,अपराध नियंत्रण को प्रभावी बनाने तथा आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास एवं अपराधियों में भय की भावना स्थापित करने के उद्देश्य से शनिवार को पुलिस कमिश्नरेट में समीक्षा बैठक आयोजित की।

इस बैठक में स्पेशल पुलिस कमिश्नर ओम प्रकाश, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर सिटी अजय सिंह राठौड़, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर कानून व्यवस्था राजीव पचार, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर यातायात एवं प्रशासन योगेश दाधीच तथा पुलिस उपायुक्त अपराध संजीव, पुलिस उपायुक्त उत्तर करण शर्मा, पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि, पुलिस उपायुक्त पश्चिम प्रशांत किरण एवं पुलिस उपायुक्त पूर्व रंजिता शर्मा मौजूद रहे। पुलिस कमिश्नर मित्तल ने महिला अत्याचार, बाल अपराध एवं एससी-एसटी एक्ट से संबंधित प्रकरणों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संवेदनशील मामलों में पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाना पुलिस की प्राथमिकता होनी चाहिए।

निजी अस्पताल में युवती से दुष्कर्म

जयपुर। राजधानी जयपुर के एक निजी अस्पताल में केयरटेकर के रूप में काम करने वाली युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी ड्यूटी ऑफिसर के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।पुलिस ने बताया कि जयपुर की रहने वाली 21 साल की युवती ने मामला दर्ज कराया है कि वो एक निजी अस्पताल में केयर टेकर के पद पर कार्यरत है। गत 8 फरवरी की रात को वो अस्पताल में थी,तभी रात करीब 1 बजे हॉस्पिटल में ड्यूटी ऑफिसर ने उसे बहाने से बुलाया और अकेलपन का फायदा उठाकर उसके साथ दुष्कर्म किया।

205
08.05.26

हेतुक दर्शित करने के लिये सूचना

राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम 2001 के अध्याय-5 में किराये के पुनर्निरीक्षण एवं बेदखली बाबत

नाम न्यायालयः समक्ष किराया अधिकरण क्रम-1 जयपुर महानगर प्रथम

श्री महावीर दिगंबर जैन शिक्षा परिषद

बनाम

मुरलीधर बंसल

मूल अर्जी

मूल अर्जी संख्याः सी आई एस /1721/2014

नामः- मुरलीधर बंसल पुत्र नामालूम पिता कमरा नंबर 19, लक्ष्मी भवन के उत्तर पूर्वी दिशा में, लक्ष्मी भवन, दूसरा चौराहा, मोतीलिक मागिया का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर।

प्रार्थी ने आपके विरूद्ध किराये के पुनरीक्षण/बेदखली के लिए राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम 2001 के पैराग्राफ एक अर्जी प्रस्तुत की है जो पंजीयन कर ली गई है। आपको इस न्यायालय में तारीख 20 माह 05 सन् 2026 को प्रातः 8 बजे उक्त अर्जी का उत्तर देने के लिए उपस्थतता (हाजिर) होने के लिए चेतावनी दी जाती है। आप न्यायालय में स्वयं या विधिवेत् पेश होकर द्वारा उपस्थतता हो सकते हैं जिसका सम्यकअनुदेश दिये गये हो और जो इस अर्जी से संबंधित सभी साक्ष्यन प्रश्नों के उत्तर दे सके या जिसके साथ कोई ऐसा व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपस्थतता नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। नोटिसः आप दिनांक 8.5.2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर से जारी किया गया है।

मोहर अदालत

पीठासीन अधिकारी
किराया अधिकरण संख्या - 1
(अपर वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या- 1 जयपुर महानगर प्रथम)

'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' का राज्य स्तरीय आयोजन कल

जयपुर। सोमनाथ मंदिर पर हुए प्रथम आक्रमण के 1000 वर्ष तथा मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कला एवं संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार 11 मई, 2026 (सोमवार) को देशव्यापी स्तर पर 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' मनाया जाएगा।

इसी क्रम में कला एवं संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार और कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग तथा देवस्थान विभाग राजस्थान सरकार के संयुक्त तत्वावधान में 11 मई को राज्य एवं जिला स्तर पर विभिन्न विभागों की सहभागिता से राज्य के शिवालयों में विशेष पूजा अर्चना की जाएगी एवं राष्ट्रीय कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया जाएगा।

मुख्य राष्ट्रीय कार्यक्रम: 11 मई को सोमनाथ, गुजरात में प्रधानमंत्री जी की गरिमामयी उपस्थिति में शिखर कार्यक्रम आयोजित होगा,जिसका राज्य के सभी प्रमुख शिवालयों में ऑनलाइन लाइव प्रसारण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में जयपुर के झारखंड महादेव मंदिर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कला एवं संस्कृति विभाग की शासन सचिव श्रीमती शुचि त्यागी ने बताया कि संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार देवस्थान विभाग तथा कला, साहित्य, संस्कृति विभाग, राजस्थान सरकार सोमनाथ मंदिर के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक महत्व को जन-जन तक पहुँचने के लिए 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' को गरिमामय एवं सफल रूप से आयोजित करने हेतु जिला प्रशासन के सहयोग से तैयारी कर रहे है।

- पीएम मोदी की उपस्थिति में सोमनाथ से होगा मुख्य कार्यक्रम का लाइव प्रसारण, प्रदेश के 41 जिलों के प्रमुख शिवालयों में विशेष आयोजन

कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु अनुराधा गोगिया, उप शासन सचिव, कला एवं संस्कृति विभाग को राज्य नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।कार्यक्रम का प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया सहित सोशल मीडिया पर प्रचार-प्रसार सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के सहयोग से व्यापक स्तर पर किया जाएगा।

देवस्थान आयुक्त लक्ष्मी नारायण मंत्री ने बताया कि देवस्थान विभाग की ओर से दिनांक 08 मई, 2026 को जारी आदेश के अनुसार प्रदेश के सभी 41 जिलों के प्रमुख शिवालयों में कार्यक्रम आयोजित कर जिलेवार प्रभारी अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। 11 मई को श्रीगंगानगर जिले में मंदिर श्री सदाशिवजी अनूपगढ़, हनुमानगढ़ में सनातन धर्म महावीर दल न्यास टाउन, चुरू में सदाशिव महादेव जी मंदिर, बीकानेर में शिखरबंद महादेव जी मंदिर, फलौदी में श्री लटियाल माताजी मंदिर, जैसलमेर में मुक्तेश्वर महादेव मंदिर, बाडमेर में शिवशक्ति धाम, बालोतरा में ब्रह्मधाम आसोतरा, जालोर में आपेश्वर महादेव मंदिर, सिरोही में दुलेश्वर महादेव मंदिर, उदयपुर में श्री महाकालेश्वर महादेव रानी रोड, सलूम्बर में श्री नर्बदेश्वर महादेव जी मंदिर, डूंगरपुर में श्री भुवनेश्वर महादेवजी मंदिर, बांसवाड़ा में श्री वनेश्वर एवं श्री मदारेश्वर महादेवजी मंदिर, प्रतापगढ़ में श्री दीपनाथ महादेव जी, चित्तौड़गढ़ में श्री मंगलेश्वर महादेव मातृकुण्डिया सहित आदि मंदिर में विशेष कार्यक्रम होंगे।

सचिवालय के डीआईपीआर सेक्शन में लगी आग

जयपुर। राजस्थान शासन सचिवालय स्थित सूचना एवं जनसंपर्क विभाग (डीआईपीआर) की न्यूज शाखा में शनिवार दोपहर अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। हालांकि कर्मचारियों की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के चलते आग को समय रहते नियंत्रित कर लिया गया। जिससे बड़ा नुकसान टल गया।

जानकारी के अनुसार शनिवार होने के कारण शाखा में कर्मचारियों की संख्या कम थी। दोपहर करीब 2 बजे लंच के दौरान न्यूज शाखा में अचानक धुआं और आग की लपटें दिखाई देने लगीं। कर्मचारियों ने तुरंत बाहर निकलकर दमकल विभाग एवं सचिवालय प्रशासन को सूचना दी। इसके बाद तत्काल एमसीबी ट्रिप कर बिजली सप्लाई बंद की गई।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का कार्य शुरू किया। वहीं डीआईपीआर के वरिष्ठ अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। आग से न्यूज शाखा के कुछ बिजली उपकरणों को आंशिक नुकसान पहुंचा है।

हालांकि किसी कर्मचारी के घायल होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों ने प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने का मुख्य कारण बताया है। फिलहाल मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। उल्लेखनीय है कि सचिवालय परिसर में इससे पहले भी अलग-अलग विभागों में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

300 ड्राइवरों की हुई जांच

जयपुर। मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान ने महात्मा गाँधी अस्पताल के सहयोग से विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया स्थित ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन हॉल में नि:शुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया।शिविर में 300 ट्रक चालकों एवं श्रमिकों ने भाग लेकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। इस दौरान नेत्र जांच के साथ-साथ सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण भी नि:शुल्क किए गए। स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर में वरिष्ठ आचार्य, चिकित्सक, ट्रस्ट सदस्य एवं मीडिया प्रभारी प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना ने बताया कि शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा दृष्टि परीक्षण, मोतियाबिंद की जांच, चश्मे के नंबर की जांच तथा आंखों से संबंधित अन्य समस्याओं का परीक्षण किया गया तथा बीपी, शुगर एवं सामान्य रोगों की जांच कर उचित परामर्श दिया गया। चयनित मरीजों के लिए मोतियाबिंद ऑपरेशन की सुविधा नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाएगी।

PUBLIC NOTICE

That certain original property-related documents pertaining to the mentioned property bearing Survey Nos. 220/1, 220/2, 280 & 281, situated at Bhandara Road, Mauje-Vadoda, Tahsil: Kamptee, District: Nagpur have been misplaced /lost on 06-05-2026 the details of which are as under: **(1).** Ownership Documents in favour of Maganlal Radhakisan Bagadi, Endravati Maganlal Bagadi, Jivan lal Maganlal Bagadi, Suresh Maganlal Bagadi and Ajay kumar Maganlal Bagadi for Survey No.220/1 & 220/2. **(2).** Document showing Devolution of title to legal heirs of Magan lal Radha kisan Bagadi after his death in the year 1983 for Survey No. 220/1 & 220/2. **(3).** Sale Deed dated 27.09.1988 (No. 2094), executed between Endravati Maganlal Bagadi, Jivanlal Magan lal Bagadi, Suresh Maganlal Bagadi & Ajay kumar Maganlal Bagadi and Ashok Devrao Dorlikar for Survey No.220/1. **(4).** Sale Deed dated 27.09.1988 (No. 2094), executed between Endravati Maganlal Bagadi, Jivanlal Maganlal Bagadi, Suresh Maganlal Bagadi & Ajay kumar Maganlal Bagadi and Anubai Sukaram Yadav for Survey No. 220/2. **(5).** Ownership Documents in favour of Kawadu KothuTumsare for Survey No. 281. **(6).** Document showing Devolution of title to legal heirs of Kawadu Kothu Tumsare after his death in the year 1993 for Survey No. 281. Amissing/lost FIR regarding the loss/ misplacement of the aforesaid documents has already been lodged with the concerned Police Station. The public is hereby cautioned not to deal with any person on the basis of the said original missing document. Any transaction or dealing with the said document will be at the risk and legal consequences of the person(s) involved. NOTICE is further given that if any person or authority finds the said documents, then they are humbly requested to kindly inform or return the same to the undersigned at the address mentioned below. Name: Shree Shubham Logistics Limited Address: Office No. 2I, 2J, 2E and 2F, 2nd Floor, Rushabh Chambers, Plot No. 609, Off. Makwana Road, Behind J A Plastic, Marol Naka, Andheri East, Maharashtra-400059 Contact Person & No.: Mr. Karan Singh Rathore- 9587018039

सात जिंदा कारतूस सहित युवक गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान एटीएस ने संगठित अपराध और अवैध हथियारों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए लॉरेंस गैंग से जुड़े नेटवर्क पर शिकंजा कसते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपित के कब्जे से सात जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। प्रारंभिक जांच में आरोपित के फरार गैंगस्टर सुनील कुमार मीणा उर्फ एसके से संपर्क सामने आए हैं, जिसे लॉरेंस गैंग का करीबी माना जाता है।अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एमएन ने बताया कि महानिरीक्षक पुलिस राजेश सिंह के सुपरविजन में यह कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक ज्ञानचंद यादव के नेतृत्व में गठित टीम को सूचना मिली थी कि आरोपित अनिल कुमार जाट उर्फ मोंटी हथियार तस्करी और गैंग से जुड़ी गतिविधियों में सक्रिय है।जांच में सामने आया कि आरोपित जयपुर ग्रामीण के सामोद थाना क्षेत्र स्थित बांसा कुशलपुरा गांव का निवासी है और लंबे समय से फरार गैंगस्टर सुनील कुमार मीणा उर्फ एसके के संपर्क में था। पुलिस के अनुसार सुनील मीणा मूल रूप से करतारपुर ग्रामीण, जालंधर का निवासी है और वर्तमान में विदेश में फरारी काट रहा है।

अकेलेपन से बढ़ रही है मानसिक स्वास्थ्य विकारों की व्यापकता

जयपुर में जुटे देशभर के 200 से ज्यादा मनोरोग

जयपुर। इंडियन साइकिएट्रिक सोसाइटी की मिड टर्म सीएमई 2026, शनिवार को जयपुर के झालाना स्थित आरआईसी में शुरू हुई।

सीएमई का उद्घाटन एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य एवं नियंत्रक डॉ. दीपक माहेश्वरी ने किया। इस अवसर पर राजस्थान हॉस्पिटल एवं स्वास्थ्य कल्याण ग्रुप के चेयरमैन डॉ. एस एस अग्रवाल गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में उपस्थित रहे।

उन्होंने कहा कि शहरीकरण, डिजिटल निर्भरता और सामाजिक अलगाव ने मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाला है, जिससे आधुनिक समाज में चिंता, अवसाद और अकेलेपन जैसे मानसिक स्वास्थ्य विकारों की बढ़ती व्यापकता में योगदान हुआ है। मानसिक रूप से, मजबूत सामाजिक बंधन तनाव, चिंता और अवसाद के कम करने, नींद में सुधार लाने और जीवन की चुनौतियों का सामना करने की क्षमता को बढ़ाना जरूरी है। इसके अलावा, खुशी, आत्म-सम्मान, सहानुभूति, स्वस्थ खानपान और शारीरिक गतिविधि सभी संतोषजनक सामाजिक संबंधों में पनपते हैं।विशेषज्ञों ने कहा कि मानसिक विकार ऐसी स्थितियाँ हैं जो आपके विचारों, भावनाओं और व्यवहार को प्रभावित करती हैं।

- मनोरोग विशेषज्ञों की राष्ट्रीय सीएमई में विशेषज्ञों ने बताये उपाय

अवसाद, चिंता और सिज़ोफ्रेनिया जैसे 200 से अधिक प्रकार के विकार हैं। आपको मनोदशा में उतार-चढ़ाव, भूख में परिवर्तन, मतिभ्रम या रुचि की कमी जैसे लक्षण हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य पर कई कारक प्रभाव डालते हैं, जिनमें आनुवंशिकता, पारिवारिक इतिहास, बचपन के अनुभव और यहां तक कि हिंसा, गरीबी और पृष्ठभूमि या पहचान के आधार पर अनुचित व्यवहार जैसे बड़े सामाजिक मुद्दे भी इसमें शामिल हैं।

भाजपा सरकार कांग्रेस के खिलाफ नैरेटिव बनाने में व्यस्त : जूली

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार जनहित के कार्यों को छोड़कर केवल विपक्ष को निशाना बनाने और झूठा नैरेटिव सेट करने में जुटी है, जबकि खुद सरकार के नाक के नीचे भ्रष्टाचार और माफिया राज फल-फूल रहा है।

जूली ने कहा कि दरअसल ढाई साल बाद भी भाजपा सरकार की कोई उपलब्धि नहीं है। लोगों के बीच चर्चाएं होती हैं कि सरकार बेहद अनुभवहीन है और किसी भी काम में कोई भी छाप छोड़ने में विफल रही है और इसलिए अब विपक्ष के खिलाफ नैरेटिव बनाने का प्रयास किया जा रहा है। जूली ने पूर्व मंत्री महेश जोशी के प्रकरण पर सरकार को घेरते हुए कहा कि जिस मामले की जांच पहले से ईडी कर रही है, उसी में एसीबी ने तड़के साढ़े चार बजे घर से गिरफ्तारी की कार्रवाई की है। यह स्पष्ट करता है कि सरकार की प्राथमिकता न्याय नहीं, बल्कि यह दिखाना है कि कांग्रेस राज में भ्रष्टाचार हुआ था। उन्होंने सवाल उठाया कि जब जोशी जी जांच में पूरा सहयोग कर रहे हैं, सात महीने जेल में रहकर जमानत पर बाहर आए हैं और हर सवाल का जवाब देने को तैयार हैं, तो फिर अलग-अलग एजेंसियों के जरिए एक ही केस में बार-बार प्रताड़ित क्यों किया जा रहा है? यह बदले की भावना से की गई कार्रवाई के अलावा कुछ नहीं है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भाजपा सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि आज प्रदेश में भाजपा सरकार की सरपरस्ती में जमीनों की खरीद-फरोख्त के नाम पर खुलेआम फर्जीवाड़ा किया जा रहा है और यह सब सत्ता में बैठे लोगों के संरक्षण में चल रहा एक संगठित भ्रष्टाचार है।

उन्होंने आरोप लगाया कि जब जिम्मेदार अधिकारी ही खुद नियमों को कुचलकर निजी फायदे के लिए पूरे सिस्टम का दुरुपयोग करने लगें, तो स्पष्ट हो जाता है कि भ्रष्टाचार की जड़ें कितनी गहरी हैं।

झुंझुनूं बाईपास का एलाइनमेंट बदलने के नाम पर हुई घूसखोरी और 60 प्रतिशत रजिस्ट्रियों का बिना किसी वैध पहचान-पत्र के होना यह दर्शाता है कि यह सब सरकार के संरक्षण में एक सोची-समझी योजना के तहत किया गया बड़ा घोटाला है।

कार्यालय नगरपरिषद् कुचामन सिटी (डीडवाना-कुचामन)

Email :eo.mcorp.kuchaman@rajasthan.gov.in
munibkcity@gmail.com

फोन नं. 01586-220022
01586-221526

क्रमांक :- न.प.कु. /2026-27/758 दिनांक :- 08.05.2026

आपत्ति आमन्त्रण सूचना

सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न आवेदको द्वारा पालिका में निम्न रूप से उल्लेखित प्रयोजनार्थ के लिये आवेदक प्रस्तुत किया है। पालिका द्वारा आवेदित प्रयोजनार्थ के तहत प्रकरण का निस्तारण किया जाना है। निम्न प्रकरणों में किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 07 दिवस में इस कार्यालय को लिखित में आपत्तियां/कारण/विवरण सहित कार्यालय समय में दर्ज करावें, अन्यथा बाद मियाद किसी भी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नहीं होगी एवं आवेदक के पक्ष में भूमि आवंटन पट्टा/जारी कर दिया जावेगा।

क्र. स.	पत्रावली सं.	प्रयोजन	आवेदक का नाम/पिता का नाम व पता	क्षेत्रफल वर्गगज में	खसरा नं., कॉलोनी/मौहल्ला का नाम
1.	18/2026-27	नामान्तरण	श्री तेजपाल पुत्र गोविन्दराम जाट	224.55	कर्नल डिफेन्स एकेडमी के पास
2.	37/2026-27	नामान्तरण	श्री महेन्द्र कुमार काला पुत्र शांति लाल काला	234.40	बिजली बोर्ड के पास
3.	15/2026-27	69-क	श्री जेठाराम पुत्र रामदेव जाट, श्रीमती रोनिका पत्नी जेठाराम जाट	100.00	2739/589, स्टेशन रोड़
4.	16/2026-27	69-क	श्री जेठाराम पुत्र रामदेव जाट, श्रीमती रोनिका पत्नी जेठाराम जाट	100.00	2739/589, स्टेशन रोड़
5.	18/2026-27	निर्माण इजाजत	श्री मुकेश कुमार सोनी पुत्र दामोदरलाल	128.50	पारीक कॉलोनी
6.	19/2026-27	निर्माण इजाजत	श्री टीकमचन्द सोनी पुत्र अर्जुनलाल सोनी	222.22	सुरेन्द्र नगर
7.	20/2026-27	निर्माण इजाजत	श्री अशोक शर्मा पुत्र पुरणमल शर्मा	300.00	कड़वा का बासड़ा
8.	21/2026-27	निर्माण इजाजत	श्रीमती कैलाशी राहड़ पत्नी ओमप्रकाश राहड़	200.00	अन्येकान्त कॉलोनी
9.	75/2026-27	कृषि भूमि नियमन	श्री राजू चौधरी पुत्र गंगाराम चौधरी	88.88	1529/118, रिद्दी सिद्दी विहार, सरगोठ
10.	76/2026-27	कृषि भूमि नियमन	श्री बाबुलाल कुमावत पुत्र सुवालाल कुमावत	192.24	734, माँ कृपा आवासीय कॉलोनी, खारिया
11.	77/2026-27	कृषि भूमि नियमन	श्री राकेश दवे पुत्र सुरेन्द्र कुमार दवे	88.88	262, 806, सुरेन्द्र नगर
12.	78/2026-27	कृषि भूमि नियमन	श्री राकेश दवे पुत्र सुरेन्द्र कुमार दवे	88.88	262, 806, सुरेन्द्र नगर
13.	79/2026-27	कृषि भूमि नियमन	श्री राकेश दवे पुत्र सुरेन्द्र कुमार दवे	88.88	262, 806, सुरेन्द्र नगर

आयुक्त
नगर परिषद कुचामन सिटी

खोया पाया

मेरा पासपोर्ट नं. V1037937 मेरे निवास के आसपास गणगौरी बाजार में कहीं खो गया है। मिलने पर सूचित करें: राघव यादव निवासी म.नं. 3761 गणगौरी बाजार, जयपुर 6375034595

मेरा प्लॉट संख्या 158, रॉयल ग्रीन सिटी 1st जयपुर राजस्थान के JDA पट्टे से संबंधित दो ई-चालान (E-Challan- GRN No. 0041131402, GRN No. 0041131568) कहीं गुम हो गए है। मिलने पर सूचित करें- आर्यन जांगिड़ 9024215660

मेरे प्लॉट नम्बर 158 रॉयल ग्रीन सिटी 1st ग्राम गोविंदपुरा उर्फ जयचंदपुरा के JDA के पट्टे में संलग्न दो ई-चालान GRN: 0041131402, 0041131568 दिनांक 10/4/2026 को खो गये है मिलने पर सम्पर्क करें 9024215660

मेरे भूखंड संख्या 819 अमृत कुञ्ज द्वितीय का जविप्रा द्वारा जारी मूल आवंटन पत्र एवं मूल कब्जा पत्र जयपुर में कहीं खो गये है मिलने पर सूचित करे कमल किशोर शर्मा 9929050554

नाम परिवर्तन

मैं मुस्कान खंडेलवाल पुत्री श्री बद्री नारायण खंडेलवाल निवासी सी-1, सेठी कॉलोनी, जयपुर। मैंने अपना नाम मुस्कान खंडेलवाल (MUSKAN KHANDELWAL) से बदलकर मुस्कान खंडेलवाल (MUSKAAN KHANDELWAL) रख लिया है। भविष्य में मुझे मुस्कान खंडेलवाल (MUSKAAN KHANDELWAL) के नाम से जाना जाये।

मैं, स्वयं तथा मेरी पत्नी, सन्तान तथा दूसरे की सन्तान जो पूर्णतया मेरे पर आश्रित है, मेरे पूर्व नाम, सांवर मल उपनाम बलाई. को त्यागता हूँ तथा उसके स्थान पर उसी तारीख से नया नाम सांवर मल ग्रहण करता हूँ एवं इसलिए मैं, मेरी पत्नी, सन्तान, तथा दूसरों की सन्तान जो पूर्णतया मेरे पर आश्रित है इसके पश्चात् मेरे पूर्व के नाम/उपनाम सांवर मल बलाई से नहीं जाने जायें तथा नहीं पहचानी जाये अपितु पहचान किये गये नये नाम/उपनाम सांवर मल द्वारा जाने जाये। सांवरमल

I have changed my name Kiran Pardasani to Vidhi Karnani for all future purpose. Address Flat No. 504, 4th Floor, Plot No. 42, Ashok Vatika, Badarswa, Mansarovar, Jaipur- 302020

I Deepshikha Jain have changed my name Deepshikha Dhadda to Deepshikha Jain W/o Sudeep Dhaddha Add-4463, Dhaddha House, KJB Ka Rasta, Johari Bazar, Jaipur (Raj) IN FUTURE I WILL BE KNOWN-DEEPSHIKHA JAIN.

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री दिलदार हुसैन पुत्र श्री हाजी हैदर अली निवासी म0न0 590/3 मौलाना जियाउद्दीन कालोनी, ब्लॉक न07, चार दरवाजा, जयपुर का पुत्र फिरोज हुसैन व उसकी पत्नी अमरीन दोनो मेरे मुवक्किल के कहे में नही है तथा दोनो ही आपस में छोटी छोटी बातो पर झगड़ा करते है मेरे मुवक्किल द्वारा समझाने पर ये दोनो मेरे मुवक्किल व परिवार के अन्य सदस्यों के साथ गाली गलोच व झगड़ा करते है इस कारण मेरे मुवक्किल ने अपने पुत्र व पुत्रवधु को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से एवं अपने परिवार से बेदखल कर दिया है और मेरे मुवक्किल के पुत्र व बहू से सभी सम्बन्ध समाप्त कर दिये है जो कोई व्यक्ति मेरे मुवक्किल के पुत्र फिरोज हुसैन व बहु अमरीन से किसी भी तरह का संव्यवहार करेगा उसका वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरे मुवक्किल की कोई जिम्मेदारी नही होगी। सूचित रहे।
(शोऐब अली) एडवोकेट, मो.- 8058990075

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 577/2026

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री भवानी सिंह शेखावत निवासी प्लॉट नंबर 679, सुमेर नगर, कल्याणपुरा, अपोजिट एस एफ एस. न्यू सांगानेर रोड, मानसरोवर जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास "जमवाय एजुकेशन ट्रस्ट" प्लॉट नंबर 679, सुमेर नगर, कल्याणपुरा, अपोजिट एस एफ एस, न्यू सांगानेर रोड, मानसरोवर जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 27.4.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइंदा तारीख पेशी 2.7.26

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक:631 जाहिर आम-सूचना दिनांक:30.04.2026

राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 22/1/26 (MIG-B), (एरिया 130.40 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री राकेश व्यास पुत्र श्री विष्णु दत्त व्यास को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 4496 दिनांक 30.06.2015 को जारी किया गया। तत्पश्चात श्री राकेश व्यास के निवेदन पर कार्यालय आदेश क्रमांक 8486 दिनांक 09.09.2015 के द्वारा उनकी पत्नी श्रीमती गुणदा व्यास का नाम मण्डल रिकॉर्ड में उक्त आवास में जोड़ा गया। श्री राकेश व्यास एवं श्रीमती गुणदा व्यास के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 15.09.2015 को उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्री राकेश व्यास एवं श्रीमती गुणदा व्यास द्वारा उक्त आवास को दिनांक 14.12.2019 के द्वारा श्री अंकित व्यास पुत्र श्री देशबन्धु व्यास को विक्रय कर उप पंजीयक जयपुर- दशम् के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। कार्यालय आदेश क्रमांक 7281 दिनांक 21.10.2020 के द्वारा मण्डल रिकॉर्ड में श्री अंकित व्यास का नाम दर्ज किया गया। श्री अंकित व्यास द्वारा उक्त आवास को दिनांक 31.03.2026 के द्वारा 1. श्री अशीष कुमार पुत्र श्री राम सहाय बैरवा एवं 2. श्री राम सहाय बैरवा पुत्र श्री श्रीराम बैरवा को विक्रय कर उप पंजीयक जयपुर पंचम के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही है, 1. श्री अशीष कुमार पुत्र श्री राम सहाय बैरवा एवं 2. श्री राम सहाय बैरवा पुत्र श्री श्रीराम बैरवा का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।

सम्पदा प्रबन्धक वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

संक्षिप्त

भैरूबुल्या में बीसलपुर जलापूर्ति बाधित

निवाई। ग्राम पंचायत बहड़ के गांव भैरूबुल्या में पिछले करीब दो महीनों से बीसलपुर पेयजल योजना के तहत जलापूर्ति गंभीर रूप से बाधित चल रही है। ग्रामीण रामकेश, कैलाश, कमलेश, कैलाश, हनुमान, रमेश, विमल, रामप्रसाद, छोटूलाल, बाबूलाल, शंकरलाल, बाबूलाल मेंबर, कालूराम सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि पानी या तो कई दिनों तक आता ही नहीं है, और यदि आता भी है तो महज 10 मिनट के लिए ही सप्लाई दी जाती है, जिससे पूरे गांव की जरूरतें पूरी नहीं हो पा रही हैं। इस समस्या को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने बताया कि उक्त समस्या को लेकर कई बार प्रशासन व जलदाय विभाग को लिखित एवं मौखिक रूप से अवगत कराया है, लेकिन अब तक समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। उन्होंने बताया कि भीषण गर्मी के इस दौर में पानी की किल्लत ने उनके दैनिक जीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। पशुओं के लिए पानी की व्यवस्था करना भी मुश्किल हो गया है, वहीं घरों में भी पीने और उपयोग के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है। इस संबंध में जब संबंधित विभाग के अधिकारियों से संपर्क करने का प्रयास किया गया तो कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिल सका। वहीं प्रशासन की ओर से भी अब तक कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। जिससे लोगों में प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। उन्होंने बताया कि अगर जल्द ही जलापूर्ति को नियमित नहीं किया गया तो मजबूर होकर आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि बीसलपुर जल योजना के तहत गांव में नियमित और पर्याप्त जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों को इस भीषण गर्मी में राहत मिल सके।

15 अवैध जल कलेक्शन हटाए

टोंक। अधीक्षण अभियंता (एसई) प्रोजेक्ट के निर्देशन में टीम ने ग्राम देवपुरी, लक्ष्मीपुरा, रानीपुरा ग्राम में अवैध जल कनेक्शन को हटाने का अभियान चलाया। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग परियोजना के अधिशाषी अभियंता ने बताया कि उनियारा ब्लॉक के ग्राम देवपुरी, लक्ष्मीपुरा में डी.एम. पाईप लाईन में 5 अवैध जल कनेक्शन हटाए गए। साथ ही टोंक ब्लॉक के ग्राम रानीपुरा में डी.एम. पाईप लाईन में 10 अवैध जल कनेक्शन हटाने की कार्यवाही की गई। टीम ने इन अवैध कनेक्शनों की पहचान करने के लिए विस्तृत निरीक्षण किया, जिन्हें विभागीय नियमों के अनुसार तुरंत हटा दिया गया। उक्त अवैध कनेक्शन कर्ताओं के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही करते हुए दण्डात्मक शुल्क भी लगाया जायेगा ताकि भविष्य में ग्राम रानीपुरा की मुख्य वितरण पेयजल लाईन में अवैध कनेक्शनों की पुनरावृत्ति ना हो। विभाग ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि अवैध कनेक्शन की पुनरावृत्ति होती है, तो दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी। जलदाय विभाग अवैध कनेक्शनों के खिलाफ अपने अभियान को सख्ती से जारी रखेगा।

युवा ही समाज की सबसे बड़ी शक्ति

लालसोट ।भारतीय संस्कृति एवं नैतिक मूल्यों के संरक्षण के उद्देश्य से पुन: सप्त दिवसीय संस्कार शिविर का आयोजन किया जाएगा। गत वर्ष भगवान परशुराम मंदिर में आयोजित शिविर में बड़ी संख्या में बालकों एवं युवाओं ने भाग लेकर धर्म, संस्कृति, अनुशासन एवं राष्ट्रभक्ति के संस्कार ठाहण किए थे। आयोजकों ने पिछले वर्ष के प्रतिभागियों से पुन: रजिस्ट्रेशन कराने तथा नए बच्चों व युवाओं को भी शिविर से जोडने की अपील की है। शिविर को भारतीय संस्कृति एवं श्रेष्ठ जीवन मूल्यों के प्रसार का सशक्त अभियान बताया गया।

चनानी बिजासन माता जी का मेला आज

निवाई/गुंसी। ठााम चनानी में बिजासन माता सातों बहनों के मेले की तैयारियों को लेकर मंदिर परिसर में बैठक आयोजित हुई। हनुमान प्रजापत ने बताया कि बिजासन माता का मेला 10 मई को आयोजित होगा। मेले की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए बैठक आयोजित की गई, जिसमें मेला समिति का गठन कर समिति के सदस्यों को विभिन्न कार्यों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस दौरान श्रद्धालुओं की संपूर्ण सुविधा, सुरक्षा, पेयजल, साफ-सफाई व यातायात व्यवस्था सहित कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। मेले को लेकर जागरण व भजन संध्या सहित कई धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

भगवान देवनारायण के मंदिर स्थापना से भाईचारा बढ़ेगा - मंत्री बेढम

- तिजारा के गांव जलालपुर में सरदार पटेल समेत लोक देवताओं की मूर्तियों का अनावरण किया

खैरथल। तिजारा क्षेत्र के जलालपुर गांव में शनिवार को भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभाई पटेल सहित विभिन्न लोक देवताओं की मूर्तियों का विधिवत अनावरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के गृह, गोपालन, पशुपालन एवं डेयरी तथा मत्स्य पालन विभाग के राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म रहे। अध्यक्षता तिजारा विधायक महंत बालक नाथ योगी ने की समारोह को संबोधित करते हुए राज्य मंत्री बेढ़म ने कहा कि सरदार पटेल का राष्ट्र निर्माण में योगदान अतुलनीय है। उन्होंने देश की एकता और अखंडता को सर्वोपरि रखते हुए 556 से अधिक रियासतों का भारत संघ में विलय कराया। यदि उनका नेतृत्व नहीं होता तो आज का अखंड भारत शायद देखने को न मिलता। गुजरात और राजस्थान सहित कई रियासतों को षड्यंत्रों से निकालकर भारत से जोड़ने में उनकी ऐतिहासिक भूमिका रही।राज्य मंत्री ने जलालपुर के विकास के लिए कई घोषणाएं कीं।

तिजारा के जलालपुर में लोक देवताओं की मूर्तियों का अनावरण के दौरान उपस्थित मंत्री जवाहर सिंह बेढम सहित जनप्रतिनिधि व समाज के लोग।

सीएचसी से राजकीय विद्यालय तक लगभग 500 मीटर सड़क निर्माण, विद्यालय की चारदीवारी और राजकीय स्कूल में विज्ञान संकाय शुरू करवाने की घोषणा पर ठाामीणों ने तालियों से स्वागत किया।

लोक देवताओं की महत्ता पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह परंपरा राजस्थान की संस्कृति, आस्था और सामाजिक एकता की पहचान है। लोक देवता समाज को सेवा, त्याग और सद्भावना का संदेश देते हैं। कार्यक्रम में सम्राट मिहिर भोज, राजेश पायलट और किरोड़ी लाल बैसला सहित विभिन्न लोक देवताओं की मूर्तियां स्थापित की गईं। राज्य मंत्री ने कहा, भगवान देवनारायण राजस्थान के आराध्य हैं। इस मंदिर की स्थापना से क्षेत्र में सुख-समृद्धि और भाईचारा बढ़ेगा। मंदिर हमारी सनातन संस्कृति और संस्कारित शिक्षा के केंद्र हैं। तिजारा विधायक बालक नाथ योगी ने कहा कि मिलकर पवित्र मंदिर का निर्माण किया गया है। कामना है कि गांव में सुख-शांति रहे और बाबा के आशीर्वाद से पूरा गांव एकजुट होकर परोपकारी जीवन की ओर बढ़े।

कार्यक्रम में जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर, जिला अध्यक्ष महासिंह चौधरी, पूर्व विधायक जीआर खटाना, इंद्राज गुर्जर, जिला अध्यक्ष बलराम यादव सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, ठाामीण और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

महापुराण कथा 21 मई से

पावटा । कस्बे के श्री राठीवाला मंदिर में 21 मई से 28 मई 2026 तक 108 अष्टोत्तरशत श्रीमद् भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। धार्मिक आयोजन को लेकर क्षेत्र में श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। आयोजन पूज्य श्री निम्बार्काचार्य श्री श्रीजी महाराज की असीम अनुकम्पा व महंत श्री राधा मोहन दास महाराज के सान्निध्य में संपन्न होगा। आयोजन समिति के अनुसार कथा का आयोजन श्री राठीवाला मंदिर, पावटा (कोटपूतली-बहरोड़) में किया जाएगा, जिसमें कथा प्रवक्ता वृंदावन धाम के आचार्य अभिषेक पाठक श्रद्धालुओं को श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कराएंगे। कथा प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से आयोजित होगी। कार्यक्रम के तहत 20 मई को सायं 4 बजे श्री राठी वाला मंदिर पावटा से भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी, जो कस्बे के मुख्य मार्गों से होकर पुन: राठीवाला मंदिर पहुंचेगी। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं एवं श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। इसके अलावा 21 मई को भागवत मूल पाठ प्रात: 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक होगा। वही 27 मई को कथा समापन के बाद 28 मई को विशाल भंडारे का आयोजन होगा।

सार-समाचार

लोक अदालत में 46 हजार से अधिक प्रकरणों का निस्तारण

भरतपुर (निस)। भरतपुर में शनिवार को आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत में लंबित एवं प्री-लिटिगेशन मामलों का बड़े स्तर पर निस्तारण किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में आयोजित इस लोक अदालत में कुल 46 हजार से अधिक प्रकरणों का राजीनामे के आधार पर निपटारा करते हुए करीब 9 करोड़ 68 लाख रुपये के अवार्ड पारित किए गए। पारिवारिक विवादों में वर्षों पुरानी कड़वाहट समाप्त होने के भावुक दृश्य भी देखने को मिले। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भरतपुर के अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश बलजीत सिंह के निर्देशन में शनिवार 09 मई 2026 को वर्ष 2026 की द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन भरतपुर मुख्यालय सहित पूरे जिले में किया गया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार आयोजित इस राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ जिला एवं सत्र न्यायाधीश बलजीत सिंह ने किया। इस अवसर पर न्यायिक अधिकारी प्रेमलता सैनी, सलीम बदर, कुंतल जैन, अनुतोष गुप्ता, नीरू सोनी एवं श्रद्धा शुक्ला सहित बार अध्यक्ष केके उपाध्याय, उपखंड अधिकारी भारती गुप्ता तथा अधिवक्ता राकेश सिंह, संतोषी लाल गर्ग, यादवेन्द्र गुप्ता, विजय सिंह, मुकीम खान एवं राकेश शर्मा मौजूद रहे। लोक अदालत में पारिवारिक विवाद, मोटर दुर्घटना दावा, चेक अनादरण, दांडिक शमनीय प्रकरणों सहित अन्य लंबित मामलों तथा विद्युत, बैंक, बीमा और राजस्व से जुड़े प्री-लिटिगेशन मामलों के निस्तारण के लिए भरतपुर मुख्यालय एवं तालुका स्तर पर न्यायिक और राजस्व न्यायालयों में कुल 14 लोक अदालत बेंचों का गठन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अनुतोष गुप्ता ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से जिले की सिविल, दांडिक एवं राजस्व न्यायालयों में लंबित 13 हजार 78 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। वहीं बैंक, वित्तीय संस्थाओं, बीमा कंपनियों एवं राजस्व से जुड़े 33 हजार 821 प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का भी आपसी सहमति से समाधान कराया गया। इस दौरान कुल 9 करोड़ 68 लाख 63 हजार 87 रुपये के अवार्ड पारित किए गए। राष्ट्रीय लोक अदालत में मोटर दुर्घटना वाहन अधिनियम से संबंधित 42 मामलों तथा 206 पारिवारिक मामलों में राजीनामा हुआ।

सूने मकान में लाखों की चोरी का खुलासा

भरतपुर (निस)। भरतपुर के मथुरागेट थाना क्षेत्र में सूने मकान का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात, विदेशी मुद्रा और नगदी चोरी करने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था, जिसे पुलिस टीम ने धरदबोचा। जिला पुलिस अधीक्षक भरतपुर दिगंत आनंद के निर्देशन में लंबित प्रकरणों एवं वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत मथुरागेट थाना पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय एवं सहायक पुलिस अधीक्षक वृत्त शहर भरतपुर के सुपरविजन में थानाधिकारी हरलाल के नेतृत्व में गठित टीम ने सूने मकान में चोरी के मामले में आरोपी फोरया उर्फ फोरू उर्फ रामधन पुत्र गोपाल जाति बागरिया निवासी कादी शहना थाना शाहपुरा जिला भीलवाड़ा को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 6 फरवरी 2026 को जवाहर नगर निवासी महेंद्र कुमार पुत्र मोतीलाल वैश्य ने मथुरागेट थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि अज्ञात चोर उनके सूने मकान में घुस गए और कमरे का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात, एक लाख 20 हजार रुपये नकद, 500 अमेरिकी डॉलर तथा तीन युआन विदेशी मुद्रा चोरी कर ले गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने थाना मथुरागेट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की। अनुसंधान के दौरान सहायक उपनिरीक्षक जलसिंह एवं उनकी टीम ने तकनीकी एवं मुखबिर तंत्र की सहायता से आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर चोरी की वारदात में शामिल अन्य आरोपियों तथा चोरी गए सामान की बरामदगी के संबंध में जानकारी जुटा रही है।

प्रयोगशाला सहायक भर्ती परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न

टोंक। जिला मुख्यालय पर शनिवार को आयोजित दो दिवसीय प्रयोगशाला सहायक सीधी भर्ती परीक्षा के पहले दिन 80.40 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने भाग्य आजमाया। कुल 15057 पंजीकृत परीक्षार्थियों में से 12106 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 2951 अनुपस्थित रहे। परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। सुबह से ही शहर में परीक्षार्थियों की चहल-पहल बनी रही। अधिकांश अभ्यर्थी टोंक जिले के होने के कारण अपने निजी साधनों से परीक्षा केंद्रों तक पहुंचे, जिससे बस स्टैंड और बाजारों में अधिक भीड़ नहीं रही। परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की सघन जांच की गई। महिलाओं के मंगलसूत्र, कान के टॉप्स और चूड़ियां तक उतरवाई गईं। जिला प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच परीक्षा करवाई। जिला कलेक्टर टीना डाबी ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर रामरतन सोकरिया के साथ परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया

अनिश्चितकालीन धरना 128 वें दिन भी जारी

कोटपूतली । निकटवर्ती ग्राम शुक्लावास की मंदिर भूमि सोता नदी में पॉवर हाउस के पास अल्ट्राप्राईम रोडी क्रशर ने डम्फरां व ओवरलोड ट्रकों का जबरन मन्दिर भूमि से रास्ता बना रखा है। जिसे हटाने के लिये उच्च न्यायालय के आदेशों की पालना कराने में कोटपुतली प्रशासन विफल रहा। जिस पर कासंली-शुक्लावास सड़क बचाओ संघर्ष समिति व ग्रामीणों ने आगामी 12 मई से जिला कलेक्टर कार्यालय पर धरना देने का निर्णय लिया हैं। वहीं कांसली-शुक्लावास सड़क बचाओ संघर्ष समिति का अनिश्चितकालीन धरना शनिवार को लगातार 128 वें दिन भी बदस्तुर जारी रहा। सामाजिक कार्यकर्ता राधेष्याम शुक्लावास ने बताया कि ग्राम शुक्लावास में खसरा नं. 896 (मंदिर भूमि) पर क्रशर कारोबारियों द्वारा जबरन अवैध रास्ता बना लिया गया है। इस संबंध में तहसीलदार को शिकायत प्रस्तुत की गई, जिस पर उन्होंने राजस्व अधिनियम की धारा 91 के अंतर्गत कार्यवाही करते हुये बेदखली के आदेश पारित किये। किन्तु खनन कारोबारियों के राजनीतिक प्रभाव के कारण आज तक अतिक्रमण नहीं हटाया जा सका। उक्त प्रकरण में राजस्थान उच्च न्यायालय में याचिका भी दायर की गई, जिसमें विगत 01 अप्रैल को आदेश पारित करते हुये 02 माह के भीतर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिये गये हैं। साथ ही जिला कलक्टर एवं तहसीलदार को उक्त आदेश की पालना सुनिश्चित कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई है, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई है।

शव मिलने से सनसनी

फुलेरा। अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई, राजकीय रेलवे पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जीआरपी थानाधिकारी ने बताया कि ऑन ड्यूटी स्टेशन मास्टर रेलवे स्टेशन नरैना से सूचना मिलने पर जीआरपी थाना फुलेरा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल पर निरीक्षण किया, जहां एक अज्ञात व्यक्ति उप लाइन के पास मृत अवस्था में पड़ा मिला। मृतक की उम्र करीब 40 से 45 वर्ष बताई जा रही है। उसका कद लगभग 5 फीट 5 इंच, रंग गेहुआ तथा शरीर सामान्य था। मृतक ने नीले रंग की जींस व कमीज पहन रखी थी। उसके सिर पर बडे बाल एवं सफेद दाढ़ी थी। पुलिस के अनुसार मृतक के सिर पर गहरी चोट तथा शरीर पर रगड़ के निशान पाए गए हैं। प्रथम दृष्टया मामला किसी ट्रेन से गिरने का प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने बताया कि हुलिये से मृतक मांगकर खाने वाला व्यक्ति लग रहा है। मामले में जीआरपी थाना फुलेरा ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। जांच कार्यवाही थाना प्रभारी भजनाराम सउनि द्वारा की जा रही है। जीआरपी पुलिस मृतक के परिजनों की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस ने मृतक का हुलिया बताया कि अज्ञात पुरुष (हिन्दू), उम्र करीब 45 वर्ष है।

शिव के गोपी रूप की कथा सुन भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

- सच्ची श्रद्धा और भक्ति से ही जीवन का कल्याण संभव-राम पाठक महाराज
- 21 कुण्डीय रुद्र महायज्ञ के चौथे दिन भी भक्तिमय माहौल बना रहा

पावटा। क्षेत्र के पावटा कस्बा स्थित बाबा भूतनाथ मंदिर जोहड़ा धाम पर मंहत जयराम दास महाराज के सान्निध्य में आयोजित 21 कुण्डीय रुद्र महायज्ञ के चौथे दिन भक्तिमय माहौल बना। श्रद्धालु यज्ञ मंडप के चारों ओर परिक्रमा कर रहे थे। वही यज्ञाचार्य द्वारकेश मिश्रा के नेतृत्व में वैदिक मंत्रोचार के बीच हवन कार्य करवाया जा रहा था। वही महिला श्रद्धालु यज्ञ मंडप की परिक्रमा लगाते नजर आए। वही नौ दिवसीय शिव महापुराण कथा के सातवें दिन कथावाचक राम पाठक महाराज ने श्रद्धालुओं को चित्रकूट धाम की महिमा का विस्तृत वर्णन करते हुए बताया कि यह भूमि तप, भक्ति और त्याग की पावन स्थली रही है, जहां देवताओं और ऋषि-मुनियों ने साधना कर मोक्ष की प्राप्ति की। चित्रकूट की महिमा सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे।

कथावाचक राम पाठक महाराज ने शिव जी के गोपी रूप धारण कर भगवान श्रीकृष्ण की रासलीला में जाने का प्रसंग भी बड़े ही रोचक ढंग से सुनाया। उन्होंने बताया कि भगवान शिव ने श्रीकृष्ण की रासलीला के दर्शन करने की इच्छा प्रकट की, लेकिन बिना गोपी स्वरूप के वहां प्रवेश संभव नहीं था। तब शिव जी ने गोपी का रूप धारण कर रास में प्रवेश किया और भगवान की दिव्य लीला का आनंद लिया। कथा के दौरान श्रद्धालुओं ने हर-हर महादेव और राधे-राधे के जयकारों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कथा में धर्म, भक्ति और भगवान के प्रति समर्पण का संदेश देते हुए कथावाचक ने कहा कि सच्ची श्रद्धा और भक्ति से ही जीवन का कल्याण संभव है। कथा के पश्चात महाआरती का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर सुख-समृद्धि की कामना की। आयोजन समिति की ओर से श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद व्यवस्था की गई। इस दौरान भूतनाथ कमेटी संरक्षक रामवतार शर्मा, दिनेश शर्मा, मामराज स्वामी, सुशील गौड, विमल गर्ग , अध्यक्ष, विकास शर्मा, सचिव आकाश शर्मा, कोषाध्यक्ष विमल गर्ग, विजय शर्मा, हिमांशु शर्मा, तरुण शर्मा, महेद्र कुमावत, प्रदीप टाँक कार्तिक शर्मा, मोहित शर्मा, अमित बटवाल, धर्मेंद्र बटवाल, कानू शर्मा, बंटी शर्मा, दीपू जगदीशम सहित कमेटी सदस्यों ने व्यवस्थाएं संभाली व बताया कि प्रतिदिन सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक श्री रूद्र महायज्ञ व दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक शिव महापुराण कथा का प्रतिदिन वाचन किया जा रहा है। जिस पर सभी धर्म प्रेमी बंधुओ से प्रतिदिन कार्यक्रम में पधार कर कथा श्रवण करने की अपील की। वही नौ दिवसीय विराट संगीतमय शिव महापुराण कथा का समापन महाआरती, पूर्णाहुति व विशाल भंडारे के साथ 11 मई को बाबा भूतनाथ जोहडा धाम मंदिर में होगा।

अंडरपास पर 4 माह तक बंद

निवाई। जयपुर-मुंबई रेलवे ट्रैक पर शिवाजी कॉलोनी में स्थित रेलवे अंडरपास संख्या 42-डी पर तकनीकी निर्माण कार्य के चलते आगामी 4 माह तक यातायात व्यवस्था पूरी तरह बंद रहेगी। वरिष्ठ अनुभाग अभियंता ने बताया कि शिवाजी कॉलोनी में स्थित रेलवे अंडरपास पर लीकेज की समस्या के निस्तारण को लेकर अंडरपास पर निर्माण कार्य किया जाएगा। निर्माण कार्य को लेकर सहायक मंडल इंजीनियर लाइन उत्तर पश्चिम रेलवे विभाग द्वारा 10 मई से 10 अगस्त तक इस अंडरपास से होकर गुजरने वाला समस्त यातायात पूरी तरह प्रतिबंधित किया गया है। हालांकि इस अंडरपास से ट्रक और बस जैसे भारी वाहनों का आवागमन पहले से ही नहीं होता है, लेकिन ट्रैक्टर, जीप और मोटरसाइकिल जैसे छोटे वाहनों के लिए यह एक महत्वपूर्ण मार्ग था। निर्माण अवधि के दौरान इन छोटे वाहनों के सुचारू आवागमन के लिए रेलवे प्रशासन द्वारा झिलाय रोड फाटक, बड़ की ढाणी फाटक, रेलवे स्टेशन फाटक एवं चैनपुरा फाटक को वैकल्पिक रास्तों के रूप में तय किया गया है ताकि आमजन को असुविधा न हो। यात्रियों और स्थानीय निवासियों की सुविधा तथा सुरक्षा को ध्यान में रखे ।

वरिष्ठ नागरिक पंडित सीताराम दाधीच का निधन

- फुलेरा कस्बे के सबसे अधिक उम्रदराज एवं सम्मानित नागरिकों में शामिल सतायुपार पंडित सीताराम दाधीच बोरायडा का निधन हो गया

फुलेरा। फुलेरा कस्बे के सबसे अधिक उम्रदराज एवं सम्मानित नागरिकों में शामिल सतायुपार पंडित सीताराम दाधीच बोरायड़ा का शनिवार को 103 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके बैकुंठवास की खबर से कस्बे में शोक की लहर छा गई। पंडित सीताराम दाधीच धार्मिक प्रवृत्ति के सरल स्वभाव एवं मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने अपने जीवनकाल में समाज को संस्कार, आदर्श और पारिवारिक मूल्यों की अमूल्य सीख दी। उनके निधन को समाज के लिए अपूरणीय क्षित माना जा रहा है।

उनके छोटे पुत्र गिरधारी लाल दाधीच ने बताया कि गत 3 मई को परिवार में बड़े पड़पोते हिमांशु के यहां पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई थी, जिससे परिवार में खुशी का माहौल था। चौथी पीढ़ी के आगमन का उत्सव मनाया ही गया था कि कुछ ही दिनों बाद पंडित सीताराम दाधीच के निधन से खुशियां मातम में बदल गईं। परिवार में इससे पूर्व उनके बड़े पुत्र गोविंद राम, पुत्रवधु एवं धर्मपत्नी का निधन हो चुका है। वर्तमान में परिवार में एक पुत्र, पुत्रवधु, तीन पोते, दो पड़पोते एवं पांचवीं पीढ़ी में सड़पोता मौजूद है। विशेष बात यह रही कि उन्होंने अपने जीवन में पुत्र, पौत्र, पड़पोते ही नहीं बल्कि सड़पोते तक का सुख भी देखा। शनिवार को उनकी बैकुंठी गाजे-बाजे एवं श्रद्धा के साथ निकाली गई। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में समाजबंधु, रिश्तेदार एवं कस्बेवासी शामिल हुए और नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी।

विद्यार्थियों ने सीखी एकाग्रता की कला

निवाई। स्थानीय पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों के मानसिक विकास और तनाव मुक्ति के लिए विपासना ठाुप के सहयोग से विशेष ध्यान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विद्यालय के 830 विद्यार्थियों ने बढ़-चढक़र भाग लिया और ध्यान की प्राचीन विधियों को समझा। विपासना ठाुप के मुख्य प्रशिक्षक कमलेश चौधरी ने विद्यार्थियों को ध्यान का अभ्यास कराया। उन्होंने आनापान ध्यान के माध्यम से मन को एकाठा करने की तकनीक सिखाई। उन्होंने कहा कि ध्यान न केवल मानसिक शांति प्रदान करता है, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और चरित्र गठन में भी सहायक सिद्ध होता है। प्रधानाचार्य गिरराज प्रसाद गुर्जर ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में एकाठाता का बहुत महत्व है। उन्होंने बताया कि नियमित ध्यान से स्मरण शक्ति तेज होती है और विद्यार्थी परीक्षा के समय होने वाले तनाव व घबराहट से आसानी से बच सकते हैं।

आचार्य विशुद्ध सागर महाराज को श्रीफल भेंट

निवाई। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में निवाई जैन समाज के श्रद्धालुओं ने सिद्धक्षेत्र सोनागिरी में आचार्य विशुद्ध सागर महाराज को चातुर्मास हेतु श्रीफल भेंट किया। जैन समाज के प्रवक्ता सुनील भाणजा व विमल जौंला ने बताया कि निवाई से श्रद्धालुओं का जत्था अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में मूलनायक भगवान महावीर के दर्शन किए।

उसके पश्चात सभी श्रद्धालुओं ने सोनागिरी में मूल नायक चंद्रप्रभु भगवान का अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजा अर्चना की। सोनागिरी में चल रहे हैं भव्य पंचकल्याणक में ज्ञानकल्याण महोत्सव के दिन आचार्य विशुद्ध सागर महाराज के पाद प्रक्षालन करने का सौभाग्य विष्णु बोहरा, नवरत्न टोंग्या, पारस जैन, गोपाल कठमाणा, दिनेश चंवरिया, मुकेश बनेठा, राधेश्याम मित्तल, विमल सोगानी, नरेंद्र जैन, राजेश झिलाय, कमलेश जैन, महेंद्र जैन, बाबूलाल जैन, अनिल भाणजा, नीरा जैन, शकुन्तला भाणजा, सीमा जैन, उषा जैन, अर्चना जैन व सुनीता बड़ागांव सहित सभी श्रद्धालुओं ने आचार्यश्री के पादप्रक्षालन किया। उन्होंने बताया उसके पश्चात निवाई समाज द्वारा आचार्यश्री को निवाई में चातुर्मास करने हेतु श्रीफल भेट किया। इस दौरान आचार्यश्री ने सभी श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने कहा कि निवाई एक धार्मिक एवं आध्यात्मिक नगरी है। यहां 12 महीने साधु संतों का आवागमन होता रहता है। यहां के लोगों में भक्ति एवं साधु संतों की सेवा करने का भाव हमेशा बना रहता है। निवाई समाज के श्रद्धालु पिछले कई वर्षों से चतुर्मास के लिए जगह-जगह पहुंचकर निवेदन किया हैं। उन्होंने कहा कि निवाई हमारा चातुर्मास जरूर होगा, लेकिन जब तक हमारा और आपका सामूहिक पुण्य होगा, जब निवाई में चातुर्मास होगा। इस अवसर पर आचार्यश्री ने सभी के कल्याण के लिए आशीर्वाद प्रदान किया।

विलुप्त होती गुदड़ी कला व संस्कृति को दर्शाती ग्राफिटी आकर्षण का केंद्र बनी

- वर्ल्ड कॉमिक्स इंडिया संस्था का उद्देश्य समुदाय के बच्चों और युवाओं को अपनी पहचान व मंच प्रदान करना है

अलवर। वर्ल्ड कॉमिक्स इंडिया द्वारा घुमंतू समुदायों के साथ चलाए जा रहे सांस्कृतिक एवं रचनात्मक कार्यक्रम के तहत आज बुर्जा के पास स्थित गाँव मेडीबास में सपेरा समुदाय की संस्कृति और परंपराओं को दर्शाती एक आकर्षक ग्राफिटी का अनावरण किया गया। इस ठााफिटी में सपेरा समुदाय के पारंपरिक जीवन, लोक कला, सांस्कृतिक पहचान और उनकी समृद्ध विरासत को रचनात्मक ढंग से उकेरा गया है। ग्राफिटी का उद्घाटन वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद मालिक एवं सामाजिक चिंतक बी एल वर्मा तथा समुदाय के लोगों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर बस्ती के युवाओं, महिलाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस ठााफिटी में सपेरा समुदाय के पारंपरिक जीवन, लोक कला, पहनावे, गुदडी, सांस्कृतिक पहचान और उनकी समृद्ध विरासत को रचनात्मक एवं प्रभावशाली

घुमंतु समुदायों के लिए रचनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया।

ढंग से उकेरा गया है। कला के माध्यम से समुदाय के इतिहास और परंपराओं को जीवंत रूप में प्रस्तुत करने का यह प्रयास लोगों के आकर्षण का केंद्र बना। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि इस प्रकार की कला गतिविधियाँ न केवल समुदाय की सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने का कार्य करती हैं, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी जड़ों और परंपराओं से जोड़ने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

उन्होंने कहा कि समाज के विमुक्त और घुमंतू समुदायों की संस्कृति को सम्मान और पहचान दिलाने के लिए ऐसे प्रयास लगातार जारी रहने चाहिए स्थानीय निवासी नेतराम ने कहा कि इस प्रकार की पहल आने वाली पीढ़ियों को सपेरा संस्कृति पर गर्व करने का अवसर देगी।वहीं मैना देवी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि ठााफिटी में समुदाय के पारंपरिक पहनावे और गुदड़ी को सुंदर तरीके से दर्शाया गया है, जो अत्यंत सराहनीय है। इस अवसर पर बस्ती के युवाओं, महिलाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। स्थानीय निवासी संगीता एवं कविता जो स्वयं वर्ल्ड कॉमिक्स इंडिया के साथ विगत कई वर्षों से निरंतर कार्य कर रही है, उन्हीं के घर के बाहरी दीवार पर इस ठााफिटी को संजोया गया है ।संस्था के संस्थापक कार्टूनिस्ट शरद शर्मा के अनुसार एक व्यापक कला आंदोलन के तहत अलवर की अनेक घुमंतू बस्तियों में इसी तरह की ठााफिटी बनाने की योजना है। कुछ माह पूर्व इसी तरह की एक ठााफिटी डेहरा स्थित बंजारा बस्ती में बनायीं गयी थी। इसका उद्देश्य समुदाय के बच्चों और युवाओं को अपनी पहचान, इतिहास और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ते हुए उन्हें सकारात्मक मंच प्रदान करना है। यह संस्था अलवर एवं निकटवर्ती जिलों के अनेक घुमन्तु समुदायों में रचनात्मक तरीके से विकास के कार्यों में जुटी है।

बंगाल में भाजपा की जीत मोदी के नेतृत्व पर जनता के भरोसे का परिणाम - भूपेंद्र यादव

- भिवाड़ी से अलवर तक केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव का हुआ भव्य स्वागत, किशनगढ़ बास में सभा को किया संबोधित

किशनगढ़ बास। पश्चिम बंगाल चुनाव प्रभारी के रूप में गंगोत्री से गगासागर तक यात्रा पूरी कर शनिवार को बंगाल में भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होकर सायं अपने लोकसभा क्षेत्र अलवर के भिवाड़ी पहुंचे केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने बाबा मोहन राम मंदिर में पूजा अर्चना कर ढोक लगाई देश व क्षेत्र की खुशहाली व प्रगति के लिए कामना की। केंद्रीय मंत्री के भिवाड़ी आगमन पर जिले भर से भाजपा नेता व जनप्रतिनिधि स्वागत के लिए पहुंचे।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के संसदीय क्षेत्र का भिवाड़ी सिंहद्वार अलवर का प्रवेश द्वार है, इसी प्रवेश द्वार के बाबा मोहन राम मंदिर से केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने अपने लोकसभा चुनाव का शंखनाद किया था और जीत हासिल कर लोकसभा पहुंचे थे, और आज बंगाल में भाजपा सरकार के बनने पर सीधे शपथ ठाहण समारोह में शरीक होने के बाद, वहां से भिवाड़ी बाबा मोहन राम मंदिर पहुंचे हैं। मंदिर पर पूजा अर्चना कर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव अपने समर्थकों के काफिले के साथ भिवाड़ी में आयोजित अलग-अलग स्थानों पर स्नेह मिलन कार्यक्रम में पहुंचे, जहां उनका कार्यकर्ताओं सहित गणमान्य लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। अपने नेता को बंगाल चुनाव जीतने की बधाई दी। इसके बाद मंत्री अलवर के रामगढ़ में आयोजित श्याम महोत्सव में शामिल होने के लिए रवाना हुए। इस बीच भिवाड़ी से रामगढ़ अलवर तक सड़क मार्ग के टपूकड़ा, तिजारा, किशनगढ़ बास सहित तक जगह-जगह कार्यकर्ताओं की और से रखें स्नेह मिलन स्वागत कार्यक्रम में शामिल हुए। वहां लोगों ने केंद्रीय मंत्री को बंगाल चुनाव जीतने की बधाई दी, मुंह मीठा कराया और साफा व फूल माला पहनाकर स्वागत किया।

रात्रि करीब 9 बजे किशनगढ़ बास पहुंचे केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव का तोप सर्किल पर भाजपा राष्ट्रीय परिषद सदस्य पूर्व विधायक रामहेत यादव तथा मंडल अध्यक्ष मनोज मित्तल के नेतृत्व में गर्मजोशी के कार्यकताओं ने स्वागत किया गया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने स्वागत में पहुंची हजारों की भीड़ को मंच से संबोधित करते हुए बंगाल जीत की बधाई दी और कहा बंगाल में 35 साल कम्युनिस्ट और 15 साल ममता की सरकार रही है। बंगाल की जनता सरकार के अत्याचारों से दुखी थी लंबे संघर्ष के बाद बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार बनी है।

ARBiT it happens here...

Mother's Day: Celebrating Love, Care and Everyday Strength

Mother's Day is a heartfelt occasion dedicated to honouring the love, resilience and sacrifices of mothers and mother figures. Celebrated worldwide, the day recognises the countless roles they play as caregivers, mentors, and pillars of emotional support. Beyond gifts and celebrations, it is a reminder to express gratitude for the everyday efforts that often go unnoticed. From handwritten notes to quality time, even small gestures can make the day special. Ultimately, Mother's Day is about acknowledging the enduring impact of a mother's presence in shaping lives and nurturing families.

राष्ट्रदूत
SUNDAY
10 May 2026
A-B

#FOOD

Banaras vs. Delhi Chaat

In Varanasi, food carries a spiritual dimension. Every bite feels connected to tradition, ritual and storytelling...

Long before food debates began, mythology tells us that the difference between Banaras and Delhi chaat was already being written. When Brahma created the world, two forces came into existence, matter and consciousness. The responsibility of governing them fell jointly on Shiva and Parvati. Shiva presided over consciousness, while Parvati guided the material world. To Shiva, food was merely an obstacle on the path to enlightenment. Parvati disagreed. She believed food was where truth begins, the first comfort people seek when they return to life after suffering.

Legend says that Parvati decided to prove her point. She vanished from Shiva's thoughts, and famine spread across the world. Hunger consumed humanity, and eventually, even Shiva. Then, he heard of a mysterious kitchen in Kashi where a goddess had appeared and was feeding everyone. Disguised as a beggar, Shiva arrived and was served kheer by Goddess Annapurna, Parvati in another form. With the first bite, he realised what he had forgotten: food is not a distraction from truth; it is often the doorway to it.

That legend still echoes in Banaras' food culture today. In Varanasi, food carries a spiritual dimension. Every bite feels connected to tradition, ritual and storytelling. Banaras chaat is not designed to shock the senses; it is meant to comfort them. The flavours are gentle yet layered, tangy, sweet, warm and nostalgic. Dahi-based dishes dominate, spices are balanced rather than aggressive, and recipes are often tied to temples, festivals or folklore. Whether it is tamatar chaat, dahi jalebi, kachori-sabzi or paan, Banaras serves food slowly, almost meditatively. It invites you to pause, taste and reflect.

Delhi chaat, by contrast, reflects the energy of an imperial capital and modern metropolis. If Banaras chaat is spiritual, Delhi chaat is theatrical. Delhi's street food evolved through waves of migration, Mughal kitchens, Punjabi refugees, traders and urban experimentation. The result is bold, loud and unapologetically indulgent. Flavours hit fast and hard: sharp chutneys, crunchy textures, extra spice and dramatic presentation.

The difference, ultimately, lies in philosophy. Banaras treats food as an experience tied to memory and meaning, an echo of Annapurna's lesson to Shiva. Delhi treats food as celebration and innovation, a city constantly reinventing itself.

Both are irresistible. One feeds the soul slowly; the other excites the senses instantly. And somewhere between the two lies the endless joy of Indian street food.

Too Many Tests And Too Tired Doctors!

The Libby Zion Law (Section 405 of the New York State Health Code) was born from the 1984 death of 18-year-old Libby Zion. She died in a hospital while under the care of overworked, unsupervised residents who didn't recognise a fatal drug interaction. The outcome was, it limited resident work weeks to 80 hours and prohibited shifts longer than 24 consecutive hours. It also mandated better supervision by senior attending physicians. This law served as the blueprint for modern duty-hour restrictions globally.

Dr. Goutam Sen
CTVS Surgeon
Traveller
Storyteller

If you live a long enough span of life, like I have lived, you will have suffered many ailments. Some of them are the 'Run of the Mill' ones that make their seasonal visitations and leave you after a short spell of misery. The common cold in early March and gastrointestinal misadventures after street food are prime examples. Then, there are the longer ailments where medication and even hospitalisation are required. They leave an indelible mark in the mind if not on the body. Still later, there are the major ones which scare the 'Shit' out of us and require a long treatment with medicines and lifelong preventive measures. Even worse, they may require care of specialists, going from one hospital to a 'better' one and even entail life saving surgery. As a consequence, at the latter end of your life, there are memories of many ailments gone through. Also, there are quite a few scars on the body as constant reminders of the battles fought to keep alive.

Then comes the phase when life is lived with care and caution! There are 'Do's and Don'ts!' Even if you are uncaring, the others in the family will control your eating habits and push you out of your comfortable sofa in front of the idiot box and make you do exercise. The walk and physiotherapy are an essential part of such a life, however much you hate it.

Finally, there comes a time when the regular appointments to the hospital are marked to assure well being. This requires a consultation with the doctor who has nearly become a friend and a part of the family. He will do some tinkering with the doses of the medicines, or once in a while, change to the newest drug in vogue. As a preliminary, a set of investigations are considered essential (based on your past medical history). Lately, the new fad is to get a 'package' of investigations. This is considered cheaper for the patient and allows the hospital to use their expensive new machines profitably. The doctor encourages this under the premise that it may reveal some lingering threat or the onset of a new ailment. Mind you! These conditions have no symptoms or signs! They are just revealed in the battery of tests as 'abnormal.' It is upon us to query about what should be done. Whether these isolated abnormal results are transient and not likely to be of harm is questionable. If you worry about these a fresh batch, more specialised tests are needed. Last time, I had my tests, my Eosinophil count (normally seen in response to allergies!) were considerably raised. So, more tests were done. A haemotologist was consulted who then asked me to see a dermatologist because of the insect bites on my back. These were healing but a week's dose of antihistamines and steroids were advised (Just in Case!).

From the doctors' point of view, this has become a practice which is called 'Defensive Medicine.'

Defensive medicine is a clinical practice where medical practitioners recommend diagnostic tests, procedures or consultations primarily to protect themselves from potential malpractice lawsuits, rather than because they are essential for the patient's health.

It generally manifests in 'Positive' Defensive Medicine. Mostly, this consists of ordering "extra" tests (MRIs, blood work, CT scans) or referrals to specialists to create a bulletproof paper trail.

It could also be 'Negative' Defensive Medicine, thus, avoiding high-risk patients or procedures (e.g., complex cardiac surgery or high-risk obstetrics) to minimise the chance of a "bad outcome" that could lead to litigation.

Is it affecting treatment? Yes, significantly.

Research indicates that a vast majority of physicians admit to practicing defensive medicine. Billions of rupees are spent annually on tests that don't change the clinical outcome.

Besides the expenditure, there are physical risks. Every test has a footprint. Over-testing exposes patients to unnecessary radiation (CT scans) or invasive complications (unnecessary biopsies; clotted veins) and even discomfort of long procedures (Endoscopies etc.).

There is enhanced patient anxiety. Finding "incidentalomas" (minor, harmless abnormalities) through over-testing often leads to more stress and further unnecessary intervention.

Is it good or bad?

While it is born out of a desire for "safety," it is generally considered bad for the healthcare system. It shifts the focus from evidence-based care (doing what works) to fear-based care (doing what prevents a lawsuit). While it might occasionally catch a "needle in a haystack" diagnosis, the systemic cost and risk to the average patient outweighs these rare benefits.

The solution lies in finding the balance!

The sweet spot between "safe treatment" and "over-testing" lies in Shared Decision Making (SDM) and Clinical Guidelines.

Evidence-based guidelines are where doctors follow protocols like 'Choosing Wisely,' which identify tests that provide little value. Similarly, patient communication is a wise way out. If a doctor explains why a test isn't needed, patients are often satisfied.

Defensive medicine thrives when there is a lack of trust.

To avoid being accused of medical negligence, legal torts need to be avoided. Legally, the balance is found when the law protects doctors who follow standard-of-care protocols, reducing the "need" to over-order.

There is another aspect of medical care that has been drawing attention. It is the working hours that a doctor is spending per week, and more importantly, how long the shifts are. It has become quite evident that a fatigued doctor is prone to make errors which may have life-threatening consequences!

The original concept of training specialists was that the training should be intense and so loaded that it was stressful and fatiguing. Every resident was expected to take the load of at least two doctors and the hours were abysmally long. The understanding was that this would be helpful in instilling skills of thinking on 'their feet.' But what actually happened was quite the reverse.

Fatigue led to mistakes. The Libby Zion case was a prime example which required rethinking about training schedules in specialties.

The Libby Zion Law (Section 405 of the New York State Health Code) was born from the 1984 death of 18-year-old Libby Zion. She died in a hospital while under the care of overworked, unsupervised residents who didn't recognise a fatal drug interaction.

The outcome was, it limited resident work weeks to 80 hours and prohibited shifts longer than 24 consecutive hours. It also mandated better supervision by senior attending physicians. This law served as the blueprint for modern duty-hour restrictions globally. Although, there are institutions which still do not adhere to this norm! It is also a money-saving practice which has come into vogue ever since hospitals have been taken over by financial corporations.

In India, the regulations are governed by the National Medical Commission (NMC) and the Central Residency Scheme. A resident should ideally not work more than 12 to 24 hours at a stretch, depending on the department's emergency load. However, "on-call" duties frequently stretch to 36 hours in many government hospitals due to a shortage of manpower.

The official 'Weekly Limit' recommendation is roughly 48 to 60 hours per week, with at least one weekly off. In practice, Indian residents often work 80-100+ hours per week. While the NMC has issued guidelines to improve "work-life balance," enforcement remains a significant challenge in high-volume public hospitals.

The "Safe Practice of Medicine" is a multidimensional concept that aims to fulfill the Hippocratic Oath: *Primum non nocere* (First, do no harm). In the modern context, safety is no longer just about the doctor's skill; it's about the system in which they operate.

Burnout and Fatigue are important issues. As seen in the Libby Zion case, the greatest enemy of safe medicine is a tired doctor. Sleep deprivation mimics alcohol intoxication in terms of cognitive impairment. A resident on their 30th hour of work is prone to "fixation bias," where they stick to a wrong diagnosis because they lack the mental energy to reconsider the evidence.

Thus, hospitals must treat physician well-being as a patient safety metric. Safety often breaks down during "handovers," when one shift ends and another begins.

AI (within limitations) has come to help by using tools like SBAR (Situation, Background, Assessment, Recommendation), which ensures that critical information isn't lost. As in aviation, surgical safety checklists have drastically reduced intra-operative mortality by ensuring simple things (like marking the correct limb for surgery) that are never missed.

Electronic Health Records (EHRs) were supposed to make medicine safer by eliminating bad handwriting. Instead, they've introduced "alert fatigue," where doctors click through hundreds of warnings, potentially missing the one that actually matters.

The integration of AI, however, should serve as a "co-pilot," filtering noise and highlighting genuine risks (like the drug interaction that killed Libby Zion) without overwhelming the clinician.

Cultural shift is required. A change from 'Blame to Learning' is the logical pathway.

A "Safe Practice" requires a 'Just Culture.' In the past, medical errors were hidden due to shame or fear of litigation. Safety improves when doctors can report "near misses" without fear of punishment. Understanding why a mistake happened (root cause analysis) is more valuable than punishing the person who made it. Safe medicine is a balancing act between human intuition, rigorous systemic protocols and the physical limits of the healthcare provider. To protect the patient, we must also protect the provider, from exhaustion, from litigation-induced fear and from the noise of over-information.

rajeshsharma1049@gmail.com

#MED MEN

#COMPARISON

White Dragon Fruit vs. Red Dragon Fruit

Daily consumption of a dragon fruit product rich in betalains significantly improved endothelial function, a measure of blood vessel health

Dragon fruit, also called pitaya, is a tropical fruit from cactus plants of the genus Hylocereus. While both white-fleshed dragon fruit (Hylocereus undatus) and red-fleshed dragon fruit (Hylocereus polyrhizus) are enjoyed around the world for their refreshing taste and striking appearance, scientific studies reveal important similarities and differences in their nutritional and biochemical profiles.

Shared Nutritional Profile

Both types of dragon fruit are low in calories and high in water content, making them hydrating and diet-friendly fruits. They also contain dietary fibre, essential vitamins such as vitamin C, and minerals including magnesium and iron. These nutrients contribute to digestive health, immune function, and overall wellness. They also contain antioxidants, natural compounds that neutralize unstable molecules known as free radicals, which can cause cellular damage if left unchecked.

Scientific analyses of dragon fruit show that both white and red varieties contain a mix of polyphenols and flavonoids, plant compounds widely recognized for their antioxidant properties. These compounds play roles in reducing oxidative stress and inflammation in the body.

Differences in Antioxidant Content

A key difference between white and red dragon fruit lies in their antioxidant profiles. Red dragon fruit contains higher amounts of pigmented compounds called betalains, which are responsible for its vibrant magenta or deep red flesh. Betalains are potent antioxidants that have been linked to improved vascular function and potentially lower risk of chronic disease.

In one peer-reviewed study comparing white and red dragon fruit, researchers found that red-fleshed pitaya had significantly higher total phenolic content, total flavonoid content, and total antioxidant capacity than white flesh. This suggests stronger antioxidant potential in the red variety. Conversely, white dragon fruit was found to have somewhat higher levels of vitamin C in that particular study, highlighting that different antioxidants may predominate in each type.

Health Effects Backed by Clinical Research

Beyond laboratory analyses, clinical research has also explored the effects of dragon fruit consumption on human health. A randomized, double-blind, placebo-controlled study in healthy adults showed that daily consumption of a dragon fruit product rich in betalains significantly improved endothelial function, a measure of blood vessel health, over two weeks. Improvements were seen in flow-mediated dilation and arterial stiffness, markers that are tied to cardiovascular risk.

This effect is believed to be due, at least in part, to the antioxidant properties of betalains found predominantly in red dragon fruit.

Differences in Taste and Culinary Use

Scientifically, taste differences have also been linked to variations in biochemical composition. Red dragon fruit typically has a slightly higher sugar content and richer flavour compared with the milder, subtler sweetness of white dragon fruit. Although taste studies are less commonly published in scientific journals, variation in sugar and phenolic compounds aligns with sensory differences reported by consumers and researchers alike.

THE WALL

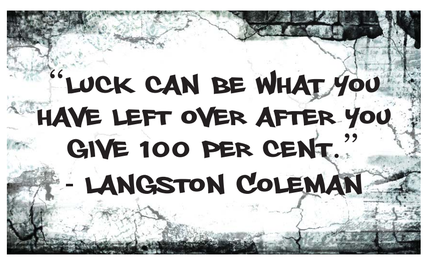

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

मेसी ने कहा,मैं बहुत प्रतिस्पर्धी हूं। मुझे हर चीज में जीतना पसंद है। मैं तो अपने बेटे को वीडियो गेम में भी आसानी से नहीं जीतने देता।
- लियोनेल मैसी

अर्जेंटिना के फुटबालर अपने मैच के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

जेमिमा रोड्रिग्स

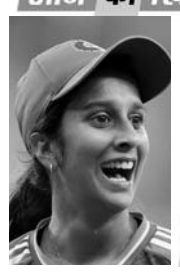

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने महिला टी-20 मुंबई लीग की शुरुआत कर दी है। मेंस की टी-20 मुंबई लीग की तर्ज पर होने वाली इस फ्रेंचाइजी आधारित प्रतियोगिता के लिए 3 टीमों की बिक्री से को एसोसिएशन 4 करोड़ रुपए से ज्यादा की आय हुई है। लीग का आयोजन 1 से 15 जून के बीच हो सकता है। महिला लीग में कुल 7 मुकाबले खेले जाएंगे। इसमें तीन आइकन खिलाड़ी शामिल होंगी, जिनमें जेमिमा रोड्रिग्स, सायमा ठाकोर और सयाली सतघरे के नाम प्रस्तावित हैं। हालांकि इनकी उपलब्धता पर अंतिम फैसला होगा। यह लीग सिर्फ मुंबई की महिला क्रिकेटरों के लिए होगी।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट में लगातार चार साल तक 1000 रन बनाने का रिकॉर्ड मैथ्यू हेडन के नाम है। उन्होंने 2001 से 2004 तक लगातार चार बार 1000 या अधिक रन बनाए।

गुजरात की लगातार चौथी जीत:राजस्थान को 77 रन से हराया; गिल-सुदर्शन की फिफ्टी; राशिद को 4 विकेट

जयपुर, 09 मई। गुजरात टाइटंस ने शनिवार को में लगातार चौथी जीत हासिल की। टीम ने राजस्थान रॉयल्स को 77 रन के अंतर से हराया। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। गुजरात ने 20 ओवर में 3 विकेट पर 229 रन बनाए। जवाब में राजस्थान 16.3 ओवर में 152 रन पर ऑलआउट हो गई। उसका कोई भी बैटर फिफ्टी नहीं लगा सका। रवींद्र जडेजा (38 रन) टॉप स्कोरर रहे। वैभव सूर्यवंशी ने 16 बॉल पर 36 रन बनाए।

गुजरात के राशिद खान ने 33 रन देकर 4 विकेट झटके। जेसन होल्डर को 3 और कगिसो रबाडा को 2 विकेट मिले

गिल और सुदर्शन ने फिफ्टी लगाई

कप्तान शुभमन गिल ने 44 बॉल पर 9 चौकों और 3 छक्कों से सजी अर्धशतकीय पारी खेली। साई सुदर्शन ने 36 बॉल पर 55 रन बनाए। साई ने 6 चौके और 2 छक्के लगाए। राजस्थान के बृजेश शर्मा को 2 विकेट मिले।

राजस्थान रॉयल्स: यशस्वी जायसवाल (कप्तान), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिमरोन हेटमायर, डोनोवन फरेरा, रवींद्र जडेजा, शुभम दुबे, दसुन शनाका, जोफ्रा आर्चर, बृजेश शर्मा, तुषार देशपांडे और यश पुंजा। इम्पैक्ट ऑप्शंस: वैभव सूर्यवंशी, एडम मिल्ने, रवि सिंह, रवि बिश्नोई और सुशांत मिश्रा।

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), निशांत सिंधु, वाशिंगटन सुंदर, जेसन होल्डर, राहुल तेवतिया, राशिद खान, अरशद खान, कगिसो रबाडा और मोहम्मद सिराज। इम्पैक्ट ऑप्शंस: प्रसिद्ध कृष्णा, ग्लेन फिलिप्स, अनुज रावत, साई किशोर और कुमार कुशाग्रा। होल्डर को दूसरा विकेट, शनाका आउट 17वें ओवर की पहली बॉल पर जेसन होल्डर ने दसुन शनाका (16 रन) को शुभमन गिल के हाथों कैच कराया।फिर तीसरी बॉल पर तुषार देशपांडे को सुंदर के हाथों कैच कराया। इस विकेट के साथ राजस्थान की पारी 152 रन पर समाप्त हो गई और गुजरात ने 77 रन की जीत हासिल की।

आईपीएल में रील बनाने-पोस्ट करने पर की रोक:नियम तोड़ने पर खिलाड़ियों-कमेंटेटर्स और टीम पर जुर्माने के साथ कानूनी कार्रवाई भी

नई दिल्ली ,09 मई। खिलाड़ी, उनके परिवार के सदस्य और ब्रॉडकास्टर के लिए काम कर रहे पूर्व क्रिकेटर मैच के दौरान रील नहीं बना सकेंगे और न ही सोशल मीडिया पर पोस्ट कर पाएंगे। नियम तोड़ने पर जुर्माना और कानूनी कार्रवाई कर सकता है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने में एंटी-करप्शन और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर खिलाड़ियों, कमेंटेटर्स, उनके परिवार और ब्रॉडकास्टर्स के लिए सोशल मीडिया कंटेंट पर सख्त गाइडलाइंस जारी की हैं। बोर्ड ने कहा है कि संवेदनशील इलाकों में रील या वीडियो बनाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, की एंटी-करप्शन यूनिट ने इस सीजन में नियम उल्लंघन के कई मामले पकड़े हैं। इनमें खिलाड़ी और ब्रॉडकास्टर के तौर पर काम कर रहे पूर्व क्रिकेटर भी शामिल हैं। बोर्ड ने चेतावनी दी है कि सुरक्षा प्रोटोकॉल नहीं मानने वालों पर भारी जुर्माना और कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

डगआउट में वीडियो बना रहे पूर्व क्रिकेटर को फटकार

रिपोर्ट के मुताबिक, इस सीजन में कुछ कमेंटेटर्स ने नियम तोड़े हैं। एक पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर मैच के अहम पलों में डगआउट के पास फोन से वीडियो बनाते पाए गए। टीम ने तुरंत रिकॉर्डिंग रुकवाई। बोर्ड अब एक पूर्व क्रिकेटर को कानूनी नोटिस भेजने की तैयारी में है, जो मैदान पर अपने यूट्यूब चैनल के लिए वीडियो शूट कर रहा था। नियम के मुताबिक, की आधिकारिक ड्रेस पहनकर मैदान पर निजी कंटेंट की शूटिंग नहीं की जा सकती।

खिलाड़ियों की रील संस्कृति पर बोर्ड की नजर को चिंता है कि नई पीढ़ी के क्रिकेटर सोशल मीडिया पर कंटेंट पोस्ट करने में ज्यादा रुचि दिखा रहे हैं। एक भारतीय खिलाड़ी को टीम की यात्रा और ठहरने की जानकारी साझा करने से रोका गया है। बोर्ड ने पाया कि कुछ खिलाड़ी मैच से पहले या खत्म होते ही वीडियो पोस्ट कर देते हैं। इससे टीम की प्राइवेसी और सुरक्षा को खतरा हो सकता है। कई बार रील के जरिए प्लेइंग-11 का संकेत भी मिल जाता हैं। बोर्ड ने खिलाड़ियों के परिवार के सदस्यों को के दौरान फोटो और वीडियो पोस्ट करने से बचने को कहा है। पहले एक भारतीय तेज गेंदबाज को पत्नी के बनाए टीम होटल के वीडियो को प्रमोट करने पर चेतावनी दी गई थी। बोर्ड ने उन सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स पर भी नाराजगी जताई है, जिन्हें फ्रेंचाइजी ने टीम के साथ अनफिल्टर्ड एक्सेस दे रखा है। बोर्ड का मानना है कि इससे एंटी-करप्शन प्रोटोकॉल का उल्लंघन होता है। टीम बस में बाहरी लोगों की एंट्री बैन एंटी-करप्शन यूनिट ने आपत्ति जताई है कि कुछ वरिष्ठ अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी परिवार या दोस्तों को टीम बस में सफर करने दे रहे हैं।

विश्व स्क्वैश चैंपियनशिप : वीर चोटरानी ने अभय सिंह को हराकर दूसरे दौर में बनाई जगह

गीजा, 09 मई । भारत के विश्व नंबर-45 स्क्वैश खिलाड़ी वीर चोटरानी ने विश्व स्क्वैश चैंपियनशिप के पुरुष एकल वर्ग के पहले दौर में अपने ही देश के उच्च रैंकिंग वाले खिलाड़ी अभय सिंह को रोमांचक मुकाबले में हराकर दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। पाम हिल्स क्लब और पीजीसी गोल्फ सेंट्रल मॉल में शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में वीर चोटरानी ने विश्व नंबर-22 अभय सिंह को 14-12, 8-11, 5-11, 11-7, 11-2 से मात दी। यह तीन मुकाबलों में अभय सिंह पर उनकी दूसरी जीत रही। पहला गेम बेहद रोमांचक रहा, जिसमें वीर ने एशियाई खेल पदक विजेता अभय सिंह को टाई-ब्रेकर में हराया। हालांकि अगले दो गेम हारने के बाद वीर दबाव में आ गए थे, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए लगातार दो गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। मैच के बाद वीर चोटरानी ने कहा,विश्व चैंपियनशिप के पहले दौर में किसी भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ खेलना आसान नहीं होता। हम नहीं चाहते कि हममें से कोई पहले दौर में बाहर हो, लेकिन ड्रॉ ऐसा ही था और मैं खुश हूं कि मैं आगे बढ़ ने में सफल रहा।

उन्होंने आगे कहा,पिछले कुछ हफ्तों में की गई मेहनत का यह शानदार परिणाम है। इस तरह की जीत आत्मविश्वास बढ़ ाने वाली होती है। पिछली बार भारत में फाइनल में मैं अभय से हार गया था और उस प्रदर्शन से काफी निराश था। अब दूसरे दौर में वीर चोटरानी का सामना रविवार को मिस्र के विश्व नंबर-1 मुस्तफा असल से होगा। वहीं, भारत के अन्य खिलाड़ी रमित टंडन और वेलावन सेंथिलकुमार भी अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। रमित टंडन का मुकाबला मिस्र के करीम एल टोर्क से होगा, जबकि वेलावन सेंथिलकुमार फ्रांस के विश्व नंबर-5 विक्टर क्रोइन से भिड़ेंगे। पिछले वर्ष शिकागो में आयोजित विश्व स्क्वैश चैंपियनशिप में भारत का अभियान दूसरे दौर में समाप्त हो गया था। अनाहत सिंह, वीर चोटरानी, अभय सिंह और रमित टंडन प्रतिस्पर्धी मुकाबलों में हारकर बाहर हुए थे, जबकि वेलावन सेंथिलकुमार पहले दौर में ही बाहर हो गए थे। भारत अब तक विश्व स्क्वैश चैंपियनशिप के एकल वर्ग में कोई पदक नहीं जीत पाया है।

जिम्बाब्वे टी20 सीरीज के लिए पाकिस्तानी महिला टीम घोषित, अंबर कायनात नया चेहरा

कराची, 09 मई । अंबर कायनात को जिम्बाब्वे के खिलाफ आगामी तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए पहली बार पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम में शामिल किया गया है। कप्तान फातिमा सना की अगुवाई वाली 15 सदस्यीय टीम में अंबर के अलावा सायरा जबीन दूसरी अनकैप्ड खिलाड़ी हैं। तेज गेंदबाज अंबर कायनात को हाल ही में संपन्न राष्ट्रीय महिला टी20 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। उन्होंने इनविंसिबल्स टीम की ओर से खेलते हुए आठ मैचों में 11 विकेट हासिल किए थे। पाकिस्तान की टीम काफी हद तक उसी संयोजन पर आधारित है, जिसने फरवरी में दक्षिण अफ्रीका का दौरा किया था। हालांकि अनुभवी बल्लेबाज सिदरा अमीन को मुख्य टीम में जगह नहीं मिली है और उन्हें रिजर्व खिलाड़ियों में रखा गया है। तेज गेंदबाज डायना बेग भी रिजर्व सूची में शामिल हैं। ऑफ स्पिनर रमीन शमीम चोट से उबरने के बाद टीम में वापसी कर रही हैं। चोट के कारण वह दक्षिण अफ्रीका दौरे से बाहर हो गई थीं। उनकी जगह उस दौरे पर शामिल की गई उम्म-ए-हानी को इस बार टीम में जगह नहीं मिली है। हुमना बिलाल को भी बाहर रखा गया है। पाकिस्तान और जिम्बाब्वे के बीच पहला टी20 मैच 12 मई को खेला जाएगा, जबकि बाकी दो मुकाबले 14 और 15 मई को होंगे। सीरीज के सभी मैच कराची के नेशनल स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे। फातिमा सना (कप्तान), अंबर कायनात, आलिया रियाज, आयशा जफर, एमन फातिमा, गुल फिरोजा, इरम जावेद, मुनीबा अली, नशरा संधू, नतालिया परवेज, रमीन शमीम, सादिया इकबाल, सायरा जबीन, तस्मिया रुबाब और टुबा हसन।

ढ़ाका टेस्टः दूसरे दिन लंच तक बांग्लादेश 380/7, मुशफिकुर रहीम ने संभाली पारी

ढ़ाका, 09 मई । ढ़ाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में खेले जा रहे बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच पहले टेस्ट मैच में दूसरे दिन लंच तक मेजबान बांग्लादेश ने 7 विकेट पर 380 रन बना लिए हैं। अनुभवी बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम 71 रन बनाकर नाबाद हैं। वहीं पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद अब्बास ने 4 विकेट लिए। पाकिस्तान को उम्मीद थी कि दूसरे दिन शनिवार को नई गेंद से शुरुआती विकेट निकालकर वह मैच में वापसी करेगा, लेकिन मुशफिकुर रहीम ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। गर्म और उमस भरे मौसम में उन्होंने धैर्यपूर्ण बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान के गेंदबाजों को ज्यादा सफलता हासिल नहीं करने दी। दूसरे दिन सुबह के सत्र में बांग्लादेश ने 79 रन जोड़े। पाकिस्तान के लिए केवल मोहम्मद अब्बास ही प्रभाव छोड़ सके, जिन्होंने लिटन दास, मेहदी हसन मिराज और ताइजुल इस्लाम के विकेट हासिल किए। दिन की शुरुआत में लिटन दास ने शाहीन शाह अफरीदी के पहले तीन गेंदों पर लगातार चौके लगाकर पाकिस्तान पर दबाव बना दिया। इसके बाद लिटन और मुशफिकुर ने संभलकर बल्लेबाजी की और नई गेंद के खतरे को आसानी से झेला। दोनों बल्लेबाजों ने अर्धशतकीय साझेदारी पूरी की। हालांकि, पाकिस्तान को पहली सफलता मोहम्मद अब्बास ने दिलाई। उन्होंने बाउंसर पर लिटन दास को कैच आउट कराया। लिटन ने उपयोगी पारी खेलते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।इसके बाद मेहदी हसन मिराज ने आक्रामक रुख अपनाने की कोशिश की, लेकिन अब्बास की गेंद पर इमाम-उल-हक के हाथों कैच आउट हो गए। ताइजुल इस्लाम ने भी तेज रन बनाने का प्रयास किया, मगर वह भी अब्बास के बाउंसर का शिकार बने। मुशफिकुर रहीम एक छोर पर टिके रहे।

के एम रूंगटा ट्रॉफी

तोषित भाटिया व आदित्य शर्मा के अर्धशतक

जयपुर - 09 मई जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित के एम रूंगटा ट्रॉफी के अंतर्गत आज से खेले गए तीन दिवसीय मैच में दूसरे दिन टीम ए ने कल के स्कोर 2 विकेट पर 53 रन से आगे खेलते हुए जयंत ताम्बी के 67 रन, तोषित भाटिया के 47 रन व आदित्य टांक के 27 रनो से 62.4 ओवर में 211 रन बना कर आउट हो गई। टीम सी (मान क्लब) को 22 रनो की बढ़त प्राप्त हुई। टीम सी (मान क्लब) के लिए राहुल चौधरी ने 49 पर 2, सुमित भगेरिया ने 33 पर 2, कार्तिक बदलानी ने 17 पर 2, आदित्य झाला ने 47 पर 2 विकेट लिए।

दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक टीम सी (मान क्लब) ने आदित्य शर्मा के 65 रन, रियान अली के 14 रन, मानेंद्र सिंह के 15 रन नाबाद व अमन सिंह शेखावत के 13 रन नाबाद से 36 ओवर में 5 विकेट पर 143 रन बना लिए थे।

टीम ए के लिए सौरभ यादव, मेहुल पारीक, आदित्य टांक व मिहित अठावाल ने एक - एक विकेट लिया।

राजस्थान ने अंडर-20 राष्ट्रीय फुटबॉल में आंध्र प्रदेश को 2 गोल से हराया

जयपुर, 9 मई। स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुरुष अण्डर 20 फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन नारायणपुर छत्तीसगढ़ में अखिल भारतीय फुटबॉल संघ के द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

ग्रुप के अपने पहले मुकाबले में राजस्थान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आंध्र प्रदेश को एक कड़े मुकाबले में 2-0 से परास्त किया । राजस्थान के अंशुमान ने 8 मिनट में अपना पहला गोल करके मैच में 1-0 से बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ के 70 मिनट में रुद्रप्रताप ने एक शानदार गोल करके मैच में राजस्थान को 2-0 से बढ़त दिलाई तथा अंतिम समय तक दोनों ही टीमें कोई गोल करने में विफल रही। इस प्रकार राजस्थान ने अपना पहला मुकाबला 2-0 से जीत लिया।

राजस्थान का अगला मुकाबला झारखंड से 13 मई व तीसरा मुकाबला 15 मई बिहार से 17 मई को मेघालय खेला जाएगा। राजस्थान फुटबॉल संघ के अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह जसोल व सचिव दिलीप सिंह शेखावत और संघ के सभी पदाधिकारी और खिलाड़ियों ने मैच जीतने पर बधाई दी।

टिकट ब्लैक करने वाला गिरोह पकड़ाया:फ्लाइट से सभी वेन्यू पर टिकट बेचने जाते थे 3 आरोपी; 20 हजार में बिक रहे थे फ्री पास

नई दिल्ली, 9 मई। 8 मार्च को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम के पास मैचों की टिकटों और कॉम्प्लिमेंट्री पास की ब्लैक मार्केटिंग करने वाले एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है।

क्राइम ब्रांच की टीम ने दिल्ली गेट के पास 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स मैच से पहले खुद को का अधिकृत प्रतिनिधि बताकर क्रिकेट प्रेमियों को ठग रहे थे।

एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि ये पास अरुण जेटली स्टेडियम में पास एक पेट्रोल पंप में बिक रहे थे। पुलिस ने 54 मैच टिकट बरामद किए हैं, जिनमें 33 ऐसे कॉम्प्लिमेंट्री पास हैं जिन पर नॉट फॉर सेल लिखा हुआ है।

टिकटों को दोगुनी कीमत पर बेचा जा रहा था

पकड़े गए आरोपियों की पहचान मुकीम (मुरादाबाद), गुफरान उर्फ साजिद (जामिया नगर) और मोहम्मद फैसल (सीलपुर) के रूप में हुई है। ये आरोपी मुफ्त पास को 20,000 प्रति पास की भारी-भरकम कीमत पर बेच रहे थे, जबकि सामान्य टिकटों को प्रिंट रेट से दोगुने दाम पर बेचा जा रहा था। संजीव कुमार यादव ने बताया कि आरोपियों को पुलिस रिमांड पर लिया गया है। इस सिंडिकेट में शामिल अन्य लोगों की पहचान के लिए जांच जारी है। अगर किसी और व्यक्ति की संलिप्तता पाई जाती है, तो उसके खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पूछताछ में खुलासा हुआ है कि यह गिरोह केवल दिल्ली ही नहीं, बल्कि पूरे भारत में सक्रिय था। आरोपी फ्लाइट से उन शहरों की यात्रा करते थे जहां मैच आयोजित होते थे।

आरोपी स्टेडियम के अंदर ऑनलाइन सट्टेबाजी (सट्टा) करने वालों और हाई-प्रोफाइल जेबकतरों को प्रीमियम टिकट मुहैया कराते थे। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि इन आरोपियों को भारी मात्रा में कॉम्प्लिमेंट्री पास कहाँ से और किसके जरिए मिल रहे थे।

मध्य प्रदेश हॉकी अकादमी के 10 खिलाड़ियों का भारतीय अंडर-18 टीम में चयन

भोपाल, 09 मई । भारत और आस्ट्रेलिया के बीच मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आयोजित होने वाली अंडर-18 हॉकी सीरीज के लिए भारतीय पुरुष एवं महिला टीमों की घोषणा कर दी गई है। इस प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला के लिए मध्य प्रदेश हॉकी अकादमी, भोपाल के कुल 10 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन हुआ है। खिलाड़ियों के चयन से प्रदेश में खुशी और गर्व का माहौल है।

इस संबंध में जनसंपर्क अधिकारी दुर्गेश रायकवार ने शनिवार को बताया कि भारतीय अंडर-18 पुरुष टीम में अकादमी के गोलकीपर आयुष रजक, डिफेंडर अंश बहुत्रा और करण गौतम, मिडफील्डर अवि माणिकपुरी तथा फॉरवर्ड खिलाड़ी सिद्धार्थ बेन और गाज़ी खान को स्थान मिला है। वहीं भारतीय अंडर-18 महिला टीम में अकादमी की प्रतिभाशाली खिलाड़ियों स्नेहा दावड़े, गोलकीपर महक परिहार, नम्मी गीताश्री और नौशीन नाज़ का चयन हुआ है। इन खिलाड़ियों के चयन से अकादमी में खुशी और उत्साह का माहौल है।

उन्होंने बताया कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अंडर-18 हॉकी सीरीज का आयोजन भोपाल में किया जाएगा। यह सीरीज 15 मई से 20 मई 2026 तक खेली जाएगी, जिसमें देश और विदेश के युवा खिलाड़ी अपना कौशल दिखाएंगे। घरेलू मैदान पर खेलने का अवसर मिलने से मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों का उत्साह और भी बढ़ गया है।

गौरतलब है कि मध्य प्रदेश हॉकी अकादमी लंबे समय से देश को प्रतिभाशाली खिलाड़ी देने का कार्य कर रही है। आधुनिक प्रशिक्षण, फिटनेस प्रबंधन और अनुभवी कोचिंग के कारण अकादमी के खिलाड़ी लगातार राष्ट्रीय टीम में जगह बना रहे हैं। एक साथ 10 खिलाड़ियों का भारतीय टीम में चयन अकादमी की मजबूत खेल संरचना और गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण का प्रमाण है।

प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने चयनित खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि खिलाड़ियों की मेहनत, प्रशिक्षकों को हर दिन एक निश्चित समय और स्थान की जानकारी साझा करनी होती है, ताकि उनका औचक परीक्षण किया जा सके।

इन दोनों खिलाड़ियों ने टेस्ट मिस होने का कोई ठोस कारण नहीं बताया, जिसके बाद नाडा ने और को इस बारे में सूचित कर दिया है। के एक सूत्र ने इसकी पुष्टि की है। उसने कहा-बोर्ड खिलाड़ियों से इस चूक की वजह पूछेगा।

सभी प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करना होगा के सूत्र ने कहा, क्रिकेट अब ओलिंपिक (2028) का हिस्सा है, इसलिए हमें सभी प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करना होगा। ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। फिलहाल यशस्वी में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल रहे हैं, जबकि शेफाली हाल ही में दक्षिण अफ्रीका दौरे से लौटी हैं। 3 बार डोप टेस्ट मिस करने पर बैन संभव नाडा के नियमों के अनुसार, अगर कोई एथलीट 12 महीने के भीतर तीन बार टेस्ट मिस करता है या अपनी लोकेशन की सही जानकारी नहीं देता है, तो इसे एंटी-डोपिंग नियमों का उल्लंघन माना जाता है। तीन बार की विफलता पर खिलाड़ी पर प्रतिबंध (सस्पेंशन) भी लग सकता है। यशस्वी और शेफाली के लिए यह पहली विफलता है, लेकिन भविष्य के लिए यह एक गंभीर चेतावनी है। अगर खिलाड़ी संतोषजनक जवाब देते हैं तो मामला चेतावनी तक सीमित रह सकता है।नाडा के टेस्टिंग पूल में 13 क्रिकेटर शामिल वर्तमान तिमाही के लिए नाडा के रजिस्टर्ड टेस्टिंग पूल में कुल 348 एथलीट हैं, जिनमें 13 भारतीय क्रिकेटर शामिल हैं।

राहुल तीन टीमों से 1000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज

नई दिल्ली, 09 मई। आईपीएल में 500 चौके पूरे; ठाीन के छक्के से बॉल गुमी; टॉप रिकॉर्ड्स-मोमेंट्स में शुक्रवार को कोलकाता नाइटराइडर्स ने दिल्ली कैपिटल्स को आठ विकेट से हराया। केएल राहुल ने तीन अलग-अलग टीमों के लिए 1000 रन पूरे कर इतिहास रचा। उनके में 500 चौके भी पूरे हुए। दूसरी ओर कैमरन ठाीन के 94 मीटर लंबे छक्के से बॉल गुम हो गई।

दिल्ली-कोलकाता मैच के टॉप रिकॉर्ड्स

केएल राहुल के दिल्ली के लिए एक हजार रन पूरे विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल ने दिल्ली कैपिटल्स के लिए 1,000 रन पूरे किए। राहुल इतिहास में 3 टीमों से 1,000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बने। मैच में वे 14 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए। केएल राहुल के 500 चौके पूरे केएल राहुल ने कोलकाता के खिलाफ चार चौके लगाए और में 500 चौके पूरे किए। में सबसे ज्यादा 813 चौके विराट कोहली ने लगाए हैं। शिखर धवन 768 चौकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। डेविड वॉर्नर ने 663 और रोहित शर्मा ने 659 चौके लगाए हैं। अजिंक्य रहाणे 526 चौकों के साथ पांचवें और सुरेश रैना 506 चौकों के साथ छठे स्थान पर हैं। राहुल 500 चौकों के साथ सातवें स्थान पर हैं।एलन ने कोलकाता के लिए सबसे तेज शतक लगाया दिल्ली के खिलाफ कोलकाता के ओपनर फिन एलन ने 47 गेंदों में शतक लगाया। वे कोलकाता के लिए सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने। यह उनके करियर का पहला शतक रहा। वे कोलकाता के लिए में शतक लगाने वाले चौथे बल्लेबाज हैं।

वार्ड हेलेट इनविटेशनल टूर्नामेंटः पुरुष हाई जंप में दूसरे स्थान पर रहे तेजस्विन शंकर

नई दिल्ली, 09 मई । भारत के राष्ट्रीय हाई जंप रिकॉर्डधारी तेजस्विन शंकर ने अमेरिका के मैनहैटन स्थित आरवी क्रिश्चियन ट्रैक पर आयोजित वार्ड हेलेट इनविटेशनल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष हाई जंप स्पर्धा में दूसरा स्थान हासिल किया।

डेकाथलॉन खिलाड़ी भी रहे तेजस्विन शंकर ने 2.24 मीटर की छलांग लगाई। हालांकि जमैका के रोमेइन बेकफोर्ड 2.30 मीटर की छलांग के साथ पहले स्थान पर रहे।

खास बात यह रही कि रोमेइन बेकफोर्ड ने तेजस्विन शंकर का 2021 में बनाया गया 2.28 मीटर का फसिलिटी रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। इस साल की शुरुआत में तेजस्विन शंकर ने चीन में आयोजित एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 में हेप्टाथलॉन राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ते हुए भारत को एकमात्र स्वर्ण पदक दिलाया था।

ओपनर यशस्वी और शेफाली ने डोप टेस्ट मिस किया:नाडा ने नोटिस जारी किया, जवाब मांगा; बोर्ड प्लेयर्स से वजह पूछेगा

नई दिल्ली, 09 मई। भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल और शेफाली वर्मा को नेशनल डोपिंग रोधी एजेंसी ने पिछले साल डोप टेस्ट के लिए उपलब्ध न रहने पर नोटिस जारी किया है। प्लेयर्स ने नाडा को अपनी लोकेशन की जानकारी नहीं दी थी। यह इन प्लेयर्स का पहला वेयरअबाउट्स फेलियर है।

यशस्वी-शेफाली नाडा के रजिस्टर्ड टेस्टिंग पूल का हिस्सा हैं। नियम के मुताबिक इस पूल में शामिल खिलाड़ियों

फीफा वर्ल्ड कप 2026: लियोनेल मेसी बोले- अर्जेंटीना खिताब बचाने का दावेदार, लेकिन फ्रांस और स्पेन ज्यादा मजबूत

नई दिल्ली, 09 मई ।अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने कहा है कि उनकी टीम लगातार दूसरी बार फीफा वर्ल्ड कप जीतने का सपना जरूर देख सकती है, लेकिन मौजूदा समय में फ्रांस और स्पेन जैसी टीमें बेहतर फॉर्म में हैं।

यूट्यूब पर होस्ट पोलो अल्वारेज़ को दिए इंटरव्यू में मेसी ने कहा,हमारी टीम में कई खिलाड़ी चोट या मैच फिटनेस की समस्या से जूझ रहे हैं, लेकिन जब पूरा ग्रुप साथ आता है तो उसने हमेशा साबित किया है कि वह मुकाबला करना और जीतना जानता है। हालांकि मेसी ने माना कि आगामी विश्व कप में प्रतिस्पर्धा बेहद कठिन रहने वाली है। उन्होंने कहा,फ्रांस इस समय शानदार फॉर्म में है। उनके पास विश्व स्तरीय खिलाड़ियों की भरमार है। गौरतलब है कि अर्जेंटीना ने कतर में खेले गए फीफा वर्ल्ड कप 2022 के फाइनल में फ्रांस को हराकर खिताब जीता था। मेसी ने स्पेन और ब्राजील को भी मजबूत दावेदार बताया।

आईपीएल 2026 : ऑरेंज और पर्पल कैप की जंग तेज, सूर्यवंशी, रबाडा और आर्चर पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली, 09 मई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में ऑरेंज और पर्पल कैप की रेस रोमांचक होती जा रही है।

शुक्रवार को कोलकाता नाइट राइडर्स ने दिल्ली कैपिटल्स को हराया, जिसके बाद दोनों सूची में कुछ खिलाड़ियों की स्थिति और मजबूत हुई, जबकि शनिवार को राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटंस के मुकाबले में कई बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन 494 रन के साथ बने हुए हैं। उनके पीछे अभिषेक शर्मा 475 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। दिल्ली कैपिटल्स के केएल राहुल ने कोलकाता के खिलाफ 23 रन की पारी खेलकर अपना कुल स्कोर 468 तक पहुंचा दिया और तीसरे स्थान पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली।

शनिवार के मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज़ वैभव सूर्यवंशी पर सभी की नजरें रहेंगी। सूर्यवंशी अब तक 404 रन बनाकर पांचवें स्थान पर हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज़ बी साई सुदर्शन 385 रन के साथ सातवें और शुभमन गिल 378 रन के साथ दसवें स्थान पर मौजूद हैं।

दूसरी ओर पर्पल कैप की रेस में भी मुकाबला बेहद दिलचस्प बना हुआ है। कोलकाता नाइट राइडर्स के तेज गेंदबाज़ कार्तिक त्यागी ने दिल्ली के खिलाफ दो विकेट लेकर अपनी विकेट संख्या 13 तक पहुंचा दी। पिछले चार मैचों में वह आठ विकेट ले चुके हैं।

हालांकि शीर्ष पांच में कोई बदलाव नहीं हुआ है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार और चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कंबोज 17-17 विकेट लेकर क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर हैं। इकॉनमी रेट के आधार पर भुवनेश्वर आगे हैं।

उनके पीछे प्रिंस यादव, कगिसो रबाडा और ईशान मलिंगा 16-16 विकेट के साथ मौजूद हैं।

शनिवार को गुजरात टाइटंस के कगिसो रबाडा पर खास नजर रहेगी। रबाडा ने पिछले छह मैचों में 12 विकेट हासिल किए हैं और यदि वह अपनी लय बरकरार रखते हैं तो पर्पल कैप उनके सिर सज सकती है।

वहीं राजस्थान रॉयल्स के जोफ्रा आर्चर भी इस दौड़ में मजबूती से बने हुए हैं। उनके नाम 15 विकेट हैं और वह शीर्ष खिलाड़ियों से ज्यादा पीछे नहीं हैं।

जोधपुर में एमडी ड्रग बनाने के कारोबार का पर्दाफाश, पांच लोग गिरफ्तार

4 ड्रमों में 110 लीटर केमिकल, 28 ग्राम अफीम दूध, कार व अन्य सामग्री बरामद

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट की जिला पश्चिम पुलिस ने झालामंड स्थित रामदेव नगर में नशे के कारोबार का भंडाफोड़ करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उक्त जगह से 4 ड्रमों में 110 लीटर केमिकल, 28 ग्राम अफीम दूध व अन्य सामग्री बरामद की है। पकड़े गए आरोपियों को कोर्ट में पेश कर पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। कितने समय से गोरखधंधा चल रहा था, पुलिस अब इसमें पड़ताल में जुटी है। केमिकल कब और कहां से लाया गया इसके बारे में भी पता लगाया जा रहा है।

पुलिस आयुक्त शरत कविराज व पुलिस उपायुक्त पश्चिम कमल शेखावत के निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त नीरज शर्मा, सहायक पुलिस आयुक्त वृत्त बोरानाडा आनंदसिंह राजपुरोहित के निकट सुपरविजन में पुलिस थाना कुड़ी थाना प्रभारी सहदेव मय टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। कुड़ी भगतासनी क्षेत्र में गुरूवार को एरिया डोमिनेशन अभियान चलाया गया था। तब पुलिस ने हरिगढ़ रिसोर्ट रोड़ स्थित रामदेव विहार सरहद झालामण्ड में कम आबादी क्षेत्र में एक मकान के बाहर खड़े संदिग्ध वाहनों की तलाशी के लिए पहुंच कर एक घर की तलाशी ली। घर के अंदर ओमप्रकाष पुत्र हरीराम विश्नोई निवासी गांव मोखातरा पुलिस थाना करड़ा जिला

- आरोपियों को कोर्ट में पेश कर पुलिस अभिरक्षा में लिया गया

जालोर, अनिल पुत्र भभुताराम जाति विश्नोई निवासी गांव मोखातरा पुलिस थाना करड़ा जिला जालोर, कुलदीप पुत्र बाबुलाल विश्नोई निवासी गांव पूनासा पुलिस थाना भीनमाल जिला जालोर , रामनिवास पुत्र पूनमाराम विश्नोई निवासी गांव फागलिया पुलिस थाना बागासर जिला बाड़मेर एवं संदीप कुमार पुत्र गणपतलाल विश्नोई निवासी गांव कोटड़ा पुलिस थाना करड़ा जिला जालोर मिले। इनकी एवं वाहनों की तलाशी ली गयी तो एक फॉर्च्यूनर गाड़ी व एक बिना नंबरी कार की एवं जांच के दौरान फोर्च्यूनर गाड़ी के पीछे डिक्की में एक कागज के गते में लोहे का ड्रम भरा हुआ जिस पर एक्टोन 25 लीटर, दूसरा ड्रम प्लास्टिक की पन्नी में ड्रम पर टूलुने सल्फर फ्री 25 लीटर, तीसरा ड्रम प्लास्टिक के कट्टे में पैक, जिसके नीचे ब्रमो-2 लिखा हुआ है। चौथे ड्रम जो प्लास्टिक पन्नी में पर टूलुने सल्फर फ्री 25 लीटर लिपटा हुआ शीलबंद ढक्कन जिसमें तरल पदार्थ टूलुने सल्फर फ्री 25 लीटर लिखा मिला। गाड़ी की सीट पर रखा कार्टन को खोलकर देखा तो उसके अंदर दो काले रंग के प्लास्टिक के जरीकन तरल पदार्थ से भरे हुए शीलबंद ढक्कन प्रत्येक जरीकन पर हाइड्रोक्लोरिक एसिड लीटर कुछ नंबर लिखे मिले। इस पर सभी को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के अनुसार वहां से फॉरचुनर कार के साथ एक कीया कार, 28 ग्राम अफीम का दूध, 16 टर्माडोल टेबलेट दो फर्जी नंबर प्लेट के साथ एक प्लास्टिक की सफेद पाइप, एक हैण्डलनुमा नोजल हैंडपंप और लोहे का कीमा मिला। पुलिस टीम में डीएसटी प्रभारी एसआई महेंद्र कुमार, कुड़ी थाने के एएसआई तनसुख, भंवरलाल, साइबर सैल के हैडकांस्टेबल प्रेम चौधरी, कांस्टेबल अशोक, धीरज एवं अमराराम आदि शामिल रहे।

भारत-पाक सीमा पर ड्रोन और एंटी ड्रोन यूनिट्स सक्रिय

स्पेशल ऑपरेशन में ये ड्रोन टुकड़ी आसमान से भैरव बटालियन के साथ शामिल होगी

जैसलमेर, (निसं)। भारत-पाकिस्तान सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था लगातार मजबूत की जा रही है। हाल की रिपोर्टों के मुताबिक सीमा पर अतिरिक्त जवानों की तैनाती के साथ-साथ ड्रोन और एंटी ड्रोन यूनिट्स को भी सक्रिय किया गया है, ताकि घुसपैठ, हथियारों की तस्करी और संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत नजर रखी जा सके।

सीमा सुरक्षा बल ने पश्चिमी सीमा क्षेत्रों में विशेष ड्रोन स्क्वाड्रन और हाईटेक निगरानी सिस्टम लगाने की तैयारी तेज की है। रिपोर्टों के अनुसार ये टीमें निगरानी, रियल टाइम ट्रैकिंग और संदिग्ध ड्रोन को निष्क्रिय करने जैसे काम करेंगी। सीमा पर पहले भी पाकिस्तानी ड्रोन देखे जाने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, खासकर राजस्थान

- घुसपैठ, हथियारों की तस्करी और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा सकेगी

के जैसलमेर, गंगानगर,बाड़मेर, बीकानेर सेक्टर में हो रही है इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने एंटी ड्रोन सिस्टम, थर्मल इमेजर और रडार निगरानी को और मजबूत किया है। राजस्थान से सटी भारत-पाकिस्तान सीमा की सुरक्षा का चक्रव्यूह अब पूरी तरह बदल गया है। सरहद पर अब भैरव बटालियन के साथ अशनी ड्रोन प्लाटून को तैनात किया गया है। यह नई जुगलबंदी न सिर्फ जासूसी करेगी, बल्कि जरूरत पड़ने पर दुश्मन के ठिकानों को तबाह भी कर देगी। भारतीय सेना का लक्ष्य 2027 तक देश की सभी 350 से ज्यादा इन्फैंट्री बटालियनों को इसी तरह हाई-टेक ड्रोन वॉरियर बनाने का है। बटालियन के साथ तैनात ये वेपन ड्रोन 24 घंटे बॉर्डर की निगरानी करेंगे। खास बात यह है कि स्पेशल ऑपरेशन में ये ड्रोन टुकड़ी आसमान से भैरव बटालियन के साथ शामिल होगी। इन ड्रोन्स को सैनिकों की विशेष टुकड़ी ऑपरेट करेगी। हर टुकड़ी में 25 ट्रेंड जवान हैं, जो अंधेरे और हर तरह के मौसम में भैरव फोर्स को ये ड्रोन प्लाटून प्रोटेक्ट करेंगे। अब दुश्मन को टारगेट कर खत्म करना आसान होगा, और पैदल सेना के लिए खतरा कम होगा।

उदयपुर में महिला पर हमला करने वाला लैपर्ड पिंजरे में कैद हुआ

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के उपली बड़ी क्षेत्र में लगाए गए पिंजरे में आखिरकार लैपर्ड कैद हो गया। लैपर्ड को रेस्क्यू कर सज्जनगढ़ अभयारण्य शिफ्ट किया गया।

जानकारी के अनुसार लैपर्ड के कारण पिछले 5 दिनों से ग्रामीणों में भय व्याप्त था। लैपर्ड ने 5 दिन पहले गमेती बस्ती निवासी भूरी बाई (52) पत्नी बंशीलाल गमेती रात को अपने कच्चे घर से बाहर आंगन की ओर निकली थी। इस दौरान अंधेरे में घात लगाए बैठे लैपर्ड ने उन पर झपट्टा मार दिया। लैपर्ड ने महिला के चेहरे और गर्दन पर हमला

- वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू कर लैपर्ड को सज्जनगढ़ अभयारण्य भेजा

करते हुए अपने दांत गड़ा दिए। अचानक हुए हमले के बावजूद महिला ने हिम्मत दिखाते हुए चिल्लाना शुरू कर दिया। उनकी आवाज सुनकर लैपर्ड घबरा गया और पास के जंगल की ओर भाग गया। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे तुरंत हॉस्पिटल ले जाया गया लेकिन मौत हो गई थी। घटना के बाद से ही बड़ी और आसपास के इलाकों में दहशत थी। ग्रामीण वन विभाग की सुस्त कार्य प्रणाली से नाराज थे। लोगों का कहना था कि विभाग किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहा है। ग्रामीणों के भारी दबाव और विरोध के बाद वन विभाग की टीम ने इलाके में पिंजरा लगाया। हालांकि अब भी दहशत कम नहीं हुई है, लेकिन विभाग के अधिकारियों ने अब भी लोगों से अपील की है कि वे सतर्क रहें। खासकर जंगल से सटे आबादी वाले इलाकों में रात के समय अकेले बाहर न निकलें और सावधानी बरतें।

डॉक्टर के कमरे में चोरी

जोधपुर, (कासं)। मथुरादास माथुर अस्पताल परिसर स्थित फैमिली पीजी हॉस्टल में रेजीडेंट डॉक्टर के कमरे में चोरी हो गई। अज्ञात शख्स कमरे से सोने का ब्रेसलेट और कॉइन चोरी कर ले गया। शास्त्री नगर पुलिस ने बताया कि डॉ. रवि कुमार मैनावत एमडीएम अस्पताल के ऑर्थो वार्ड में तृतीय वर्ष के रेजीडेंट डॉक्टर है। 10 अप्रैल को सुबह करीब 8 बजे ड्यूटी पर अस्पताल गए थे। रात करीब 10 बजे जब वापस हॉस्टल स्थित अपने कमरे में पहुंचे तो कमरे का दरवाजा खुला मिला और सामान बिखरा पड़ा था। किसी चोर ने 15.689 ग्राम वजनी सोने का ब्रेसलेट, 0.5 ग्राम का सोने का सिक्का और 2500 रुपए नकद गायब मिले।

अजमेर : मोबाइल नहीं मिलने पर 13 वर्षीय छात्र ने आत्महत्या की

अजमेर, (निसं)। बच्चों में बढ़ती मोबाइल की लत अब गंभीर और चिंताजनक रूप लेने लगी है। अजमेर के आदर्श नगर थाना क्षेत्र में एक हृदय विदारक घटना सामने आई है, जहां मोबाइल नहीं मिलने से नाराज 13 वर्षीय छात्र ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है।

- घटना के समय घर में बालक की दादी, बड़ा भाई और अन्य सदस्य मौजूद थे, जबकि माता-पिता नौकरी पर गए हुए थे
- बड़े भाई ने मोबाइल देने से मना कर दिया तो नाराज छोटा भाई कमरे में चला गया और अंदर से दरवाजा बंद कर बेल्ट के फंदे से फांसी लगा ली

आदर्श नगर थाना प्रभारी छोटूलाल ने बताया कि मृतक बालक कक्षा आठवीं का छात्र था। उसका बड़ा भाई, जिसने हाल ही में दसवीं कक्षा उत्तीर्ण की थी, छुट्टियों में घर आया हुआ था। उसके पास स्मार्टफोन था, जिस पर छोटा भाई वीडियो देख रहा था। इसी दौरान बड़े भाई के मित्र का फोन आने पर वह अपना मोबाइल लेकर जाने लगा। छोटे भाई ने मोबाइल वापस मांगा, लेकिन बड़े भाई ने मना कर दिया। मोबाइल नहीं मिलने से नाराज बालक अपने कमरे में चला गया और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। करीब 20 मिनट बाद जब बड़ा भाई उसे देखने पहुंचा तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। संदेह होने पर उसने नीचे से झांककर देखा तो बालक बेल्ट के फंदे से लटका हुआ था। यह दृश्य देखकर परिवार के लोगों के होश उड़ गए। घटना के समय घर में बालक की दादी, बड़ा भाई और अन्य सदस्य मौजूद थे, जबकि माता-पिता नौकरी पर गए हुए थे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर पंचनामा कार्रवाई की। शनिवार को मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

पुलिस ने परिवार के सदस्यों से अलग-अलग पूछताछ की है और मामले की गहन जांच की जा रही है। घटना ने समाज को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि डिजिटल उपकरणों की बढ़ती निर्भरता बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर कितना गहरा असर डाल रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि अभिभावकों को बच्चों के व्यवहार, भावनात्मक स्थिति और मोबाइल उपयोग पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

भिवाड़ी में केमिकल फैक्टरी के श्रमिकों ने मांगों को लेकर प्रदर्शन किया

अलवर, (निसं)। भिवाड़ी के यूआईटी फेस थर्ड औद्योगिक क्षेत्र स्थित अजंता केमिकल्स फैक्टरी में शनिवार को लगभग 200 श्रमिकों ने धरना प्रदर्शन किया। श्रमिकों ने वेतन वृद्धि, शुद्ध पेयजल और अन्य सुविधाओं की मांग को लेकर कंपनी गेट पर नारेबाजी की और मैनेजमेंट को एक लिखित ज्ञापन सौंपा।

श्रमिकों का कहना है कि उन्हें 8 घंटे की ड्यूटी के लिए 11,000 रुपए वेतन दिया जा रहा है, जो बढ़ती महंगाई में परिवार के गुजारे के लिए अपर्याप्त है। उन्होंने न्यूनतम 17,000 से 20,000

- वेतन और सुविधाएं बढ़ाने की मांग की, कंपनी ने पांच दिन का समय मांगा

रुपए मासिक वेतन, ओवरटाइम पर दोगुनी दर और काम के बाद नहाने की उचित व्यवस्था की मांग की है। श्रमिक ने बताया कि वह 8 साल से कंपनी में कार्यरत हैं, लेकिन 11,000 रुपए में परिवार का पालन-पोषण मुश्किल हो रहा है। उन्होंने गैस, कमरे के किराए और बच्चों की फीस का हवाला देते हुए 20,000 रुपए तक वेतन की मांग की। महिला कर्मचारी ज्योति ने भी बच्चों की पढ़ाई और घर खर्च चलाने में आ रही कठिनाइयों का जिक्र करते हुए कम से कम 17-18 हजार रुपए वेतन की आवश्यकता बताई। श्रमिकों ने भोजन भत्ता न मिलने की शिकायत की और बताया कि कंपनी 11 घंटे की ड्यूटी के लिए भी केवल 15,419 रुपए दे रही है। श्रमिक रूप राज ने चेतावनी दी कि जब तक उनकी वेतन वृद्धि और अन्य मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक कोई भी कार्यकर्ता काम पर नहीं जाएगा।

कंपनी के प्लांट हेड संजीव कुमार ने इस संबंध में बताया कि कंपनी न्यूनतम मजदूरी से अधिक वेतन दे रही है। उन्होंने कहा कि पीने के शुद्ध पानी, नहाने की व्यवस्था, ओवरटाइम और सुरक्षा से संबंधित लगभग सभी मांगों को स्वीकार कर लिया गया है। वेतन वृद्धि के मामले पर संजीव कुमार ने कहा कि बढ़ोतरी सरकार के निर्देशानुसार ही की जाएगी और हर वर्ष नियमित रूप से वेतन में वृद्धि की जाती है। उन्होंने श्रमिकों से 5 दिन का समय मांगा है।

सड़क दुर्घटना के मामले में अभियुक्त दोषमुक्त

भीलवाड़ा, (निसं)। न्यायालय अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-2, भीलवाड़ा ने वर्ष 2014 के एक सड़क दुर्घटना मामले में अभियुक्त सोनू स्वर्णकार को संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त करने का आदेश जारी किया है। इस मामले में अभियुक्त की ओर से एडवोकेट मुकेश सुवालका ने पैरवी की।

प्रकरण के अनुसार, 30 मार्च 2014 को पुलिस लाइन भीलवाड़ा में ड्यूटी पर तैनात कांस्टेबल कस्तूरमल मीणा के साथ एक मोटरसाइकिल द्वारा

- न्यायालय ने पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों और एडवोकेट की दलीलों से सहमत होते हुए माना कि अभियुक्त के विरुद्ध अपराध संदेह से परे प्रमाणित नहीं होता है

दुर्घटना हुई थी, जिसमें उन्हें गंभीर चोटें आई थीं।

पुलिस ने अनुसंधान के बाद सोनू स्वर्णकार के विरुद्ध कई धाराओं के तहत न्यायालय में आरोप पत्र पेश किया था। सुनवाई के दौरान अभियुक्त के अधिवक्ता मुकेश सुवालका ने न्यायालय के समक्ष तर्क दिया कि अभियोजन पक्ष यह साबित करने में पूरी तरह विफल रहा है कि दुर्घटना के समय वाहन अभियुक्त सोनू स्वर्णकार ही चला रहा था। उन्होंने जिरह के दौरान गवाहों के बयानों में विरोधाभास उजागर करते हुए बताया कि चश्मदीद गवाहों ने भी अभियुक्त को मौके पर वाहन चलाते हुए नहीं देखा था। न्यायालय ने पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों और एडवोकेट मुकेश सुवालका की दलीलों से सहमत होते हुए माना कि अभियुक्त के विरुद्ध अपराध संदेह से परे प्रमाणित नहीं होता है। इसी आधार पर न्यायालय ने अभियुक्त सोनू स्वर्णकार को सभी आरोपों से दोषमुक्त घोषित कर दिया है।

पावटा में ट्रेलर की चपेट में आने से महिला की मौत

पावटा, (निसं)। दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-48 पर भाबरू पुलिया के पास शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में महिला की मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई तथा हाईवे पर लंबा जाम लग गया। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। जानकारी के अनुसार मृतका की पहचान भाबरू निवासी फूली देवी पत्नी कल्याण गुर्जर निवासी ढाणी मुक्ताला तन भाबरु के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि महिला हाईवे पार कर रही थी। इसी दौरान दिल्ली की तरफ से तेज गति से आ रहे ट्रेलर ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही भाबरू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। जहां पोस्टमार्टम के बाद मृतका का शव परिजनों को सौंप दिया गया। वहीं दुर्घटना के बाद ट्रेलर चालक मौके से फरार हो गया, जबकि पुलिस ने ट्रेलर को जब्त कर लिया है। घटना के बाद हाईवे पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद यातायात को सुचारू करवाया। हादसे से गांव में शोक की लहर छा गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

डोडा-पोस्त जब्त, तीन आरोपी गिरफ्तार

नाल, (निसं)। पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन नीलकंठ' के तहत बड़ी कार्रवाई की है। नाल थाना पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 2.656 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्त बरामद किया है।

यह कार्रवाई आईजी ओमप्रकाश और एसपी मृदुल कच्छावा के निर्देशन में की गई। एएसपी चक्रवर्ती सिंह राठौड़ और सीओ गंगाशहर हिमांशु शर्मा के सुपरविजन में थाना नाल प्रभारी विकास बिश्नोई की टीम ने इसे अंजाम दिया। पुलिस टीम गश्त कर रही थी, तभी संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर तीन युवकों को रोका गया। तलाशी लेने पर उनके पास से अवैध डोडा-पोस्त मिला, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पंजाब के बठिंडा जिले के निवासी हरजिन्द्र सिंह, गुरविन्द्र सिंह और कृष्ण सिंह के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी हरजिन्द्र सिंह के खिलाफ पंजाब में पहले से ही दर्जनभर मामले दर्ज हैं।

जमीन से धन निकालने का झांसा देकर 15 लाख की ठगी

जोधपुर ग्रामीण पुलिस ने ने 24 घंटे में कथित तांत्रिक को पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर ग्रामीण पुलिस ने जमीन में गड़ा धन निकालने का झांसा देकर करीब 15 लाख रुपए की ठगी करने वाले एक तांत्रिक को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार किया है। खेड़ापा पुलिस थाना में दर्ज मामले में यह कार्रवाई की गई। गिरफ्तार आरोपी बोरुंदा निवासी उम्मेद जोशी उर्फ दीपक जोशी है। वर्तमान में वह जोधपुर के महामंदिर थाना क्षेत्र स्थित शक्ति नगर में किराए पर रहता है।

- गिरफ्तार आरोपी बोरुंदा निवासी उम्मेद जोशी उर्फ दीपक जोशी है, वर्तमान में वह जोधपुर के महामंदिर थाना क्षेत्र स्थित शक्ति नगर में किराए पर रहता है

पुलिस के अनुसार 6 मई को बावड़ी निवासी भगवानराम ने खेड़ापा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। प्रार्थी ने बताया कि करीब दो महीने पहले उसे मां दित्या ज्योतिष का एक पेंपलेट मिला था, जिसमें घर और व्यापार संबंधी समस्याओं के समाधान का दावा किया गया था। भगवानराम अपने एक साथी के साथ जोधपुर स्थित बाबा के कार्यालय गया, जहां कथित तांत्रिक ने उसकी कुंडली देखकर बताया कि उसके घर में काफी सोना गड़ा है, जिसे वह निकाल सकता है। इसके बदले में तांत्रिक ने 15 लाख रुपये की मांग की। प्रार्थी ने बाबा के खाते में और नकद मिलाकर कुल 14,52,320 रुपए दिए। गत नौ अप्रैल को कथित तांत्रिक भगवानराम के घर आया। उसने एक गड्ढा खोदकर प्रार्थी, उसके परिजनों और साथियों को नजरबंद कर दिया। इसके बाद तांबे जैसी धातु का एक कलश दिखाकर उसे सोना बताया और घर में रखवा दिया। साथ ही, एक कृत्रिम सांप दिखाकर प्रार्थी को मृत्यु का भय दिखाकर पैसे हड़प लिए।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक पीडी नित्या ने बताया कि आरोपी की तलाश करने हेतु एक विशेष टीम का गठन किया गया था। आरोपी के पास कई आधार कार्ड भिन्न-भिन्न स्थानों के पाए गए। जिससे ज्ञात हुआ कि आरोपी ने अपनी सही पहचान भी किसी को ज्ञात नहीं होने दी। तांत्रिक के खिलाफ ऐसा ही एक प्रकरण पुलिस थाना अम्बामाता जिला उदयपुर में भी दर्ज है।

भीलवाड़ा के जोजवा गांव में लुटेरी दुल्हन जेवर-नकदी लेकर फरार

पीड़ित ने दलाल सहित ससुराल पक्ष पर साजिश का आरोप लगाया

माण्डलगढ़/भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा जिले के बीगोद थाना क्षेत्र के जोजवा गांव में लुटेरी दुल्हन गिरोह का मामला सामने आया है। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि एक दलाल ने एक लाख रुपये लेकर युवक की शादी कराई, लेकिन शादी के महज तीन दिन बाद ही दुल्हन घर से सोने-चांदी के जेवर और करीब 3 लाख रुपये की नकदी लेकर फरार हो गई। इस मामले को लेकर 2 बार बीगोद थाने में शिकायत की, लेकिन मामला ही दर्ज नहीं किया गया। अब परेशान होकर पीड़ित ने कोर्ट के इस्तगासे के जरिए थाने में 7 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

जोजवा निवासी पीड़ित अम्बानी जाट ने रिपोर्ट में आरोप लगाया कि यह पूरी वारदात सुनियोजित साजिश का हिस्सा है, जिसमें दलाल के साथ-साथ दुल्हन के कथित परिजन और ससुराल पक्ष के कुछ लोग भी शामिल हैं। आरोप है कि शादी के नाम पर पहले युवक अम्बानी और उसके परिवार को भरोसे में लिया गया, फिर मौका मिलते ही दुल्हन घर में रखे कीमती जेवर और नकदी समेटकर फरार हो गई। पीड़ित युवक ने बताया कि आरोपी दलाल माण्डलगढ़ थाना क्षेत्र के गणेशपुरा निवासी कालूलाल धाकड़ ने एक लाख की दलाली राशि लेकर मानपुरा निवासी खुशी जाट के साथ शादी का रिश्ता तय कराया। 27 फरवरी 2025 को आयोजित हुई शादी के दौरान पीड़ित ने 3 तोला सोने के जेवर, करीब 1 किलो चांदी के जेवर, 3 लाख की नकदी और शादी में ससुराल पक्ष के प्रतिभोज के लिए 1 लाख 60 हजार की खाद्य सामग्री दी गई। शादी सम्पन्न होने के बाद दुल्हन खुशी जाट तीन दिन तक ससुराल में रही और परिवार का विश्वास जीतने के बाद वारदात को अंजाम दिया। जब परिजनों को नकदी और जेवर गायब मिले तो दुल्हन भी घर से लापता मिली। इसके बाद दलाल और दुल्हन पक्ष से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन सभी के फोन बंद मिले। पीड़ित युवक जब अपने ससुराल मानपुरा नई नवेली दुल्हन को ढूंढने गया तो किसी अन्य लड़के के साथ भाग जाने की बात सामने आई। उधर दुल्हन के पिता ने 6 मार्च 2026 बेटी की गुमशुदगी माण्डलगढ़ थाने में दर्ज कराई।

इस मामले को लेकर पीड़ित युवक ने बताया कि गत 19 जनवरी को आवा रामपुरा निवासी मोनू जाट और अन्य 3-4 जनों ने त्रिवेणी चौराहे पर उसे रोककर धमकी दी कि खुशी जाट को तलाक दे देना नहीं तो जान से मार देंगे। उधर पीड़ित युवक के ससुराल वालों ने भी धमकी दी कि शादी में दिए गए सोने चाँदी के जेवर, नकदी को हड़प लिया गया है और पुलिस में शिकायत की तो अंजाम बुरा होगा। इस मामले में पीड़ित युवक ने भीलवाड़ा एसपी ओर बीगोद थाने में 7 अप्रैल 2026 को आरोपियों के विरुद्ध शिकायत पेश की। लेकिन आरोप है कि पुलिस ने रिपोर्ट को दर्ज ही नहीं किया। इससे परिवार में भारी रोष एवं आक्रोश पनप गया है। पीड़ित युवक को ससुराल वालों से मिल रही लगातार धमकियों ओर दलाल की दबंगई से परेशान होकर पीड़ित ने माण्डलगढ़ न्यायालय में एडवोकेट निहाल सेन के जरिए परिवाद दर्ज कराया। तब जाकर न्यायालय के आदेश पर 5 मई को बीगोद थाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया हैं। पीड़ित ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दलाल, दुल्हन और पूरे गिरोह के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बीगोद थाना प्रभारी जय सुल्तान ने बताया कि जोजवा निवासी अम्बानी जाट का परिवाद कोर्ट से मिलने पर आरोपी मानपुरा निवासी खुशी जाट (दुल्हन) इसकी माता हीरा देवी जाट, रायसिंह पुरा निवासी मुकेश जाट, टोंक जिले के रामपुरा के मोनू जाट और मानपुरा के धर्मराज के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर अनुसन्धान किया जा रहा हैं। क्षेत्र में इस घटना के बाद शादी के नाम पर सक्रिय ठगी गिरोहों को लेकर लोगों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से ऐसे गिरोहों पर लगाम लगाने की मांग की है।

आठ किलो डोडा-पोस्त के साथ तस्कर को पकड़ा

बज्जू, (निसं)। पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के फरार आरोपी को 8 किलो 150 ग्राम डोडा-पोस्त के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी विकास चक 3 बीजेएम बज्जू को उसके खेत-ढाणी से पकड़ा गया। वह मादक पदार्थ तस्करी के टॉप-टेन अपराधियों में शुमार है।

- पकड़ा गया तस्कर टॉप-टेन अपराधियों में शुमार है

थानाधिकारी जगदीश पांडर ने बताया कि कार्रवाई पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा के निर्देश पर अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम और नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान 'ऑपरेशन नीलकण्ठ' के तहत की गई। इसके साथ ही संगीन और गंभीर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे तीन दिवसीय राज्य स्तरीय विशेष अभियान का भी हिस्सा थी। आरोपी विकास के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। इस मामले की जांच रणजीतपुरा थानाधिकारी लक्ष्मणसिंह राठौड़ कर रहे हैं। विकास पहले भी 15 किलो 220 ग्राम अवैध डोडा-पोस्त तस्करी के एक अन्य मामले में फरार चल रहा था।

टोंक में स्मैक के साथ आरोपी गिफ्तार

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार के निर्देशन में जिला स्पेशल टीम व नासिरदा पुलिस टीम ने क्षेत्र में नशा तस्करी करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से स्मैक और भारी मात्रा में नकदी बरामद की गई।

पुलिस जानकारी के अनुसार टीम द्वारा क्षेत्र में गश्त के दौरान संदिग्ध गतिविधियों के चलते नासिरदा के हिसामपुर रोड स्थित एक छात्रावास के पास एक संदिग्ध व्यक्ति से पूछताछ के बाद तलाशी लेने पर आरोपी विक्रम पुत्र बहादुर सांसी निवासी सांसी बस्ती नासिरदा के पास से 10.17 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की गई। बरामद स्मैक की बाजार कीमत करीब 2 लाख रुपये आंकी गई है। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 1 लाख 20 हजार रुपये नकद भी बरामद किए गए है।

पुलिस का मानना है कि यह राशि मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त से संबंधित हो सकती है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ थाना नासिरदा में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारम्भ किया गया। पुलिस ने बताया कि पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी स्मैक कहां से लाता था और किन लोगों तक इसकी सप्लाई की जाती थी। साथ ही इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश की जा रही है।

सड़क हादसे में चालक घायल

पावटा, (निसं)। नेशनल हाईवे 48 पर बागावास पुलिया के पास शुक्रवार देर रात एक कैंटर सड़क किनारे खराब खड़े मार्बल से भरे ट्रेलर से टकरा गई। हादसे में कैंटर चालक अशोक कुमार घायल हो गया, जिसे आसपास मौजूद लोगों ने बाहर निकालकर उपचार के लिए उपजिला अस्पताल पहुंचाया पहुंचाया। जहां उसकी हालत को देखते हुए जिला अस्पताल कोटपुतली रेफर कर दिया गया।

ट्रेलर तकनीकी खराबी के चलते पुलिया के पास खड़ा था। इसी दौरान चालक को नींद की झपकी आने के कारण तेज रफ्तार कैंटर पीछे से ट्रेलर में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कैंटर का आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि हाईवे पर खराब वाहन खड़े होने से लगातार हादसों का खतरा बना रहता है।

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

सोमनाथ
अनंत ऊर्जा का अनुभव

सोमलिङ्गं नरो दृष्ट्वा सर्वपापैः प्रमुच्यते।
लभते फलं मनोवाञ्छितं मृतः स्वर्गं समाश्रयेत्॥

सोमनाथ

विरासत के 75 साल

सोमनाथ भारत की अजेय सभ्यता का प्रतीक है। 1000 वर्षों के विनाशकारी प्रहारों के बाद भी, सोमनाथ आज हमारे आत्म-सम्मान और साहस की मिसाल बनकर खड़ा है।

75 वर्ष पहले लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के संकल्प से आधुनिक सोमनाथ का मार्ग प्रशस्त हुआ।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, आज यह पावन भूमि भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान का उद्घोष कर रही है।

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

इस स्वर्णिम अवसर के साक्षी बनें

मुख्य गतिविधियां

कलश यात्रा | भजन संध्या | ॐकार मंत्र का जाप
सोमनाथ पुस्तिका में मंत्र लेखन | सोमनाथ से जुड़ी कथाओं का वाचन

श्री सोमनाथ मंदिर परिसर, प्रभास पाटन | 8 से 11 मई, 2026

राजस्थान संवाद

"सोमनाथ आशा का वह गीत है जो हमें सिखाता है कि सृजन की शक्ति विनाश से कहीं अधिक प्रबल होती है।"
प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी (अध्यक्ष, श्री सोमनाथ ट्रस्ट)

सोमनाथ की दिव्यता व भव्यता में दें योगदान और बनें गौरवशाली इतिहास का हिस्सा।
स्कैन करें।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

वर्ष 2030 तक सभी जिलों में साइबर पुलिस स्टेशन स्थापित होंगे- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने विधि एवं विधिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित लोक अभियोजकों की कार्यशाला को संबोधित किया

जयपुर, 9 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि लोक अभियोजक न्याय व्यवस्था की एक अहम कड़ी हैं, जो विधिक मामलों में राज्य के प्रतिनिधित्व के साथ ही न्याय और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा में भी भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बदलते कानूनों और न्यायिक दृष्टिकोणों के अनुरुप अधिकारियों का निरंतर प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बिड़ला ऑडिटोरियम में विधि एवं विधिक कार्य विभाग के लोक अभियोजकों एवं विशेष लोक अभियोजकों की कार्यशाला को संबोधित किया। इस दौरान महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास व पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा भी मौजूद रहे।

सरकार का संकल्प है कि हर व्यक्ति तक सुलभ, त्वरित और पारदर्शी न्याय की पहुंच सुनिश्चित हो। इसी लक्ष्य के साथ राज्य सरकार प्रदेश में संवेदनशील, प्रभावी एवं जनोन्मुखी कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री शनिवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में विधि एवं विधिक कार्य विभाग द्वारा लोक अभियोजकों एवं विशेष लोक अभियोजकों के लिए आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बदलते कानूनों और न्यायिक दृष्टिकोणों के अनुरूप, अधिकारियों का निरंतर प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है। यह कार्यशाला लोक अभियोजकों को नए आपराधिक कानूनों, साइबर कानूनों तथा दिव्यांगजनों से जुड़े कानूनों के प्रति अधिक जागरूक, संवेदनशील एवं दक्ष बनाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार तीनों नए आपराधिक कानूनों के सफल क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है। पुलिस और अभियोजन को इन कानूनों की पूरी जानकारी देने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने राज्य के समस्त पुलिस थानों पर साइबर हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं तथा वर्ष 2030 तक समस्त जिलों में साइबर पुलिस स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। इसी तरह हमारी सरकार डिजिटल अरैस्ट सहित, अन्य साइबर अपराधों पर नियंत्रण एवं रोकथाम के लिए राजस्थान साइबर क्राइम कंट्रोल सेंटर की भी स्थापना करने जा रही है। राज्य सरकार साइबर अपराधों के एआई आधारित विश्लेषण तथा साइबर हैल्पलाइन कॉल सेंटर की व्यवस्था करेगी।

विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार हर व्यक्ति तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करने के ध्येय के साथ कार्य कर रही है।

इस अवसर पर महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, प्रमुख शासन सचिव विधि विभाग राघवेन्द्र काछवाल सहित विधि एवं विधिक कार्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में लोक अभियोजकगण व अधिवक्तागण मौजूद रहे।

पंजाब के मंत्री संजीव अरोडा को ईडी ने गिरफ्तार किया

चंडीगढ़ , 09 मई । पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने करीब 10 घंटे तक पूछताछ के बाद चंडीगढ़ से गिरफ्तार कर लिया। ईडी की टीम ने यह कार्रवाई 157 करोड़ की फर्जी बिक्री तथा फर्जी शैल कंपनियों के माध्यम से पैसों की लेन-देन के आधार पर की है। मंत्री की गिरफ्तारी के साथ ही पंजाब की राजनीति गरमा गई है। पंजाब के मुख्यमंत्री समेत तमाम मंत्री संजीव अरोड़ा के समर्थन में आ गए हैं। वहीं, विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा अकाली दल ने आम आदमी पार्टी (आप) का विरोध किया है।

ईडी की टीमों ने पिछले 20 दिन में शनिवार को दूसरी बार छापा मारा। ईडी की टीमों ने आज सुबह कार्रवाई शुरू की। दोपहर करीब एक बजे चंडीगढ़ आवास पर पंजाब के ऊर्जा एवं उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा को हिरासत में ले लिया गया। इसके बाद ईडी ने कागजी कार्रवाई पूरी की।

अनिल अंबानी समूह के 17 ठिकानों पर छापा

सीबीआई ने कथित बैंक धोखाधड़ी मामले में यह कार्यवाही की है

नई दिल्ली, 09 मई । केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अनिल अंबानी समूह से जुड़े कथित बैंक धोखाधड़ी मामलों में शनिवार को मुंबई में 17 स्थानों पर व्यापक छापेमारी की। यह कार्रवाई रिलायंस एडीए समूह की कंपनियों रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड तथा उनके निदेशकों के खिलाफ दर्ज मामलों में की गई।

सीबीआई के मुताबिक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और भारतीय जीवन बीमा निगम को हजारों करोड़ रुपये के कथित नुकसान से जुड़े मामलों की जांच जारी है। यह छापेमारी 08 मई को मुंबई स्थित सीबीआई मामलों की विशेष अदालत द्वारा जारी तलाशी वारंट के आधार पर की गई। जांच एजेंसी ने निदेशकों के

- **सीबीआई ने बताया कि रेड में कई महत्वपूर्ण एवं आपत्तिजनक दस्तावेज मिले हैं जिनकी जांच की जा रही है।**

आवासीय परिसरों के अलावा उन मध्यस्थ कंपनियों के कार्यालयों में भी तलाशी ली, जिनके खातों का कथित तौर पर बैंक धनराशि के डायवर्जन और लेन-देन के लिए उपयोग किया गया था।

एजेंसी ने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान कई महत्वपूर्ण और आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए हैं। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि कई मध्यस्थ कंपनियां एक ही पते से संचालित हो रही थीं, जिससे लेन-देन के नेटवर्क और धनराशि के उपयोग को लेकर संदेह और गहरा हुआ है। जब दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों की जांच की जा रही है। सीबीआई ने कहा कि जांच के दौरान बैंक खातों, वित्तीय लेन-देन, संबंधित कंपनियों और मध्यस्थ इकाइयों के बीच संबंधों की पड़ताल की जा रही है। एजेंसी यह भी जांच कर रही है कि कथित तौर पर लिए गए ऋण का उपयोग निर्धारित उद्देश्यों के बजाय अन्य माध्यमों में किया गया या नहीं। जांच एजेंसी ने बताया कि अनिल अंबानी समूह से जुड़े इन मामलों की जांच उच्चतम न्यायालय की निगरानी में की जा रही है। मामले में आगे भी कई लोगों से पूछताछ और अतिरिक्त कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

यूक्रेन युद्ध का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पश्चिम के संदर्भ में परिभाषित किया, चाहे प्रतिस्पर्धा, प्रशंसा या संघर्ष के माध्यम से किया हो। लेकिन आज, वह पुराना ढांचा फीका पड़ रहा है। पश्चिम स्वयं विखंडित और अनिश्चित दिखाई देता है, जिससे रूस को कोई स्पष्ट बाहरी संदर्भ बिंदु नहीं मिलता। क्रेमलिन ने इसके स्थान पर एक प्रेरक आंतरिक दृष्टि पेश करने में संघर्ष किया है।

चौथा कारक राज्य और समाज के बीच पुराने सामाजिक अनुबंध का पतन है। पहले, कई रूसी सीमित राजनीतिक स्वतंत्रता को आर्थिक स्थिरता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बदले बर्दाश्त कर लेते थे। वह संतुलन अब मौजूद नहीं है। राज्य धीरे-धीरे दैनिक जीवन में निगरानी, सेंसरशिप और वैचारिक नियंत्रण के माध्यम से हस्तक्षेप करता है, जबकि भविष्य के प्रति कोई आशावाद नहीं देता।

यह स्थिति शतरंज के खिलाड़ियों द्वारा "जुगज़वांग" कहा जाता है - ऐसी स्थिति जहां, हर संभव चाल स्थिति को और खराब कर देती है। पुतिन दमन बढ़ा सकते हैं या नियंत्रण बनाए रखने के लिए विदेशों में टकराव बढ़ा सकते हैं। लेकिन इस तरह के प्रत्येक कदम से रूस की स्थिरता और अनिश्चितता गहराती है।

प्रणाली कई वर्षों तक टिक सकती है, क्योंकि अधिनायकवादी शासन अक्सर डर और जड़ता पर जीवित रहते हैं। फिर भी पुतिन के लिए गहरी चुनौती अब केवल सत्ता बनाए रखने की नहीं है। यह विश्वास बहाल करने की है कि उनका शासन अभी भी रूस के लिए एक व्यवहार्य भविष्य का प्रतिनिधित्व करता है।

क्या राजस्थान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वहीं वेणुगोपाल के मुख्यमंत्री बनने की चर्चा पर विरोध और धरने हो रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, बैठक की मुख्य घटना वीडी सतीशन का इस्तीफा देने की धमकी देना और अगर उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया तो कोई पद न लेने की घोषणा करना रही।

बैठक में उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में उन्होंने कड़ी मेहनत की, हर गाँव और ज़िले में जाकर पार्टी के लिए काम और प्रचार किया, जबकि वेणुगोपाल दिल्ली में बैठे और बिना काम किए सत्ता के लाभ का आनंद उठा रहे थे और अब कह रहे हैं कि वे मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं।

अपुष्ट सूत्रों के अनुसार, वेणुगोपाल ने भी अपनी कमर कस ली है और कहा है कि वे सुनिश्चित करेंगे कि सतीशन मुख्यमंत्री न बनें।

सूत्रों का कहना है कि पार्टी और राज्य में सतीशन को जबरदस्त समर्थन प्राप्त है और राहुल गांधी को सूझबूझ और विवेक के आधार पर निर्णय लेना होगा, अन्यथा पार्टी को गंभीर नुकसान हो सकता है।

यह भी बताया गया है कि वायनाड,जो पहले राहुल और अब प्रियंका का लोकसभा क्षेत्र है, में सतीशन का काफी समर्थन है और आईयूएमएल भी सतीशन के बहुत करीब है। उन्होंने भी राहुल गांधी पर दबाव डाला है। यह मुद्दा अभी भी बहस और चर्चा का विषय बना हुआ है।

पार्टी केवल एक राज्य में जीती है, लेकिन मुख्यमंत्री पद को लेकर अभी तक कोई समाधान या निर्णय नहीं किया जा सका है।

नौ साल पहले मारे गए भाजपा कार्यकर्ता के परिवार से मिले प्रधानमंत्री

प्र.मंत्री मोदी ने शपथ ग्रहण समारोह के दौरान मारे गए सौमित्र घोषाल के परिवार से मुलाकात की

बारुईपुर, 09 मई। पश्चिम बंगाल में साल 2017 में हुई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ता की हत्या के मामले में एक बार पुन: न्याय की उम्मीद जगी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को ब्रिगेड मैदान में शपथ ग्रहण समारोह के दौरान मृतक सौमित्र घोषाल के परिवार से मुलाकात कर उन्हें न्याय का भरोसा दिलाया।

सौमित्र घोषाल, जो दक्षिण 24 परगना के बारुईपुर के दक्षिण गड़िया इलाके के निवासी थे। उनकी 2017 में दिनदहाड़े पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। आरोप है कि राजनीतिक वजहों से उनकी हत्या कर शव को एक सुपारी बागान में लटका दिया गया था। घटना के बाद लंबे समय तक विरोध प्रदर्शन हुए, कुछ आरोपियों की गिरफ्तारी भी हुई, लेकिन परिवार को न्याय नहीं मिल सका। अब राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद पीड़ित परिवार को एक बार फिर उम्मीद जगी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद परिवार के सदस्यों

- **मृतक की मां बनलता घोषाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने उन्हें न्याय का भरोसा दिलाया है।**

ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस बार उन्हें न्याय जरूर मिलेगा।

मृतक की मां बनलता घोषाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के आश्वासन से उन्हें नई उम्मीद मिली है। उन्होंने बताया कि उनका बेटा भाजपा से जुड़ा था और इसलिए उसे निशाना बनाया गया।

वहीं, परिवार की अन्य सदस्यों ने भी कहा कि वर्षों तक न्याय के लिए संघर्ष करने के बावजूद उन्हें कुछ हासिल नहीं हुआ, लेकिन अब उन्हें भरोसा है कि हालात बदलेंगे।

लोगों ने भी प्रधानमंत्री के इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि इतने साल बाद भी मामले को याद रखना और परिवार से मिलना बड़ी बात है, जिससे न्याय की उम्मीद मजबूत हुई है

मंगलवार को शपथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बैठक भी होगी, जिसमें एनडीए का नेता चुना जाएगा।

सरमा ने कहा, दोपहर 12 बजे, एनडीए के नेता राज्यपाल से मुलाकात करेंगे और सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। जैसे ही राज्यपाल अनुमति देंगे, सरकार बनाने की प्रक्रिया तुरंत शुरू हो जाएगा।" सरमा ने आगे कहा कि शपथ ग्रहण समारोह में असम में 20 राज्यों के मुख्यमंत्रियों के शामिल होने की उम्मीद है। बहुत से उद्योगपतियों को भी इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा, सत्राधिकारों और वैष्णव धार्मिक प्रमुखों के साथ-साथ, भाजपा और बूथ समितियों के अध्यक्षों को भी आमंत्रित किया गया है।

लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला व केन्द्रीय मंत्रियों ने महाराणा प्रताप को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली, 09 मई। पराक्रम और स्वाभिमान के अमर प्रतीक महाराणा प्रताप की जयंती पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, गृह मंत्री अमित शाह और अन्य केंद्रीय मंत्रियों ने उन्हें श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि दी।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने महाराणा प्रताप की जयंती पर नमन करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप स्वतंत्रता, आत्मसम्मान और राष्ट्रधर्म के जीवंत प्रतीक थे, जिन्होंने अपने जीवन का प्रत्येक क्षण मातृभूमि की रक्षा एवं स्वाभिमान की प्रतिष्ठा के लिए समर्पित किया। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने महाराणा प्रताप की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि भारतीय इतिहास में स्वतंत्रता, आत्मसम्मान और त्याग के सर्वोच्च प्रेरणास्रोत महाराणा प्रताप ने अपने जीवन का प्रत्येक क्षण मातृभूमि, धर्म और संस्कृति की रक्षा तथा इनके स्वाभिमान की प्रतिष्ठा के लिए समर्पित कर दिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित करने वाले, अदम्य शौर्य और अटूट स्वाभिमान के प्रतीक वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप को उनकी जयंती पर नमन।

भाजपा को रोकने के लिये वामदलों का सहयोग ले सकती हूँ- ममता

कोलकाता, 09 मई। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस प्रमुख व पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर

- **ममता बनर्जी के बयान ने राजनीतिक हलचल बढ़ाई।**

अपने बयान से राज्य की राजनीति में हलचल बढ़ा दी है। उन्होंने कहा है कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए यदि जरूरत पड़ी तो वे वाम दलों से सहयोग लेने में भी कोई आपत्ति नहीं करेंगी।

ममता बनर्जी ने यह बयान कोलकाता के कालीघाट स्थित अपने आवास के निकट आयोजित रवीन्द्रनाथ टैगोर जयंती समारोह के दौरान दिया।

तमिलनाडु में विजय के शपथ ग्रहण का रास्ता साफ

चेन्नई, 09 मई । तमिलनाडु की राजनीति में पिछले कई दिनों से चला आ रहा सियासी सस्पेंस आखिरकार समाप्त हो गया है। अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेट्टी कझगम (टीवीके) को सरकार बनाने के लिए आवश्यक बहुमत मिल गया है। विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके) ने शनिवार को बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा कर दी, जिसके बाद विजय के मुख्यमंत्री बनने का रास्ता लगभग साफ हो गया है।

चुनाव परिणाम आने के बाद सबसे पहले कांग्रेस ने अपने पांच विधायकों का समर्थन विजय को देने की घोषणा की। इसके बाद भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने भी अपने-अपने दो विधायकों का समर्थन दिया। इन समर्थन पत्रों के बाद टीवीके के पक्ष में कुल संख्या 117 तक पहुंच गई थी। इसके बाद पूरे राज्य की निगाहें

- **वीसीके और आईयूएमएल के समर्थन के बाद विजय के पास 120 विधायकों का समर्थन हैं, वे जल्दी ही राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे।**

वीसीके पर टिक गई थीं। शनिवार शाम हुई पार्टी की अहम बैठक में टीवीके को समर्थन देने पर सहमति बनी। वीसीके ने बिना किसी शर्त के विजय को समर्थन पत्र सौंप दिया। पार्टी के दो विधायकों के समर्थन के बाद टीवीके के समर्थन में कुल संख्या 118 हो गई, जो सरकार बनाने के लिए आवश्यक बहुमत का आंकड़ा है।

इस बीच राज्य की राजनीति में एक और मोड़ तब आया, जब इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) ने भी समर्थन दे दिया।

अब विजय जल्द ही राज्यपाल से दोबारा मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे।

एसएमएस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करीब सवा तीन बजे आठवीं मंजिल पर पहुंच कर नितिन ने फंदे से झूलकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। घटना स्थल पर केवल एक स्मार्ट फोन और लैपटॉप मिला है। हॉस्टल स्टाफ का कहना है कि छात्र लैपटॉप बैग में रस्सी लेकर आया था।

प.बंगाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कीर्तनिया। इन पांच मंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित, अन्य शीर्ष गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में शपथ ली।

पश्चिम बंगाल कैबिनेट में मंत्रिपरिषद का अधिकतम आकार 44 है, जिसमें अभी 39 और मंत्रियों को शामिल करने की जगह है।

'युवा को नौकरी देने की बजाय लाठिया दी जा रही हैं'

राहुल गांधी ने पटना में बीपीएससी शिक्षक अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज की निंदा की

नई दिल्ली, 09 मई । कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) द्वारा शिक्षक भर्ती के चौथे चरण का विज्ञापन जारी करने की मांग को लेकर पटना में प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों पर पुलिस लाठीचार्ज की निंदा की है। उन्होंने आरोप लगाया कि बेरोजगार युवाओं की आवाज सुनने के बजाय, सरकार उन पर बल प्रयोग कर रही है।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इस घटना से जुड़ा लगभग एक मिनट का एक वीडियो साझा किया, जिसमें पुलिसकर्मी प्रदर्शन कर रहे छात्रों

- **राहुल गांधी ने एक्स पर लाठीचार्ज का वीडियो भी पोस्ट किया।**

पर लाठियां बरसाते दिखाई दे रहे हैं। राहुल गांधी ने पोस्ट में कहा कि अपने रोजगार के अधिकार की मांग को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे शिक्षक अभ्यर्थियों के साथ बिहार पुलिस ने बेरहमी का व्यवहार किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकारों के पास बेरोजगार युवाओं के सवालों का जवाब केवल लाठीचार्ज और दमन है।

राहुल गांधी ने लिखा कि आज भारत की सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी है और इसका सबसे अधिक असर बिहार और उत्तर प्रदेश के युवाओं पर पड़ रहा है। लाखों युवा डिग्री और योग्यता हासिल करने के बाद भी रोजगार के लिए भटक रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं के समाधान के प्रति गंभीर नजर नहीं आती। कांग्रेस नेता ने कहा कि जब युवा अपने अधिकार और रोजगार की मांग को लेकर सड़कों पर उतरते हैं, तब उन्हें नौकरी देने के बजाय लाठियां दी जाती हैं।

भाजपा बनी ''बंगालार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

श्यामा प्रसाद के साथ कश्मीर गए थे। इसके पहले, श्यामा प्रसाद केन्द्र सरकार में उद्योग मंत्री बन गये थे।

दुर्भाग्यवश, इस विरोध यात्रा के दौरान श्यामा प्रसाद की कश्मीर की जेल में मृत्यु हो गई और इस बात की गहरी आशंका है कि उनकी जेल में हत्या कर दी गई थी। भाजपा के मास्टर ऑफ़ सेरेमनी ने वास्तव में इस घटना का उल्लेख किया और कहा कि डॉ. मुखर्जी की हत्या वास्तव में हुई थी।

माखन लाल सरकार को प्रधानमंत्री ने सम्मानित किया। समारोह की अध्यक्षता कर रहे प्रधानमंत्री ने सरकार को एक शॉल भेंट किया। शॉल पहनाते समय प्रधानमंत्री ने 97 वर्षीय माखन लाल के पैर छूकर उनका सम्मान भी किया। यह एक भावनात्मक क्षण बन गया।

सन् 1951 की विरोध यात्रा के बाद माखन लाल को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया। 1950 के दशक की शुरुआत में दिल्ली की अदालत में उनके मुकदमे के दौरान, न्यायाधीश ने गिरफ्तारी का कारण पूछा। दिल्ली पुलिस ने बताया कि आरोपी ने एक ऐसा गीत गाया था, जिसे आपत्तिजनक माना गया।

उत्साही माखन लाल ने एक जोशीला देशभक्ति गीत गाया था, और यह बात जानकर, दिल्ली की अदालत के न्यायाधीश ने युवक से अदालत में ही वह गीत गाने को कहा।

अदालत में गीत सुनने के बाद, न्यायाधीश ने आदेश दिया कि दिल्ली पुलिस तुरंत उन्हें रिहा करे, सिलीगुड़ी बंगाल में उनके घर के लिए प्रथम श्रेणी टिकट का आयोजन करे और यात्रा के दौरान आकस्मिक खर्चों के लिए 100 रुपये की राशि प्रदान करे। भाजपा ने इस पूरी घटना को अपने शुरुआती दिनों में वैधता हासिल करने के संघर्ष के रुप में बड़ी चतुराई से इस्तेमाल किया तथा इस बात का जनता पर गहरा प्रभाव पड़ा।

कई अन्य मायनों में यह समारोह एक नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह से कहीं अधिक महत्वपूर्ण बन गया।

यह राज्य में भाजपा के "बंगालीपन" का एक बड़ा शो बन गया। पार्टी के बंगाली सांस्कृतिक झुकाव के इस जानबूझकर किए गए प्रदर्शन का उद्देश्य ममता बनर्जी के इस आरोप का खंडन करना था कि भाजपा बंगाल विरोधी है और बंगाली पहचान से उसका कोई संबंध नहीं है।

सबसे पहले, शपथ ग्रहण की तारीख जानबूझकर 25 बैसाख चुनी गई, जो रबींद्रनाथ टैगोर की जयंती है, और टैगोर बंगाल की सांस्कृतिक आत्मा की गहरी पहचान हैं। प्रधानमंत्री ने सबसे पहले मंच पर लगे एक बड़े चित्र के सामने पुष्प अर्पित करके कवि को श्रद्धांजलि दी।

पार्टी ने बंगाल की सांस्कृतिक विविधता का एक अद्भुत प्रदर्शन आयोजित किया, जिसमें आदिवासी लोक नृत्यों से लेकर दुर्गा पूजा के ढोल की थाप शामिल थी। सबसे महत्वपूर्ण, राजनीतिक प्रभाव को रेखांकित करने के लिए, "झाल मुड़ी" की 25 स्टॉल लगाई गई थीं। प्रधानमंत्री ने अपने चुनाव अभियान के दौरान झालमुड़ी खाई थी, जिससे ममता बनर्जी काफी चिढ़ गई थीं।

इतना विशाल आयोजन सफलतापूर्वक आयोजित करने के बाद, अब जिम्मेदारी भाजपा पर है कि वह अपने बड़े वादों को सफलतापूर्वक पूरा करे और नई भाजपा सरकार से जनता की जो विशाल अपेक्षाएं हैं, उन्हें पूरा करे।

तमिलनाडु के संदर्भ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जब स्पष्ट हो गया कि सरकार के पास बहुमत नहीं है, वाजपेयी ने एक उल्लेखनीय भाषण दिया और 13 दिनों के बाद इस्तीफा दे दिया। इसके बाद गैर-भाजपा और गैर-कांग्रेस दलों ने यूनाइटेड फ्रंट का गठन किया। कांग्रेस, जिसके पास 140 सीटें थीं, ने बाहर से समर्थन देने का विकल्प चुना। यूनाइटेड फ्रंट के पास लगभग 190 सीटें थीं।

कांग्रेस के समर्थन से देवगौड़ा ने बहुमत सुनिश्चित किया और 1 जून 1996 को प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली।

कांग्रेस अध्यक्ष बनने वाले सीताराम केसरी का मानना था कि देवगौड़ा उन्हें पर्याप्त महत्व नहीं दे रहे हैं। इस अवधि में कांग्रेस नेताओं से जुड़े पुराने भ्रष्टाचार मामलों की जांच भी तेज हो गई थी। केसरी ने प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप की मांग की, जो उन्होंने नहीं किया।

30 मार्च 1997 को केसरी राष्ट्रपति भवन गये और समर्थन वापस ले लिया। इसके बाद विश्वास मत प्रस्ताव पेश किया गया और 11 अप्रैल 1997 को यूनाइटेड फ्रंट को 190 वोट मिले, जबकि विपक्ष ने 292 वोट हासिल किए। भाजपा और कांग्रेस दोनों ने सरकार के खिलाफ वोट दिया।

इसी समय प्रमोद महाजन ने संदर्भित भाषण दिया। महाजन ने अपनी बात शुरू करते हुए रामाकांत खलप के नेतृत्व में भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल के चीन दौरे का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि चीनी प्रतिनिधियों को भारतीय लोकतंत्र के कार्य करने के तरीके को लेकर जिज्ञासा थी, और फिर उन्होंने बताया कि उन्होंने इसे कैसे समझाया।

उन्होंने कहा, "मैं प्रमोद महाजन हूँ। मैं लोकसभा का सदस्य हूँ। मैं सबसे बड़ी पार्टी से हूँ और मैं विपक्ष में हूँ।"

महाजन के अनुसार, चीनी प्रतिनिधियों ने इस पर आश्चर्य व्यक्त किया। उन्होंने फिर कांग्रेस सांसद श्रीबल्लभ पाणिग्रही की ओर इशारा किया और बताया कि वे दूसरी सबसे बड़ी पार्टी से हैं, जो सरकार के बाहर है, लेकिन सरकार का समर्थन कर रही है। इसके बाद उन्होंने सीपीआई (एम) के एमए बेबी की ओर इशारा किया, जो तीसरी सबसे बड़ी पार्टी से हैं, फ्रंट में शामिल हैं, लेकिन सरकार के बाहर हैं।

वीसीके और वामदलों द्वारा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विजय राज्यपाल राजेन्द्र अर्लेकर से मुलाकात कर रहे हैं और यदि उन्हें यह विश्वास हो जाता है कि टीवीके के पास यथेष्ट संख्या है, तो शपथ लेने का समय तय किया जा सकता है।

अर्लेकर, जो केरल के भी राज्यपाल हैं, लगभग शाम 7 बजे के आसपास राज्य के लिए रवाना होने वाले थे, लेकिन उन्होंने वह उड़ान रद्द कर दी। वीसीके का जो समर्थन पत्र एनडीटीवी ने देखा, उसमें कहा गया है कि विजय को समर्थन देने का निर्णय तमिलनाडु में स्थिर और लोकतांत्रिक सरकार सुनिश्चित करने के लिए लिया गया। राज्यपाल को संबोधित वीसीके विधायक दल के नेता बन्नी अरसू द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में कहा गया है, "डॉ. थोल थिरुमावलवन, टीवीके के अध्यक्ष, हमारे दो विधायकों की ओर से, राज्य में सरकार बनाने के उद्देश्य से टीवीके को उसके अध्यक्ष और विधानक दल के नेता सी जोसेफ विजय के नेतृत्व में सरकार बनाने के लिए हमारा समर्थन देते हैं।

यह समर्थन तमिलनाडु के लोगों के लिए स्थिर और लोकतांत्रिक शासन सुनिश्चित करने के हित में दिया जा रहा है। मैं महामहिम से अनुरोध करता हूँ कि कृपया हमारे बिना शर्त समर्थन को रिकॉर्ड पर लें।"

वीसीके प्रमुख थिरुमावलवन ने समर्थन की पुष्टि करते हुए कहा, "वर्तमान में, हमारा ध्यान केवल एक चीज़ पर है। हमें ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं होने देनी चाहिए, जहाँ हम विजय सरकार बनाने में असमर्थ रहें। हमें तमिलनाडु में राष्ट्रपति शासन लागू होने नहीं देना चाहिए। इसी आधार पर, बाहर रहकर अपना समर्थन देना सरकार बनाने में सहायता है।"

वीसीके और आईयूएमएल के समर्थन से टीवीके की संख्या में चार महत्वपूर्ण सीटें जुड़ गई हैं। अब इनकी संख्या 120 हो गई है।

जहाँ वाम दलों ने बिना शर्त समर्थन दिया, वहीं कांग्रेस का समर्थन कुछ शर्तों के साथ आया। वाम दलों ने विजय की कैबिनेट से बाहर रहने का निर्णय लिया और, सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस दो मंत्रालयों की उम्मीद कर रही थी।

द्रमुक प्रमुख एमके स्टालिन ने अपने सहयोगी वीसीके और वाम दलों के विजय को समर्थन देने के निर्णय का स्वागत किया, ताकि सरकार संकट से बच सके।

स्टालिन ने एक वाक्य की पोस्ट में कहा, "मैं हमारे गठबंधन साथियों के इस घोषणा का स्वागत करता हूँ कि वर्तमान संकट से बचने के लिए, यदि हम तमिलनाडु विजय फेडरेशन को सरकार बनाने के लिए समर्थन देते हैं, फिर भी हम नीति के आधार पर डीएमके के नेतृत्व वाले धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन में बने रहते हैं।" अपने सहयोगियों की तुलना करते हुए, उन्होंने वीसीके और वाम दलों की "मित्रता की भावना" की प्रशंसा की, लेकिन कहा कि विजयी कांग्रेस विधायकों ने द्रमुक से, बिना किसी संवाद के, संबंध तोड़ लिए। उन्होंने पहले कांग्रेस द्वारा द्रमुक को छोड़कर टीवीके के साथ जाने के कदम को "पीठ में छुरा घोंपना" कहा था।

मुख्यमंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सहित, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, मंत्रीगण एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908

Hero

Hero WORLD'S NUMBER 1 MOTORCYCLE & SCOOTER COMPANY FOR 25 YEARS IN A ROW

5 करोड़~ सपनों की कहानी.
एक भरोसे की ज़ुबानी.

नया Splendor+ XTEC 2.0

एक्स-शोरूम कीमत ₹82,792*

इंस्टेंट डिस्काउंट ₹10 000^ तक

HDFC BANK | SBI card क्रेडिट कार्ड

Powered by pine labs

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply

TOLL FREE NO. 1800-266-0018

Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L.35911DL1984PLC0173541. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com . Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ~Based on the combined & cumulative dispatch volume of the Splendor range of motorcycles till March 2025. #Internal benchmarking on the basis of data available in public forums for 100cc segment bikes in India. Hero MotoCorp reserves the rights to modify or withdraw any or all the offers without prior notice. *Ex-showroom price of SPLENDOR+ XTEC 2.0 DRUM BRAKE in Rajasthan. ^T&C apply.

Splendor+ WORLD'S NO.1 MOTORCYCLE

अधिकृत डीलर: जयपुर: सूर्या हीरो, सीकर रोड़, लेन नं. 8, वीकेआईए, 9289922901, सुप्रीम हीरो, गोविन्द मार्ग, राजापार्क, 9289922197, आकड़ हीरो, अजमेर रोड, 9289922192, शुभम हीरो, सहकार मार्ग, 9289922207, कोटपूतली: चौधरी हीरो, 9289922797, एसोशिएट डीलर: मानसरोवर: आर.एल. मोटर्स, 9579258884, जगतपुरा: टीनिटी मोटर्स, 8003088062, करबला (जयपुर): सुपर मोटर्स, 8824088678, सिरसी रोड़ मीनावाला: रजत स्पीड जोन, 9261499995, बगरू: लाम्बा मोटर्स, 97728 81888, भांकरोटा: हरितवाल ऑटोमोबाइल्स, 9314013185, चाकसू: नाकोडा ऑटोमोबाइल, 9950560918, बस्सी: वरधानी ऑटोमोबाइल्स, 9414312552, सर्राफ ऑटोमोबाइल्स, 9414751333, दूदू: श्री गणेश ऑटोमोबाइल्स, 9352727667, शाहपुरा: सत्यम मोटर्स, 8104361919, हरमाड़ा: बी.एल. ऑटोमोबाईल्स, 9314050594, फुलेरा: अग्रवाल ऑटोमोबाइल्स, 9414818930, जमवा रामगढ़: उदय ऑटोमोबाइल्स, 9828090676, जोबनेर: केशव ऑटोमोबाईल्स, 8769505565, पावटा: पंकज मोटर्स, 96104 26700, कानोता: के.पी. ऑटोमोबाइल्स, 9414228404, मनोहरपुर: श्री कृष्णा मोटर्स, 8560000816, 9414643816, अचरोल: हैप्पी ऑटोमोबाइल, 9829321200, 7073888288 आंतेला: सैनी ऑटोमोबाइल्स, 7790999997, जयपुर: हार्दिक मोटर, 9828085118, रेनवाल मांजी: सालासर मोटर्स, 9001094391, मेड़: किरण मोटर्स, 9314039090, झोटवाड़ा: प्राइम मोटर्स, 9358048181, वाटिका: बालाजी मोटर्स, 8875558222, 9549997999, तुंगा: जय बालाजी मोटर्स, 8094528008, 9549652279, कोटखावादा: श्री राम मोटर्स, 9414866716, विराटनगर: बागड़ा मोटर्स, 9928776482, वैशाली नगर: सिद्धिक मोटर्स, 9610444469, कुकस: आदित्य मोटर्स, 9829494009, दौलतपुरा: त्रिवेणी मोटर्स 6377644292, प्रताप नगर: आनंद मोटर्स 9773343232, सांगानेर: मुहाना मोटर्स, 9351591591.

RS/Hero/06/25